राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, सोमवार, 27 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 71 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

JANTA PARTY

सीजेपी के बाद अब मैदान में इ20 जनता पार्टी

रांची में डूरंड कप का जोरदार आगाज

जमशेदपुर एफसी ने श्रीलंका आर्मी को 5-0 से हराया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की राजधानी रांची ने रविवार को भारतीय फुटबॉल के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। शहर में पहली बार प्रतिष्ठित डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट का मुकाबला खेला गया। ग्रुप-सी के उद्घाटन मैच में जमशेदपुर एफसी ने श्रीलंका आर्मी डिफेंडर्स एफसी को 5-0 के बड़े अंतर से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए बिरसा मुंडा स्टेडियम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हेलीकॉप्टर से डूरंड कप का ध्वज स्टेडियम के ऊपर लहराया जाना रहा, जिसने दर्शकों का उत्साह दोगुना कर दिया। बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमी इस ऐतिहासिक मुकाबले के साक्षी बने। मैच में जमशेदपुर एफसी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पहले हाफ की समाप्ति तक टीम 4-0 की मजबूत बढ़त बना चुकी थी। रेनियर फर्नांडिस ने शानदार खेल दिखाते हुए हैट्रिक जमाई, जबकि अमन सीके और देवेंद्र ने एक-एक गोल कर टीम की जीत को और अधिक प्रभावशाली बना दिया। रांची को इस बार डूरंड कप के ग्रुप-सी के छह मुकाबलों की मेजबानी मिली है। इस ग्रुप में जमशेदपुर एफसी और श्रीलंका आर्मी डिफेंडर्स एफसी के अलावा दिल्ली एफसी तथा इंडियन एयर फोर्स की टीमें भी शामिल हैं। बिरसा मुंडा स्टेडियम में अगला मुकाबला 29 जुलाई को इंडियन एयर फोर्स और श्रीलंका आर्मी डिफेंडर्स एफसी के बीच खेला जाएगा। इस आयोजन से झारखंड में फुटबॉल को नई पहचान मिलने और प्रदेश की खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बिहार में सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में रविवार सड़क हादसों के नाम रहा। नालंदा, भोजपुर, कटिहार और अररिया में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में भोजपुर के चाचा-भतीजा भी शामिल हैं। सभी मामलों में पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग उठी है। भोजपुर जिले में सबसे दर्दनाक हादसा पीरो थाना क्षेत्र के बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे स्थित धोबीघटवा के समीप हुआ। यहां दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान बिहिया थाना क्षेत्र के धरहरा दलित टोला निवासी 20 वर्षीय गोलू मुसहर, उनके चाचा 21 वर्षीय शक्ति मुसहर तथा जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी गांव निवासी 35 वर्षीय प्रदीप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्रावणी मेले की तैयारियों का एसडीएम ने लिया जायजा

अतिक्रमण हटाने और शुद्ध खाद्य सामग्री बेचने के निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। विश्व प्रसिद्ध बासुकीनाथ राजकीय श्रावणी मेला 30 जुलाई से शुरू होगा। इसे लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर के आसपास सड़क किनारे लगे अतिक्रमण को हटवाया तथा दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी दी। एसडीएम ने फूड सेफ्टी टीम के साथ होटल, नाश्ता दुकानों और भोजनालयों में खाद्य सामग्री की जांच कराई। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को निर्धारित दर, सही वजन और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने पर संबंधित दुकानदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सामान जब्त करने और दुकान सील करने की कार्रवाई की जाएगी। इधर, उपायुक्त अभिजीत कुमार सिन्हा ने भी मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर टेंट, बस पड़ाव, कतार व्यवस्था, पेयजल, स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, प्रतिदिन बेडशीट बदलने, मोबाइल चार्जिंग सुविधा, शौचालयों की नियमित सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए।

एक सप्ताह में 1,277 मीट्रिक टन कोयला जब्त

सीआइएसएफ का अवैध कोयला खनन पर शिकंजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अवैध कोयला खनन, चोरी और अनधिकृत परिवहन के खिलाफ अभियान तेज करते हुए 20 से 26 जुलाई के बीच देशभर में बड़ी कार्रवाई की। खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (एमएमडीआर) के तहत चलाए गए अभियान में 85 छापेमारी कर 1,277 मीट्रिक टन अवैध कोयला जब्त किया गया। सीआईएसएफ के अनुसार, अभियान के दौरान एक प्राथमिकी दर्ज की गई, पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया तथा अवैध खनन और परिवहन में प्रयुक्त 40 वाहनों को जब्त किया गया। सबसे अधिक कार्रवाई बीसीसीएल धनबाद और ईसीएल शीतलपुर क्षेत्र में हुई। बीसीसीएल में 14 छापेमारी के दौरान 771 मीट्रिक टन कोयला बरामद किया गया, जबकि ईसीएल में 51 छापेमारी में 341 मीट्रिक टन अवैध कोयला जब्त किया गया।
इसके अलावा सीसीएल करगली में 145 मीट्रिक टन, एनके पीपरवार में 20 मीट्रिक टन अवैध कोयला बरामद किया गया। एनके पीपरवार में एक प्राथमिकी दर्ज की गई, जबकि एसईसीएल बिलासपुर में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। सीआईएसएफ ने बताया कि खुफिया सूचनाओं, तकनीकी निगरानी और कोयला कंपनियों व स्थानीय प्रशासन के समन्वय से यह अभियान सफल रहा। बल ने कहा कि वह सरकार के 'जीरो कोल लीकेज' लक्ष्य के तहत अवैध खनन और कोयला चोरी पर प्रभावी रोक लगाने तथा कोयला आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अभियान आगे भी जारी रखेगा।

परीक्षा सुधारों के लिए हाई पावर्ड टास्क फोर्स बनेगी, नंदन नीलेकणि करेंगे नेतृत्व

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश की परीक्षा प्रणाली में व्यापक और दीर्घकालिक सुधारों के लिए हाई पावर्ड टास्क फोर्स गठित करने की घोषणा की। इस टास्क फोर्स का नेतृत्व इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि करेंगे। सरकार का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली से खिलवाड़ करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है और दोषी जेल में हैं। ऐसे मामलों के त्वरित निपटारे के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतों की व्यवस्था भी की गई है। प्रधानमंत्री ने बताया कि परीक्षा संबंधी अनियमितताओं और पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सरकार संसद में कड़े कानूनी प्रावधानों वाला नया कानून लाने की दिशा में भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को केवल अस्थायी उपायों से नहीं, बल्कि स्थायी और आधुनिक तकनीक के माध्यम से मजबूत बनाया जाएगा। डिजिटल तकनीक, उन्नत निगरानी प्रणाली और तकनीकी नवाचारों के जरिए परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और पूरी तरह भरोसेमंद बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाएगा।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान तेज, 94.96 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण पूरा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड कार्यालय ने रविवार शाम 6 बजे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का ताजा बुलेटिन जारी किया। इसके अनुसार वर्ष 2026 की मतदाता सूची में राज्य के कुल 2,64,63,236 मतदाता दर्ज हैं। बुलेटिन के अनुसार अब तक 2,64,36,310 मतदाताओं यानी 99.90 प्रतिशत को गणना प्रपत्र (इन्यूमरेशन फॉर्म) उपलब्ध करा दिए गए हैं। वहीं मतदाताओं द्वारा भरे एवं हस्ताक्षरित 2,15,91,889 गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। इन मतदाताओं के नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक 35,38,762 गणना प्रपत्र अब तक वापस प्राप्त नहीं हुए हैं। इनमें 7,10,090 (2.68 प्रतिशत) मृत मतदाता, 10,43,441 (3.94 प्रतिशत) पता नहीं चलने वाले अथवा अनुपस्थित मतदाता, 13,82,101 (5.22 प्रतिशत) स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाता, 3,68,425 (1.39 प्रतिशत) अन्य स्थानों पर पहले से नामांकित मतदाता तथा 34,705 (0.13 प्रतिशत) ऐसे मतदाता शामिल हैं, जिन्होंने गणना प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार राज्य में अब तक कुल 2,51,30,651 गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है, जो कुल मतदाताओं का 94.96 प्रतिशत है।निर्वाचन विभाग ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत शेष गणना प्रपत्रों के संग्रहण और डिजिटलीकरण का कार्य भी तेजी से जारी है, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाया जा सके। 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण होगी।

धनबाद में ब्लाइंड मर्डर का 24 घंटे में खुलासा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। कतरास थाना क्षेत्र के ईस्ट बसुरिया ओपी अंतर्गत सोरीटांड़-कौशलपुरम में बीसीसीएल कर्मी जयराम मांझी की हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने दो आरोपियों कुंदन कुमार और प्रेम चौहान उर्फ पुष्पा को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, पत्थर, मोटरसाइकिल समेत अन्य साक्ष्य बरामद किए हैं। ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब ने बताया कि 23 जुलाई को झाड़ियों से शव बरामद होने के बाद मृतक की पत्नी के बयान पर मामला दर्ज किया गया था। एसएसपी के निर्देश पर गठित एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जाली प्रमाणपत्रों पर व्याख्याता बहाली में फर्जीवाड़ा

आरके कॉलेज मधुबनी के प्राचार्य, पुलिस अधीक्षक, एसडीपीओ, थानाध्यक्ष के फर्जी दस्तखत व मुहर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मधुबनी। तेलंगाना में व्याख्याता की बहाली में बड़े फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ हुआ है। बिहार में मधुबनी जिला के वरीय पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार के निर्देश पर हुए जांच में 17 अभ्यर्थियों के पीजी के प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए हैं। प्रमाणपत्र आरके कॉलेज मधुबनी के नाम से निर्गत हुए थे। बहाली के लिए न केवल फर्जी प्रमाणपत्र लगाए गए, बल्कि सत्यापन में भी फर्जीवाड़ा किया गया। मधुबनी के वरीय पुलिस अधीक्षक योगेन्द्र कुमार के आदेश पर नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने अपने बयान पर सभी अभ्यर्थियों के खिलाफ नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की है। इसमें फर्जीवाड़ा में शामिल अन्य अज्ञात लोगों को भी शामिल किया गया है। प्राथमिकी में आरोपितों पर नगर थानाध्यक्ष, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय,वरीय पुलिस अधीक्षक एवं आरके कालेज मधुबनी के प्राचार्य का फर्जी हस्ताक्षर एवं मुहर का प्रयोग कर फर्जी प्रमाणपत्र को असली बताकर अपर पुलिस महानिदेशक तेलंगाना को स्पीड पोस्ट से सत्यापन प्रतिवेदन भेजने का आरोप है। मिली जानकारी के अनुसार तेलंगाना में 17 अभ्यर्थियों का प्रमाणपत्र आरके कॉलेज मधुबनी का पाए जाने पर जांच शुरू हुई थी। विशेष शाखा पटना के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक रश्मि ने प्रमाण-पत्रों का सत्यापन किया, तो पता चला सरकारी स्तर पर सत्यापन से पूर्व ही फर्जीवाड़ा गिरोह ने गलत सत्यापन रिपोर्ट तेलंगाना के डीजीपी को भेज दिया। वरीय पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने अपर पुलिस अधीक्षक रश्मि के जांच प्रतिवेदन पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए नगर थानाध्यक्ष को पत्र जारी किया था। सत्यापन में आरके कालेज के प्राचार्य, पुलिस अधीक्षक, एसडीपीओ, थानाध्यक्ष के फर्जी दस्तखत व मुहर मिले। फर्जीवाड़े में स्थानीय लोगों के शामिल होने की भी आशंका है। वहीं नगर थाना मधुबनी में 17 अभ्यर्थियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें राजाबाबूवंगा श्रीनिवास, वुन्द्राल्ला किशन पी चैतन्य,लयागला परशरामुला, गुदला महथा,पातुर श्रीनिवास, बन्दारी रमेश,मीसा शंकराय पय्यावुला तिरुपाठी,शेट्टी कृष्णा,अन्नामेनी राजू, न्याराम बालामल्लाय, चेन्नाबोइना नरेंद्र,कालेरी अनुसुइया,सिरगा रविन्द्र एवं जिम्मीगारी रविंधर राव शामिल हैं। उक्त सभी तेलंगाना के निवासी हैं। इधर वरीय पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने बताया कि तेलंगाना में व्याख्याता पद पर नियुक्ति में आरके कालेज मधुबनी को असली बताकर अधिकारियों के गलत हस्ताक्षर एवं मुहर का प्रयोग कर सत्यापन करने वाले संगठित गिरोह पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निवेश, उद्योग और रोजगार पर फोकस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार के पहले 100 दिनों में कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए गए। इनकी आधारशिला रखने के बाद अब सरकार का अगला चरण इन सभी नीतियों को मजबूती से सरजमी पर उतारना होगा। अब सरकार का पूरा फोकस बिहार में निवेश एवं उद्योग को बढ़ावा देने के साथ ही रोजगार का नया केंद्र बनाने पर होगा। इसे लेकर राज्य सरकार के स्तर से एक विस्तृत दस्तावेज तैयार किया गया है। ताकि सभी भावी योजनाओं को समुचित तरीके से मूर्तरूप दिया जा सके। 100 दिनों के दौरान घोषित औद्योगिक, निवेश और व्यापार-अनुकूल नीतियां आने वाले महीनों में बड़े निवेश और रोजगार सृजन का आधार बनेगी। बिहार स्वयं को पूर्वी भारत के उभरते औद्योगिक और निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकता है। इस 100 दिवसीय पुस्तिका में उद्योग, निवेश, डिजिटलीकरण और नागरिक-केंद्रित शासन पर दिए गए जोर के अनुरूप है। राज्य में सिंगल विंडो सिस्टम की शुरुआत करके उद्योगों को हर स्तर पर सहायता प्रदान करने की पहल की गई है। सरकार के स्तर से औद्योगिक निवेश के प्रोत्साहन से जुड़ी सशक्त नीतियों को निवेशकों तक सुलभता से पहुंचने की कवायद की जाएगी। लाइसेंस, एनओसी एवं अन्य दस्तावेजों को समयबद्ध स्वीकृति प्रदान करने की सुविधा के साथ ही भूमि आवंटन और परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन पर विशेष जोर रहेगा। उद्योग स्थापित करने की प्रक्रियाओं को अधिक सरल, डिजिटल तथा पारदर्शी बनाकर बिहार को निवेश के लिए प्रतिस्पर्धी राज्य के रूप में विकसित करने की दिशा में खासतौर से पहल की जाएगी। इससे राज्य में निवेश बढ़ने के साथ ही रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे। राज्य में गन्ना एवं एथेनॉल उद्योग का विस्तार करने खास फोकस किया जा रहा है। बिहार गन्ना उद्योग निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 के तहत नई चीनी मिलों, एथेनॉल डिस्टिलरी, को-जनरेशन और कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) परियोजनाओं में निवेश को गति देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। ग्रीन इंडस्ट्री और ईवी इकोसिस्टम इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2026 के तहत बैटरी चालित वाहनों के लिए चार्जिंग नेटवर्क, विनिर्माण, बैटरी रीसाइक्लिंग उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा मिलेगा। इससे बिहार स्वच्छ औद्योगिक विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों, स्थानीय उद्यमिता और स्टार्टअप आधारित रोजगार को बढ़ावा देने के लिए विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर रहेगा। पेपरलेस रजिस्ट्रेशन, ई-स्टाम्प, ऑनलाइन सेवाएं और एआई आधारित प्रशासनिक प्रणालियों के विस्तार से उद्योगों और नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं को और सरल बनाया जाएगा। सड़क, ऊर्जा, शहरी विकास और औद्योगिक कॉरिडोर से जुड़ी परियोजनाओं के माध्यम से निवेश के लिए बेहतर आधारभूत ढांचा तैयार किए जाएंगे। राज्य की नई नीतियों और औद्योगिक अवसरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निवेशकों तक पहुंचाने के लिए निवेश-केंद्रित ब्रांडिंग पर जोर रहेगा। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए दूसरे शहरों में रोड-शो जैसे आयोजनों को प्राथमिकता दी जाएगी।

म्यांमार में बंधक बने आंध्र-तेलंगाना के 100 युवक

सिंगापुर में नौकरी का झांसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमरावती। सिंगापुर में आईटी नौकरी का झांसा देकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के करीब 100 युवाओं को कथित तौर पर म्यांमार ले जाकर बंधक बना लिया गया है। पीड़ितों का आरोप है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह के लिए जबरन ऑनलाइन ठगी कराई जा रही है। विरोध करने पर बिजली के झटके दिए जाते हैं, अंधेरे कमरों में बंद रखा जाता है और भोजन भी नहीं दिया जाता। परिजनों के अनुसार, युवाओं ने सोशल मीडिया पर सिंगापुर में 1.25 लाख मासिक वेतन वाली नौकरी का विज्ञापन देखकर आवेदन किया था। 2 अप्रैल को वे विजयवाड़ा से रवाना हुए, लेकिन एजेंट उन्हें सिंगापुर के बजाय पहले कंबोडिया और फिर म्यांमार ले गए, जहां उनके पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए गए। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि उनके साथ फंसी कुछ महिलाओं का यौन उत्पीड़न भी किया गया। भागने का प्रयास करने वाले कई युवाओं को दोबारा पकड़कर प्रताड़ित किया गया। गिरोह प्रत्येक व्यक्ति की रिहाई के लिए 15 लाख की फिरौती मांग रहा है। मामले की जानकारी मिलने पर परिजनों ने विदेश मंत्रालय और आंध्र प्रदेश नॉन-रेसिडेंट तेलुगु सोसाइटी (एपीएनआरटी) से शिकायत की है। एपीएनआरटी ने पीड़ितों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। वहीं, परिजनों ने स्थानीय पुलिस को भी मामले की जानकारी देकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय खूंटी स्थित सभागार में आज उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में एलडीएम समेत जिले के सभी बैंकों के प्रबंधक और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं में बैंकों द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना तथा विभिन्न बिंदुओं पर बैंकों के कार्यों का आकलन करना था। इस दौरान जिला अंतर्गत मार्च 2026 क्वाटर में सिडी रेशियो, केसीसी योजना, पीएमईजीपी की उपलब्धि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, एनपीए, एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों को सहायता सहित अन्य कार्यों के अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं किसान क्रेडिट कार्ड, महिला स्वयं सहायता समूह को

क्रेडिट लिंकेज, पीएमईजीपी की उपलब्धि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना आदि की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बैंकों को सीडी रेशियो बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने बैंकर्स को निर्देशित किया कि सीडी रेशियो को बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में ऋण उपलब्ध कराने की जरूरत है। समयबद्ध तरीके से लक्ष्य पूर्ण करने और जिले में वित्तीय सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से केसीसी, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, कृषि ऋण जैसी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप महिला स्वयं सहायता समूह को क्रेडिट लिंकेज का लाभ देने के निर्देश दिए गए। डीपीएम जेएसएलपीएस को क्रेडिट लिंकेज एवं मुद्रा लोन के लिए नए आवेदन जेनरेट करने के निर्देश दिए गए। बैठक में माननीय सांसद प्रतिनिधि खूंटी लोकसभा क्षेत्र, डीडीएम नाबार्ड, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र, प्रबंधक आरसेटी, आरबीआई जिला कृषि पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस अन्य संबंधित पदाधिकारी, सहित जिले के विभिन्न बैंकों के प्रबंधक/प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पथरगामा प्रखंड कार्यालय में जिला विधिक शिविर आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पथरगामा। पथरगामा प्रखंड कार्यालय परिसर में जिला विधिक शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायिक दंडाधिकारी चंदन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का न्यायिक दंडाधिकारी ने निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों से विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश कुमार गौतम, बीपीओ अमरेंद्र कुमार, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण कुमार पांडेय, प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी सन्नी कुमार सहित प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कई अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

रीजन-5 के लायंस क्लब पदाधिकारियों का स्कूलिंग कार्यक्रम संपन्न, सेवा कार्यों को प्रभावी बनाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ए के रीजन 5 के अंतर्गत आने वाले 13 लायंस क्लबों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों का स्कूलिंग कार्यक्रम रविवार को सिरसिया स्थित सेलिब्रेशन मैरिज हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट द्वारा किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश ने की। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन शुभ्रा मजूमदार थीं, जबकि संचालन जीएलटी कोऑर्डिनेटर लायन राहुल वर्मा ने किया। इस अवसर पर जोन चेयरपर्सन लायन प्रेम पाठक एवं लायन सतीश कुमार भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र में पूर्व जिलापाल लायन सिद्धार्थ मजूमदार, लायन माधव लखोटिया, लायन गणेश सिंह, लायन दीपक चौबे तथा लायन प्रकाश अरोड़ा ने प्रशिक्षक के रूप में पदाधिकारियों को मार्गदर्शन दिया कार्यक्रम में गिरिडीह, देवघर, मधुपुर, दुमका, धनवार, इसरी, बगोदर एवं झुमरी तिलैया के लायंस क्लबों के 60 से अधिक पदाधिकारियों ने भाग लिया मुख्य अतिथि लायन शुभ्रा मजूमदार ने अपने संबोधन में डिस्ट्रिक्ट एवं लायंस इंटरनेशनल के लक्ष्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए पदाधिकारियों से सेवा कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने का आह्वान किया। जीएलटी कोऑर्डिनेटर लायन राहुल वर्मा ने स्कूलिंग कार्यक्रम की आवश्यकता एवं नेतृत्व विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं प्रशिक्षकों ने अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष के दायित्वों और जिम्मेदारियों की विस्तार से जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि मानव सेवा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य इस प्रकार किए जाएं कि उनका अधिकतम लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे कार्यक्रम के अंत में रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेश कुमार गुप्ता, क्लब अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन, सचिव डॉ. सुमन कुमार, कोषाध्यक्ष लायन मसरूर आलम सिद्दीकी, लायन गौतम सागर, लायन राहुल कुमार, लायन दशरथ प्रसाद, लायन उदय भदानी, लायन राहुल कृष्णा, लायन अरविंद कुमार, लायन अवनीश अंशु सहित क्लब के कई सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

भगवान जगन्नाथ लौटे मौसीबाड़ी से घर

खूंटी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु, भाई बलराम और बहन सुभद्रा नौवें दिन शुक्रवार को शाम मौसीबाड़ी से अपने घर रथ द्वारा वापस लौटे।इसे घुरती रथ भी कहते हैं। मान्यता के अनुसार आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को भगवान जगन्नाथ महाप्रभु अपने भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर विराजमान होकर मौसीबाड़ी जाते हैं। नौवें दिन मौसीबाड़ी से भगवान जगन्नाथ महाप्रभु , भाई -बहन के साथ अपने घर लौटते हैं। खूंटी में रथयात्रा का आयोजन खूंटी के 94बटालियन सीआरपीएफ द्वारा किया जाता है । रथयात्रा 94बटालियन कार्यालय से शुरू हो मौसीबाड़ी दुर्गा मंदिर मिश्रा टोली जाती हैं। जहां भक्तों द्वारा हर्षोल्लास से विराजित किया जाता है। सुसज्जित घुरती रथ को मौसीबाड़ी से सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष भक्तों द्वारा खींच कर मुख्य मार्ग बाजार होते हुए 94बटालियन कैंप पहुंचा। रास्ते में खड़े भक्तों ने भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के भाई -बहन सहित दर्शन कर पुष्प वर्षा कर रहे थे। प्रसाद का वितरण भी श्रद्धालुओं के बीच हो रहा था। भगवान के जयकारों से भक्तिमय वातावरण में मौजूद लोग झूम-झूम कर नृत्य कर रहे थे। भगवान जगन्नाथ रथयात्रा खूंटी में एक अपना अलग ही स्थान रखता है। भेदभाव-ऊंच-नीच,अमीर गरीब छोड़ लोग भक्ति में रम जाते हैं। रथयात्रा पर 94बटालियन कैंप पहुंचने पर भगवान जगन्नाथ महाप्रभु भाई बलराम और बहन सुभद्रा की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। सबने आरती किया। कैंप में महाप्रसाद भंडारा का भी आयोजन किया गया। सबने भावविभोर होकर प्रसाद ग्रहण किया। सबने भगवान से सबके लिए खुशहाली की कामना की। मां काली स्वराष्ट्र रक्षा दल के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष, समाजसेवी डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी, ध्रुवेन्द्र भास्कर, जितेन्द्र पांडे, तुलसी प्रजापति, बिरसा लोहरा, प्रदीप घोष, रोशन कुमार, सुनील साहू,समीर कश्यप,कुश कुमार,अमन राजपूत, किशोर ठाकुर,विष्णु देव चौधरी, राधेश्याम भगत,मनु साव, मिथिलेश ठाकुर आदि ने भगवान जगन्नाथ महाप्रभु भाई बलराम और बहन सुभद्रा से आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंत्री राधाकृष्णा किशोर ने की विभागीय समीक्षा, विकास योजनाओं और राजस्व बढ़ाने पर जोर

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। झारखंड सरकार के वित्त, वाणिज्य-कर, योजना एवं विकास तथा संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्णा किशोर ने रविवार को गिरिडीह परिसदन भवन में वाणिज्य कर एवं योजना विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में गिरिडीह, हजारीबाग और देवघर के अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यों, राजस्व संग्रह और विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक से पूर्व उपायुक्त रामनिवास यादव और पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। समीक्षा के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जवाबदेही और सतत निगरानी पर विशेष जोर दिया वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारियों को राजस्व संग्रह के निर्धारित लक्ष्य हासिल करने, कर प्रशासन को तकनीक आधारित एवं अधिक पारदर्शी बनाने तथा करदाताओं को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए बैठक में विभागीय अधिकारियों ने प्रगति प्रतिवेदन और उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया। मंत्री ने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि बेहतर समन्वय, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य कर राज्य के समग्र विकास और सुशासन के लक्ष्य को साकार किया जाए बैठक में गिरिडीह, हजारीबाग एवं देवघर के संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मनिहारी नगर पंचायत में वित्तीय अनियमितताओं पर बड़ा एक्शन

मनिहारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर विकास एवं आवास विभाग ने मनिहारी नगर पंचायत में वित्तीय अनियमितता के मामलों की विस्तृत जांच कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए विभाग की ओर से छह सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है।अवर सचिव रणविजय कुमार सिंह द्वारा जारी पत्र में जिला प्रशासन से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर मामले की गहन जांच कर दोषी व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करने तथा अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। विभागीय पत्र के अनुसार जिला पदाधिकारी की जांच रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान कई स्तरों पर वित्तीय नियमों के उल्लंघन की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में बिना सक्षम प्राधिकार की स्वीकृति के कार्य कराए जाने, निविदा प्रक्रिया में निर्धारित प्रावधानों का पालन नहीं करने, विभागीय वसूली में गड़बड़ी तथा अन्य वित्तीय अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि संबंधित अवधि की निविदा प्रकाशन से जुड़ी संचिका और कार्रवाई पुस्तिका कार्यालय में उपलब्ध नहीं है। वहीं, वार्ड सशक्त स्थायी समिति की स्वीकृति के बिना चबूतरा निर्माण एवं आंतरिक मद में करीब 6.99 लाख रुपये के भुगतान पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। विभाग ने इन सभी बिंदुओं पर स्पष्ट जवाब तलब किया है। जांच समिति को बिना सक्षम प्राधिकार की अनुमति के कराए गए कार्यों, विभागीय वसूली, पूर्व वर्षों की तुलना में कम दर पर निविदा आमंत्रित किए जाने,संविदा कर्मियों के नियमितीकरण तथा तत्कालीन मुख्य पार्षद के कार्यकाल में हुए विभिन्न कार्यों की भी जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शहर को जोडने वाले रेल ऊपरी पुल का कार्य शुरू

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने रेलवे ऊपरी पुल साहब पाड़ा से संतोषी कॉलोनी तक जाकर शहर के बाटा चौक से सड़क मार्ग द्वारा जुड़ेगी का कार्यारंभ नारियल फोड़कर किया। इस अवसर पर भाजपा, एनडीए नेताओं के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। इस रेल ऊपरी पुल का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने किया था । पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान लगभग दो अरब की लागत से इस रेल ऊपरी पुल के निर्माण की घोषणा की थी। यह रेल ऊपरी पुल शहर के दो भागों को जोड़ता है। इस रेल ऊपरी पुल के निर्माण से मिरचाईबाड़ी एवं इस क्षेत्र की अन्य मोहल्ले के नागरिकों को आवागमन में काफी सुविधा हो जाएगी। अभी इस क्षेत्र के नागरिकों का आवागमन मात्र एक रेलवे ऊपरी पुल जो कई वर्ष पूर्व बना था से हो रहा है। इस पुल पर जाम की स्थिति बन जाती है। जिससे नागरिकों को एमजी रोड, मंगल बाजार एवं शहर के अन्य पथों पर जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिससे समय पर लोग दफ्तर या अन्य स्थानों पर नहीं पहुंच पाते हैं ।

मन की बात कार्यक्रम का 136वां एपिसोड सुना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। निवर्तमान प्रथम महापौर सुनील पासवान ने रविवार को अपने आवासीय कार्यालय स्थित बूथ संख्या 243 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 136वां एपिसोड अपने बूथ अध्यक्ष टिंकू राम, सुनील रजक, राजीव रंजन एवं बिरू राम के साथ सुना इस अवसर पर सुनील पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों को समाज, संस्कृति, स्वदेशी, पर्यावरण, नवाचार और राष्ट्र

निर्माण से जुड़े प्रेरणादायी विषयों की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम आम नागरिकों को राष्ट्रहित में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करता है कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने कार्यक्रम को ध्यानपूर्वक सुना और इसे जनजागरण का प्रभावी माध्यम बताया।

गिरिडीह में खेलो इंडिया अस्मिता वुशु सिटी लीग का सफल समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। खेलो इंडिया अस्मिता वुशु सिटी लीग का भव्य एवं सफल समापन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों से करीब 200 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।रोमांचक मुकाबलों के बाद द बैलेंस पाथ एकेडमी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, जबकि के टाइगर टीम उपविजेता रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जिला वुशु संघ के अध्यक्ष संदीप डंगाइच तथा विशिष्ट अतिथि गिरिडीह कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. विनीता कुमारी और क्षेत्र के वार्ड कमिश्नर राजेश जायसवाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया मुख्य अतिथि संदीप डंगाइच ने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि वुशु जैसे खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा की भावना विकसित करते हैं तथा ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की प्रेरणा देते हैं विशिष्ट अतिथि डॉ. विनीता कुमारी ने कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं।

रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर का 25वां पदस्थापन समारोह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर का 25वां पदस्थापना समारोह रविवार को उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में वर्ष 2025-26 के पदाधिकारियों ने वर्ष 2026-27 के लिए नवगठित टीम को विधिवत दायित्व सौंपा कार्यक्रम में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3250 के जिला गवर्नर (2027-28) रो. मुकेश तरवैया मुख्य अतिथि तथा गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में सहायक जिला गवर्नर रो. रवि चूड़िवाला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष रो. अभिषेक छापरिया ने मास्टर ऑफ सेरेमनी के रूप में किया।नवनियुक्त कार्यकारिणी में रो. राजेंद्र तरवैया ने अध्यक्ष, रो. अनिल मिश्रा ने सचिव,

सीए शंकर अग्रवाल ने आईपीपी, सीए आकाश रोशन ने सह-सचिव तथा अन्य पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया इस अवसर पर क्लब द्वारा वर्ष 2025-26 में किए गए प्रमुख सेवा कार्यों की जानकारी भी दी गई। इनमें डॉक्टर डे, वृक्षारोपण अभियान, देवघर में कांवरिया सेवा शिविर, शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, दंत जांच शिविर, शिक्षक सम्मान, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान, योग प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान समारोह तथा कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर जैसे कई जनहितकारी कार्य शामिल रहे क्लब ने वर्ष 2026-27 के लिए भी कई महत्वाकांक्षी सामाजिक परियोजनाओं की घोषणा की। इनमें जरूरतमंदों के लिए कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर, निःशुल्क डायलिसिस सेंटर, किशोरियों के लिए एचपीवी (एचपीवी) टीकाकरण अभियान, ट्रक चालकों के लिए नेत्र जांच शिविर, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण जागरूकता अभियान, जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण, महिलाओं के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण, गरीब बच्चों को खिलौने उपलब्ध कराने का अभियान, छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण, स्वरोजगार सहायता, शहर में रोटरी गार्बेज बिन स्थापना तथा वृहद वृक्षारोपण अभियान शामिल हैं समारोह में रोटरी, इनर व्हील, लायंस क्लब सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं शहर के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जल शक्ति मंत्रालय द्वारा गोपला ग्राम से 'सुजल ग्राम संवाद' का वर्चुअल आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने कहा- सामुदायिक सहभागिता से जलापूर्ति योजनाओं का होगा दीर्घकालिक एवं प्रभावी संचालन

आज भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के तत्वावधान में वर्चुअल माध्यम से 'सुजल ग्राम संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत हुसिर पंचायत के गोपला ग्राम को संवाद के लिए चयनित किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अतिरिक्त सचिव सह मिशन निदेशक, राज्य स्तर से झारखंड ग्रामीण जलापूर्ति मिशन, रांची के पदाधिकारी, जिला स्तर से उपायुक्त मो० जावेद हुसैन, उप विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार प्रकाश, कार्यपालक अभियंता श्री मनीष कुमार सहित अन्य पदाधिकारी वर्चुअल रूप से जुड़े। संवाद के दौरान ग्राम के मुखिया, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, जलसहिया, शिक्षक, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, स्वयं सहायता समूह (रलत्रह्य) की दीदियों एवं ग्रामीणों ने हर घर नल जल योजना के संचालन एवं रख-रखाव से संबंधित अनुभव साझा किए। भारत सरकार के सचिव ने ग्राम में प्रत्येक परिवार तक पेयजल की उपलब्धता, जल की गुणवत्ता, जलापूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव तथा भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। मुखिया एवं जलसहिया ने बताया कि ग्रामीणों की सहभागिता से जलापूर्ति योजनाओं का नियमित संचालन किया जा रहा है। साथ ही जल संरक्षण, जल की बबार्दी रोकने तथा योजनाओं के दीर्घकालिक रख-रखाव के लिए समय-समय पर ग्रामसभा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि आने वाले वर्षों तक योजनाओं का लाभ सभी ग्रामीणों को निरंतर मिलता रहे। संवाद के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव सह मिशन निदेशक ने खूंटी जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से गोपला जलापूर्ति योजना की प्रशंसा करते हुए तोरपा एवं रनिया जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भी जलापूर्ति योजनाओं के सफल संचालन एवं रख-रखाव को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने बताया कि जिले में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (श्हरउ), सहकारिता विभाग एवं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से जलापूर्ति योजनाओं के संचालन

माया का संसार-सुमिरन से भव पार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। महर्षि मेंही आश्रम मलियादा मुरहू में रविवार को साप्ताहिक सत्संग में ऋषिकेश आश्रम के स्वामी गंगाधर जी महाराज ने कहा कि यह संसार माया - मोह का बंधन है। सत्संग, भक्ति, सुमिरन, ध्यान साधना से ही भव सागर पार लग सकता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य माता के गर्भ में करार करता है कि संसार में जाकर भगवान की भक्ति करुंगा, लेकिन भूल जाता है। यद्यपि भक्ति का मार्ग कभी बंद नहीं होता,लोग तरह तरह की भ्रांतियों में भटक जाते हैं, अमुक दिन शुभ है, भक्ति और दान के लिए। जबकि मनुष्य जीवन में हर दिन मन राम में और तन काम में लगाये रखना चाहिए। सत्संग में संतों ने भक्ति के सरल उपाय बताया है कि जागने का मतलब सो कर उठना नहीं, बल्कि मन के उद्वेग शांत कर चेतन धार को समेटना,आंख बंद कर ध्यान साधना करना, भक्ति को लक्ष्य पर पहुंचाना होता है। वरना चौरासी लाख भोग योनियों में कमार्नुसार भटकना पड़ता है। स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने कहा कि मनुष्य कितना भी हाथ - पांव मार ले, अंतकाल सद्‌कर्म, सत्संग, भक्ति ही साथी होगा। लाहिरी बाबा, मुरलीधर बाबा, गोपाल बाबा, दिगंबर बाबा, राम बाबा ने भी मनुष्य को कुंभकर्णी निद्रा त्याग कर भगवान का सुमिरन और ध्यानाभ्यास करना चाहिए। मौके पर डॉ डीएन तिवारी, संजय सत्संगी, नंदिनी देवी, मूचीराय मुंडा, विष्णु मुंडा,मंगल मुंडा, ध्रुवेन्द्र भास्कर, सुरेश पंडित, सूरजमल प्रसाद, हरिद्वार ठाकुर, रामहरि साव, सूरजलाल गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सीटी एवं एआई पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पार्श्वनाथ सहोदय विद्यालय, गिरिडीह के तत्वावधान में कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विषय पर जिला स्तरीय डिलिबरेशन (विचार-विमर्श) कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। छह घंटे तक चली इस कार्यशाला में जिले के विभिन्न सहोदय विद्यालयों से 50 शिक्षकों ने भाग लेकर आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और एआई के प्रभावी उपयोग पर चर्चा की कार्यशाला के दौरान 14 शिक्षकों ने सीटी एवं एआई के शैक्षणिक उपयोग से जुड़े अपने केस स्टडी प्रस्तुत किए। इनका मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति ने किया। समिति में एल.एन.पी. पब्लिक स्कूल, बेंगाबाद की प्राचार्या संजना सिंह, बहादुर प्रसाद पब्लिक स्कूल, राजधनवार की प्राचार्या रानी सतवंत, एस.आई.टी. गिरिडीह के प्राचार्य इंजीनियर विपिन चौधरी तथा कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष पूजा कुमारी शामिल रहे कार्यक्रम का शुभारंभ पार्श्वनाथ सहोदय विद्यालय के उपाध्यक्ष आनंद कमल एवं कोषाध्यक्ष स्वप्ना कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यालयी शिक्षा में कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों से इन तकनीकों को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का हिस्सा बनाने का आह्वान किया कार्यशाला में प्रतिभागियों ने आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, नवाचारों और व्यावहारिक अनुभवों पर विचार साझा किए। आयोजन ने शिक्षकों को नई तकनीकों के प्रभावी उपयोग और सहयोगात्मक अधिगम के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराया।

रूरल मैनेजमेंट के छात्र-छात्राओं ने खूंटी में किया शैक्षणिक क्षेत्र भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। एक्सआईएसएस रांची के रूरल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम के 20 छात्र-छात्राओं ने अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत खूंटी जिले में संचालित आजीविका गतिविधियों एवं ग्रामीण विकास के विभिन्न मॉडलों का अध्ययन करने के उद्देश्य से शैक्षणिक क्षेत्र भ्रमण किया। इस दौरान एक्सआईएसएस रांची के प्रोफेसर श्री सौर्य दास भी उपस्थित रहे। क्षेत्र भ्रमण के क्रम में छात्र-छात्राओं ने सर्वप्रथम गुटजोरा स्थित आजीविका संसाधन केंद्र का भ्रमण किया। यहां उन्होंने ड्रैगन फ्रूट की खेती, पॉलीहाउस नर्सरी, हैचरी यूनिट, हार्डनिंग सेंटर, बागवानी एवं अनानास की खेती सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों का अवलोकन किया। आजीविका संसाधन केंद्र के संचालक श्री दिनेश कुमार ने छात्रों को केंद्र में संचालित गतिविधियों एवं इनके माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आजीविका संवर्धन के संबंध में

विस्तार से जानकारी दी। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने खूंटी स्थित पलाश मार्ट का भ्रमण किया। यहां उन्होंने पलाश दीदी किचन, बेकरी यूनिट एवं पलाश मार्ट की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया तथा महिलाओं द्वारा संचालित आजीविका एवं उद्यमिता गतिविधियों, उत्पाद निर्माण तथा विपणन की प्रक्रिया को निकट से समझा। क्षेत्र भ्रमण के अंतिम चरण में छात्र-छात्राएं सिलादोन स्थित सिलादोन आजीविका महिला संकुल सहकारी स्वावलंबी समिति लिमिटेड पहुंचे। यहां उन्होंने सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र का भ्रमण किया तथा समिति की कार्यप्रणाली एवं आजीविका गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत समिति के बोर्ड सदस्यों के साथ आयोजित बैठक में निर्मला देवी, चांदनी देवी, सुमित्रा कच्छप, कोशल्या देवी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, सामुदायिक संस्थाओं की भूमिका एवं आजीविका गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस शैक्षणिक क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से छात्र-छात्राओं को झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (खरछ्ढर) के अंतर्गत संचालित आजीविका संवर्धन, महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक संस्थाओं, कृषि आधारित गतिविधियों तथा ग्रामीण उद्यमिता के सफल मॉडलों को जमीनी स्तर पर समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

अलीगंज में मानसून की बेरूखी, सूखने के कगार पर धान के बिचड़े, अकाल की आशंका

जमुई/अलीगंज/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आषाढ़ का महीना समाप्त होने को है। मगर अभी पूरी तरह से मानसून का आगमन नहीं हुआ है पिछले दस दिनों से बारिश नहीं पर किसानों में बेचैनी बढ़ने लगी है। किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं कि कब बारिश हो। बारिश नहीं होने से किसान सूखा पड़ने की आशंका से आशंकित है। खेतों में लगे धान के बिचडे सुखने के कगार पर पहुंच चुके हैं। बिचड़े को देख किसानों का कलेजा फट रहा है यह स्थिति पूरे अलीगंज प्रखंड के 13 पंचायतों की है। किसान आसमान की ओर टकटकी लगाकर देख रहे हैं।दिन व रातें वर्षा के इंतजार में कट रही है। मगर मानसून छलावा बना है।बादल आकर चले जाते, पर बरसते नहीं - बादल आते और चले जाते हैं, लेकिन बरसते नहीं। तीखी धूप से खेतों से नमी कम हो रही है। बिचड़ा पानी के अभाव में मुरझाने लगा है। इसे देख किसानों के चेहरे से मुस्कान गायब है। चिंता की बात यह है कि वर्षा होने के आसार भी नहीं दिख रहा है। पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में धान की बुआई करना तो दूर बिचड़ा को बचा पाना मुश्किल हो गया है। वर्तमान में बारिश नहीं होने से किसान काफी चिंतित हैं। मानसुन की दगाबाजी से जहां खेत सुख चुके हैं। एवं उगे धान का बिचडा पर भी प्रभाव दिखने लगा है। मानसून की बेरूखी की मार झेल रहे किसान हल्की बूंदा-बांदी को छोड़ दिया जाए तो अब तक मानसून की झमाझम बारिश नही हुई है। जबकि जुलाई माह गुजरने को है। किसान मानसून की बेरूखी की मार झेल रहे हैं। प्रखंड के लगभग 80 फीसदी लोगों की जीविका का एकमात्र साधन धान की फसल है।

यहां की खेती मानसूनी वर्षा पर निर्भर है। अगर खेती नहीं हुई तो यहां के किसानों को भोजन जुटाने में परेशानी होगी। किसान धमेंद्र कुशवाहा ने कहा कि पिछले वर्ष इस समय तक 50 फीसद रोपनी का कार्य हो चुका था। लेकिन इस वर्ष अभी तक खेती लायक बारिश नहीं हुई है। जिससे खेत में धान का बिचड़ा को बचा पाना मुश्किल हो गया है। रामचन्द्र कुमार बताते हैं कि जून माह में हुई बारिश के कारण वे सभी आनन-फानन में कर्ज लेकर बीज की खरीदारी कर खेतों में डाला लेकिन मौसम की बेरूखी से ऐसा लग रहा है कि इस वर्ष धान रोपनी होना संभव नहीं है। जिससे अकाल की छाया मंडराते दिखने लगा है। सुनील कुमार बताते हैं कि सिंचाई के लिए कई तालाब, चेकडैम बना है। लेकिन पिछले साल पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण इनमें जल जमाव नहीं हो सका है। जिस कारण इससे खेतों की सिंचाई हो पाना मुश्किल है।

हिलसा निवासी सह किसान चंद्रशेखर आजाद अधिवक्ता का कहना है कि अब तक धान रोपनी का कार्य शुरू नहीं हो सका है जब तक क्षेत्र में झमाझम बारिश नही होगी तब तक धान रोपाई नहीं हो सकता हैं पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष स्थिति चिंतनीय है।

17 साल पुराने मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई पांच गैर-जमानती वारंटी गिरफ्तार

जमुई/खैरा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। करीब 17 वर्ष पुराने आपराधिक मामले में न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के अनुपालन में गरही थाना पुलिस ने शनिवार देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सभी आरोपी लंबे समय से न्यायालय के आदेश के बावजूद गिरफ्तारी से बच रहे थे।पुलिस के अनुसार, खैरा थाना कांड संख्या 170/2009 (जीआर संख्या 1472/2009) में न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के आलोक में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्राम बोझायत, थाना गरही निवासी रामेश्वर यादव (पिता- स्व. रोहन यादव), पुणल यादव उर्फ युगल यादव (पिता- स्व. अमृत यादव), हीरा यादव उर्फ हीरी यादव (पिता- स्व. छोटू यादव), लाली यादव (पिता- स्व. हीरा यादव) तथा जगदीश यादव (पिता- स्व. रोहन यादव) को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तारी के बाद रविवार को सभी आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।गरही थाना पुलिस ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंटों के निष्पादन के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज की जाएगी तथा कानून से बचने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

रक्सौल बसपा को मिला नया विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष, कपिलदेव राम के नेतृत्व में संगठन मजबूत करने का संकल्प

रक्सौल(पूर्वी चंपारण), नवबिहार टाइम्स संवादाता। रक्सौल विधानसभा क्षेत्र के लक्ष्मणवा स्थित अंबेडकर नगर में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से कपिलदेव राम को रक्सौल विधानसभा का नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनके नाम की घोषणा होते ही कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत कर बधाई दी और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता नवमनोनीत विधानसभा अध्यक्ष कपिलदेव राम ने की। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य जोन प्रभारी बलिराम प्रसाद, विशिष्ट अतिथि प्रदेश सचिव चंद किशोर पाल तथा जिलाध्यक्ष मथुरा राम मौजूद रहे। कार्यक्रम में भिखारी राम, कमोद कुमार राम, रामपूजन राम सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। मुख्य जोन प्रभारी बलिराम प्रसाद ने कहा कि बसपा महात्मा ज्योतिबा फुले, छत्रपति शाहूजी महाराज, डॉ. भीमराव आंबेडकर, पेरियार, मान्यवर कांशीराम, बाबू जगदेव प्रसाद और बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों के विचारों पर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने बहुजन समाज की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उन्नति के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के नेतृत्व में बहुजन आंदोलन को मजबूत किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष मथुरा राम ने युवाओं से बाबा साहब आंबेडकर और मान्यवर कांशीराम के विचारों को घर-घर पहुंचाने की अपील करते हुए कहा कि समाज को अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए जागरूक होना होगा। प्रदेश सचिव चंद किशोर पाल ने मताधिकार की ताकत पर जोर देते हुए संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया। बैठक के अंत में संगठन विस्तार, बूथ कमेटियों को सक्रिय करने और बहुजन समाज के बीच जनसंपर्क अभियान तेज करने का निर्णय लिया गया। नवमनोनीत विधानसभा अध्यक्ष कपिलदेव राम ने सभी नेताओं एवं कार्यकताओं का आभार जताते हुए संगठन को नई मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का भरोसा दिलाया।

खेत मे काम कर रहे किसानों पर भेड़ियों ने किया हमला

जमुई/झाझा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड क्षेत्र के औरैया, रजला, बलियाडीह, चांय, लौंगाय सहित आसपास के इलाकों में शनिवार को भेड़िया के द्वारा ग्रामीणों पर हमला कर घायल कर देने के मामले में अबतक कुल बच्चे, बुजुर्ग सहित 12 लोगों का इलाज सीएचसी झाझा में हुआ। ग्रामीणों में भय का इतना बड़ा माहौल बन चुका है कि ग्रामीण अब खेत, नदी की ओर अकेले जाने से कतरा रहे है और समूह बनाकर लाठी डंडे से लैस होकर घर से निकल रहे है। भेड़ियों के बढ़ते आतंक के बाद रविवार को औरैया गांव में ग्रामीणों ने सुरक्षा को लेकर बैठक कर सतर्क रहने के लिए गांव वासियों से अपील किया। ग्रामीण अजय महान, घनश्याम यादव, ब्रह्मदेव कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि भेड़ियों के हमले के बाद औरैया सहित अन्य कई गांव में लोगों के बीच दहशत फैला हुआ है। लोग नदी किनारे जाने से कतरा रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि हमलोग अगर प्रशासन के भरोसे रहे तो ग्रामीणों के साथ अनहोनी भी हो सकती है। दहशत के बाद लोग नदी किनारे खेती करने से भी डर रहे है।

कई खेत जुताई हो चुकी है पर लोग धान की बीज डालने के लिए नही जा रहे है यहां तक नदी किनारे गांव की पुरानी काली मंदिर भी रविवार को पूजा करने वाले लोगों की भीड़ कम रही। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि नदी किनारे जंगल है और उसी जगह कई ग्रामीणों का खेत भी है।

शनिवार को जंगल क्षेत्र से ही भेड़िया निकलकर ग्रामीण पर हमला किया था। जिसके बाद गांव में दहशत हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि जबतक भेड़िया पकड़ा नही जाता है तो तबतक भयभीत किसान लोग खेत मे फसल नही उपजा सकेंगे जिससे उसके ऊपर आर्थिक बोझ पड़ जायेगा। ग्रामीण ने बताया कि शनिवार की शाम व रविवार की सुबह दो वनकर्मी आए पर वे यह बोलकर चले गए कि भेड़िया को कैसे जंगल क्षेत्र में खोजे।

ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग भेड़िया का सही ठिकाना का पता लगाने के लिए ड्रोन कैमरा का इस्तेमाल करे जिससे भेड़िया का ठिकाना का पता चले और पकड़ा जाए जिससे ग्रामीणों के बीच फैले दहशत खत्म हो जाए।

एक वर्ष पूरा होने पर प्रधान शिक्षकों का किया गया सम्मान

चिरैया (पूर्वी चंपारण), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय के नवनियुक्त प्रधान शिक्षकों ने सेवा का सफल एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर आदर्श मध्य विद्यालय परिसर में अनुभव साझा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान सभी प्रधान शिक्षकों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए बीते एक वर्ष के कार्यकाल के अनुभव साझा किए। बैठक में विद्यालयों में आए सकारात्मक बदलाव, बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आपसी समन्वय तथा विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए साझा मंच के गठन पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधान शिक्षक अबुल कासिम ने की। उन्होंने कहा कि प्रधान शिक्षकों के नेतृत्व में विद्यालयों के बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने इसे ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था के लिए सकारात्मक बदलाव बताते हुए कहा कि यह प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान शिक्षक जय प्रकाश नारायण, कार्तिक कुमार एवं विजय कुमार ने कहा कि विद्यालय संचालन में टीम भावना और आपसी सहयोग को सबसे महत्वपूर्ण बताया। बैठक में महिला प्रधान शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी पर भी चर्चा हुई। महिला प्रधान शिक्षिकाओं ने विद्यालय संचालन के दौरान सामने आई प्रशासनिक एवं शैक्षणिक चुनौतियों तथा उनके समाधान के अपने अनुभव साझा किए। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विभागीय विसंगतियों एवं व्यावहारिक समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शीघ्र ही एक विस्तृत बैठक आयोजित कर प्रधान शिक्षकों का एक सशक्त साझा मंच तैयार किया जाएगा।

गिद्धौर में चला सघन वाहन जांच अभियान, वाहन चालकों से वसूला गया जुर्माना

गिद्धौर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में चला अभियान,दोपहिया चार पहिया वाहनों की हुई जांच

जमुई/गिद्धौर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर थानाध्यक्ष राशि मालिक के नेतृत्व में रविवार को थाना के निकट संध्या सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के क्रम में अवर निरीक्षक ममता प्रकाश सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे। इस दौरान वाहन जांच के क्रम में पुलिस ने दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों को रोककर उनके डिक्की, टूल बॉक्स एवं कागजातों की बारीकी से जांच की, जांच क्रम में कई वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए गए, जिनसे बतौर जुमार्ना वसूला गया. वहीं जांच क्रम में थानाध्यक्ष राशि मलिक ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के मद्देनजर यातायात नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी। अभियान के दौरान थानाध्यक्ष राशि मालिक, ममता प्रकाश के अलावे कई पुलिस बल के जवान मौके पर मौजूद थे।

चकाई के विभिन्न बूथों पर उत्साहपूर्वक सुनी गई मन की बात

जमुई/चकाई/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चकाई प्रखंड के बूथ संख्या 214 पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सह 20 सूत्री उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 136वां एपिसोड सुना गया।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए युवाओं से देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने 27 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया और देशवासियों से आगामी हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की अपील की।मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि चकाई प्रखंड के विभिन्न बूथों पर कार्यकताओं ने पीएम का संबोधन सुना। बूथ संख्या 293 पाटजोरी में पलटन पासवान, बूथ संख्या 349 खास चकाई में अमित दुबे व शालिग्राम पाण्डेय, बूथ संख्या 206 में संतु प्रसाद यादव, बूथ संख्या 336 में मनोज पोद्दार, बूथ संख्या 341 नगड़ी में दीपक शर्मा व रामचंद्र साह तथा बूथ संख्या 227 सिमरा में मंटू साह और प्रमोद यादव के नेतृत्व में कार्यक्रम सुना गया।

उधर सरोन मंडल के बूथ संख्या 324 घुठिया में मंडल अध्यक्ष नकुल यादव व जिला प्रवक्ता धर्मवीर आनंद की मौजूदगी में आयोजन हुआ। इस दौरान संजोग केसरी, अमरनाथ तिवारी, जेपी सेनानी अंगराज राय, कामदेव यादव, शिबू साह, सूरज कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में बूथ स्तर के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएमश्री योजना के तहत मध्य विद्यालय बड़राजी का इंटर विद्यालय ओखरिया में हुआ विलय

कौआकोल, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएमश्री योजना के तहत जिले में चयनित 21 विद्यालयों के साथ आसपास के चयनित मध्य विद्यालयों का संविलयन किया जाना है। इसी कड़ी में कौआकोल प्रखंड के इंटर विद्यालय ओखरिया का भी चयन पीएमश्री विद्यालय के रूप में किया गया है। प्राप्त आदेश के अनुसार मध्य विद्यालय बड़राजी के वर्ग 6 से 8 तक के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का संविलयन इंटर विद्यालय ओखरिया में किया जाना है।

इसके तहत शनिवार को विधिवत प्रक्रिया पूरी करते हुए मध्य विद्यालय बड़राजी के छठी,सातवीं एवं आठवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों के साथ तीन शिक्षकों का संविलयन किया गया। इस अवसर पर इंटर विद्यालय ओखरिया के प्रभारी प्राचार्य अनन्त कुमार ने बताया कि यह प्रक्रिया मध्य विद्यालय बड़राजी के प्रधानाध्यापक शिवबालक पासवान की मौजूदगी में विधिवत संपन्न कराई गई। उन्होंने कहा कि पीएमश्री योजना का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर उन्हें मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करना है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, साइंस लैब, आधुनिक पुस्तकालय, खेल सामग्री एवं बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे,ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित शिक्षा मिल सके।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 42 लोगों की डायबिटीज एवं 42 मरीजों की नेत्र जांच

मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सामाजिक सेवा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए ईस्ट चम्पारण लायन्स क्लब ने जिले के नागरिकों के लिए नियमित स्वास्थ्य सेवा अभियान की शुरूआत की है। क्लब के तत्वावधान में वर्ष 2026-27 के पूरे सत्र के दौरान प्रत्येक रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद पहचान शिविर तथा डायबिटीज जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इस क्रम में रविवार को सुबह 7:00 बजे से 11:00 बजे तक लाइव केयर डायग्नोस्टिक में लायन सदस्य पंकज कुमार के सहयोग से निःशुल्क डायबिटीज जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 42 लोगों की मधुमेह (डायबिटीज) जांच की गई तथा सभी को उनकी जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराते हुए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। इसके बाद द मोतिहारी आई हॉस्पिटल में लायन सदस्य एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव दीपांकर के सहयोग से सुबह 11:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद पहचान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 48 मरीजों की नेत्र जांच की गई तथा उन्हें आंखों की देखभाल, मोतियाबिंद की पहचान एवं आवश्यक उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। क्लब के अध्यक्ष लायन इं. सुधांशु सिन्हा ने कहा कि कई गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की आंखों की रोशनी धीरे-धीरे कम होने लगती है, लेकिन समय पर जांच नहीं होने के कारण बीमारी गंभीर हो जाती है। इसलिए क्लब ने पूरे सत्र में प्रत्येक रविवार को यह निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद पहचान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि आंखों से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर शिविर में आकर निःशुल्क जांच का लाभ उठाएं।

क्लब के सचिव रिजू कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मधुमेह के मरीज प्रत्येक रविवार आयोजित निःशुल्क डायबिटीज जांच शिविर में पहुंचकर अपनी नियमित जांच कराएं। उन्होंने कहा कि ईस्ट चम्पारण लायन्स क्लब मानवता की सेवा के लिए सदैव समर्पित है। इस दोनों जांच शिविर में लायन मनोज जायसवाल, महेशचंद्र लाल, सुधांशु रंजन, अशोक जायसवाल, सुजीत कुमार सिंह, चंदन कुमार, रामप्रकाश सिन्हा, सुधीर गुप्ता, आदित्य कुमार सिंह, राजू सहारा, मनीष झा एवं अन्य लायन सदस्य उपस्थित रहे। उक्त सारी जानकारी मीडिया प्रभारी सुधीर गुप्ता ने दी।

मेंहदी के रंग में सजी प्रतिभा, भारत विकास परिषद की प्रतियोगिता में मुस्कान रहीं अव्वल

रक्सौल(पूर्वी चंपारण) भारत विकास परिषद, शाखा रक्सौल की ओर से संस्कृति सप्ताह-2026 के तहत रविवार को श्री सत्यनारायण मारवाड़ी पंचायती मंदिर परिसर में आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में छात्राओं और महिलाओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का आकर्षक प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में रक्सौल, मोतिहारी तथा नेपाल के बीरगंज से आई प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन अवर निबंधक आशीष अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि सुप्रिया ड्रोलिया, परिषद अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी, सचिव नरेश कुमार, महिला सहभागिता संयोजिका मेनका गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा वंदे मातरम् का सामूहिक गायन हुआ। प्रतियोगिता में करीब 70 छात्राओं एवं महिलाओं ने भाग लेकर आकर्षक मेंहदी डिजाइनों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। निर्णायक मंडल के मूल्यांकन के आधार पर मुस्कान गुप्ता ने प्रथम, खुशी कुमारी ने द्वितीय तथा आराध्या गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को मेडल, प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। वहीं सभी प्रतिभागियों को भी मेडल और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। परिषद के सचिव नरेश कुमार ने कहा कि संस्कृति सप्ताह का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, पारंपरिक कला और संस्कारों को बढ़ावा देना है। महिला सहभागिता संयोजिका मेनका गुप्ता एवं कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन छात्राओं और महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करते हैं।

ff ffSXf ffif,f f•ff ,fZ dIY ff‡fß IY

नाला निर्माण को मिली प्राथमिकता ग्राम पंचायत राज गंगरा में जन सहयोग शिविर संपन्न, सात योजनाओं की समीक्षा

जमुई/गिद्धौर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सरकार द्वारा निर्धारित माह के अंतिम रविवार को ग्राम पंचायत राज गंगरा में ग्राम सभा सह जन सहयोग शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायती राज, जी राम जी योजना, आवास, राशन और पेंशन जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की बारीकी से समीक्षा हुई।

प्रमुख निर्णय और शिकायतों का निपटारा कृषि विद्युतीकरण की समस्या उठी : किसानों ने पटवन के लिए बिजली के खंभे और तार लगाने की मांग की। पंचायत ने विद्युत विभाग से समन्वय कर प्रभावित इलाकों में कार्य कराने की पहल शुरू करने का आश्वासन दिया।

योजना पर सफाईः मजदूरों ने निजी भूमि पर 5 साल पहले कराए गए वृक्षारोपण की मजदूरी को लेकर सवाल उठाया। बताया गया कि पूर्व में स्वीकृत योजनाओं का भुगतान नियमानुसार निर्धारित अवधि तक मिलता रहेगा। पेंशन और राशन पर त्वरित कार्रवाई : लाभुक सिया देवी ने तीन माह से पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की। जांच में पता चला कि जून तक की राशि उनके खाते में भेजी जा चुकी है। राशन कार्ड के लिए 7 आवेदन आए। तीन आवेदन पूर्ण पाए जाकर विभाग को भेजे गए, जबकि चार आवेदकों से दस्तावेज पूरे करने को कहा गया।

नाला निर्माण को मिली मंजूरी

वार्ड 08 बजरंगवली चौक से नागी पैन तक नाला निर्माण का प्रस्ताव वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सर्वसम्मति से पारित हुआ। इसे प्राथमिकता से शुरू किया जाएगा।

आवास योजना की पारदर्शिता

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना को लेकर बताया गया कि लक्ष्य मिलते ही लाभुकों की सूची पंचायत कार्यालय में सार्वजनिक की जाएगी।

कम उपस्थिति, लेकिन सार्थक चर्चा

खेती-किसानी में व्यस्तता के कारण उपस्थिति कम रही, फिर भी आए ग्रामीणों ने विकास से जुड़े अहम सुझाव दिए। मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया गया।पंचायत ने सभी ग्रामीणों से हर माह होने वाली ग्राम सभा में भाग लेने की अपील की है। मुखिया अंजनी सिंह ने कहा कि आपकी समस्या हमारी जिम्मेदारी है, आपका सुझाव पंचायत को विकास के मार्ग पर आगे ले जाने में कार्य करेगा। इस मौके पर मुखिया अंजनी सिंह, समाजसेवी कल्याण सिंह,भोला रविदास,अनिल सिंह, लिया देवी, शुभाष यादव, रामाकांत सिंह, अवधेश यादव, चंदर मांझी, सिया देवी, रंजीत सिंह, भूषण राम, इंदिरा आवास सहायक मीनाक्षी कुमारी, कार्यपालक सहायक स्नेहलता, पंचायत सचिव चंदन कुमार मेहता के अलावे दर्जनों की संख्या में ग्रामीण बुद्धिजीवी समाजसेवी प्रतिनिधि एवं विभागीय कर्मी

CMYK

हथियारों के बल पर जेवर दुकान में लूटपाट

हेलमेट और मास्क पहनकर पहुंचे बदमाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रोहतास। जिले में रविवार को बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के आरा रोड स्थित हीरा आभूषण भंडार की है, जहां चार हथियारबंद बदमाश करीब 10 लाख रुपये के आभूषण लूटकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि व्यापारियों में भारी आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार नकाबपोश बदमाश दुकान में घुसे। उन्होंने हथियार दिखाकर दुकान में मौजूद लोगों को धमकाया और काउंटर व तिजोरी में रखे आभूषण लूट लिए। इस दौरान दुकान संचालक ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी, जिसके बाद सभी सहम गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चारों बदमाशों ने हेलमेट और चेहरे पर मास्क पहन रखा था। उनके हाथों में हथियार थे। वारदात को अंजाम देने के बाद वे आराम से मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। हीरा आभूषण भंडार के संचालक परमीत कुमार ने बताया कि लूटी गई ज्वेलरी का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार करीब 10 लाख रुपये के आभूषण बदमाश लूट ले गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी अपराधियों की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष के बीच थी और उनके पास हथियार थे।

घटना की सूचना मिलते ही बिक्रमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के दुकानदारों से पूछताछ की है। अपराधियों की पहचान के लिए दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि बदमाशों की पहचान कर जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

पेंट हाउस में लगी आग

गयाजी। शहर के धामिटोला मोहल्ले में स्थित लोहानी पेंट हाउस के गोदाम वाली बिल्डिंग में आग लगने के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई।

राहत एवं बचाव दल लगातार आग बुझाने का प्रयास कर रहा है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी और दमकल कर्मी मौके पर मौजूद हैं तथा आग पर काबू पाने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। साथ ही, आग से हुए नुकसान का भी अभी तक आकलन नहीं किया जा सका है।

बताया गया कि दो मंजिला भवन में स्थित पेंट हाउस के गोदाम में आग लगी है। फायर स्टेशन से अग्निशमन विभाग की टीम पानी के टैंकरों के साथ मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुटी हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह गोदाम मनोज कुमार लोहानी या उनके किसी भाई का बताया जा रहा है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। खबर लिखे जाने तक आग बुझाने का कार्य जारी था।

कमल किशोर किये गये सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव संतोष कुमार सिंह ने इंसान के व्यक्तित्व को संदर्भित करते हुए कहा कि जिंदगी कोई किताब नहीं जो एक बार पढ़कर समझ आ जाय।ये तो रोज लिखने वाली डायरी है।जहां हर एक दिन नया पन्ना जुड़ता है।जीवन में शब्द और व्यवहार एक ऐसा गुण है जो लोगों को बहुत बड़ा चरित्रवान और संस्कारी बनाता है। इस कथन को जीवंत करने के लिए नव बिहार टाइम्स के संपादक कमल किशोर से सीखा जा सकता है। जीवन को सफल और सरसता के संपदा में ढालना हो तो पहले सफलता का मार्ग ढूंढना होगा ।

उन्होंने कहा कि सफलता यू ही नहीं मिलती, वह समय मांगता है।जिसके पास किसी कार्य को करने के लिए समय नहीं है वह सफल हो ही नहीं सकता। कमलकिशोर एक मिशाल हैं जिन्होंने बारुण से लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बन कर समाज और राष्ट्र के लिए एक नया परिवर्तन लाया। उन्हें व्यक्तित्व के धनी और कर्तव्य के पुजारी के रूप में जाना जाता है।आज दैनिक नव बिहार टाइम्स का इंग्लिश वर्जन भी प्रकाशित हो रहा है। इसे देश के पटल पर जाने माने अखबार के रूप में जाने जाना लगा है।चौथे स्तंभ के दूसरे व्यक्तित्व और जे पी सेनानी रहे अजय कुमार श्रीवास्तव ने परस्पर समाज और राष्ट्र के लिए अपने को समर्पित किया है।

उनकी देशभक्ति और समाज सेवा को भुलाया नहीं जा सकता है। इन दोनों विभूतियों को याद करते हुए बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अजय पांडे, उपाध्यक्ष दिलीप सिंह, सचिव रिंकू सिंह और ओम प्रकाश पांडेय ने उन्हें अंगवस्त्र एवं मोमेंटो से सम्मानित किया। श्री किशोर ने संगठन के सभी पदाधिकारियों का स्व परिचय लेते हुए शुभकामना व्यक्त की । साथ ही उन्होंने कहा कि नव बिहार टाइम्स बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के लिए हमेशा सकारात्मक सहयोग करता रहेगा ।

अज्ञात वाहन की ठोकर से दो छात्रों की मौत

बिहारशरीफ। नालंदा के राजगीर-छबीलापुर मुख्य मार्ग पर रविवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। छबीलापुर थाना क्षेत्र के नीमा गांव के समीप एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों आपस में दोस्त थे और गया जिले के रहने वाले थे। वे राजगीर से खरीदारी कर अपने गांव लौट रहे थे।

मृतकों की पहचान गया जिले के नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के चौसंडी गांव निवासी मो. अकबर के 19 वर्षीय पुत्र मो. अरबाज और मो. शफीक के 18 वर्षीय पुत्र मो. समीर के रूप में हुई है। दोनों इंटरमीडिएट के छात्र थे। रविवार को वे एक ही पल्सर बाइक से राजगीर बाजार घरेलू सामान की खरीदारी करने आए थे। खरीदारी के बाद घर लौटते समय नीमा गांव के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक बाइक समेत सड़क पर दूर जा गिरे। उनके सिर में गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। सूचना मिलते ही छबीलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल ले गई। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही दोनों की मौत हो चुकी थी। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

छबीलापुर थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। परिजनों को सूचना दे दी गई है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना की सूचना मिलते ही चौसंडी गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

कुख्यात के भाई को गोलियों से भूना

मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

कई राउंड ताबड़तोड़ हुई फायरिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। जिले में अपराधियों के हौसले पूरी तरह बुलंद नजर आ रहे हैं। जिले के रीगा थाना क्षेत्र अंतर्गत मेहंदी नगर में शनिवार देर शाम बेखौफ बदमाशों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देते हुए प्रॉपर्टी डीलर दिनेश यादव की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी।

जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने दिनेश यादव पर कई राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस अंधाधुंध गोलीबारी में उन्हें करीब सात गोलियां लगीं, जिससे अत्यधिक खून बह जाने के कारण घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस वारदात को दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अज्ञात अपराधियों ने अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने के तुरंत बाद सभी हमलावर भवदेपुर रेलवे गुमटी की ओर फरार हो गए।

वारदात के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से लहूलुहान पड़े दिनेश यादव को आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतक की पहचान सीतामढ़ी शहर के आरडी पैलेस रोड निवासी सुरेश यादव के पुत्र दिनेश यादव के रूप में हुई है। वह मुख्य रूप से जमीन की खरीद-बिक्री यानी प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। हत्या की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ-1 राजीव कुमार सिंह नगर थाना और रीगा थाना पुलिस टीम के साथ तुरंत सदर अस्पताल पहुंचे और पूरे मामले का जायजा लिया। जैसे ही दिनेश यादव की हत्या की खबर फैली, अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में उनके परिजन, रिश्तेदार और समर्थक इकट्ठा हो गए। आक्रोशित परिजनों और समर्थकों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ गहरा रोष जताया।

पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और वहां से गोलियों के खोखे भी बरामद किए हैं। शुरूआती जांच में पुलिस इस घटना के पीछे पुरानी रंजिश या आपसी दुश्मनी की प्रबल आशंका जता रही है। हालांकि, पुलिस अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर गहन छानबीन में जुटी हुई है। इस हत्याकांड का एक संवेदनशील आपराधिक पहलू भी सामने आ रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मृतक दिनेश यादव का भाई राकेश यादव, जो फिलहाल फरार है, शहर के मेहसौल चौक निवासी प्रसिद्ध व्यवसायी वसीम अहमद खान उर्फ पुट्ढ खान की 12 जुलाई 2025 को हुई हत्या के मामले में मुख्य आरोपियों में शामिल है।

हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट रूप से पुष्टि नहीं की है कि दिनेश यादव की हत्या का संबंध उस पुराने आपराधिक मामले से है या नहीं। पुलिस का कहना है कि सभी बिंदुओं पर गहन जांच जारी है और जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अस्पताल गेट पर गूंजी किलकारियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। मॉडल सदर अस्पताल में रविवार को उस समय अनोखी स्थिति बन गई, जब अस्पताल पहुंचने से पहले ही एक गर्भवती महिला ने ई-रिक्शा में बच्ची को जन्म दे दिया। मौके पर मौजूद जीएनएम छात्रा की तत्परता से सुरक्षित प्रसव कराया गया। इसके बाद जच्चा और नवजात को प्रसूता वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों की जांच की। अस्पताल प्रशासन के अनुसार मां और बच्ची दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

जानकारी के अनुसार, नयारामनगर थाना क्षेत्र के नौवागढ़ी हरदियाबाद निवासी शिवानी देवी को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन मॉडल सदर अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इमरजेंसी वार्ड के गेट पर पहुंचते ही प्रसव पीड़ा अचानक तेज हो गई। परिजन उन्हें अस्पताल के अंदर ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी ई-रिक्शा में ही प्रसव की स्थिति बन गई।

जीएनएम छात्रा ने दिखाई तत्परता

उसी समय वहां मौजूद एक जीएनएम छात्रा ने बिना देर किए ई-रिक्शा के पास पहुंचकर सुरक्षित प्रसव कराया। बच्ची के जन्म के तुरंत बाद अस्पताल कर्मियों ने जच्चा और नवजात को प्रसूता वार्ड में भर्ती कराया। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने दोनों की स्वास्थ्य जांच की। डॉक्टरों के अनुसार मां और नवजात दोनों की स्थिति सामान्य है।

प्रसूता की सास ने बताया कि शिवानी को अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई थी। दर्द इतना बढ़ गया कि उन्हें अस्पताल के अंदर ले जाने का समय ही नहीं मिल पाया और ई-रिक्शा में ही बच्ची का जन्म हो गया। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा, ?हमारे घर लक्ष्मी आई है। पूरे परिवार में खुशी का माहौल है।

जेपीएससी परीक्षा गड़बड़ी मामले में दो और गिरफ्तार

कई अब भी राडार पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, मामले की परतें भी खुलती जा रही हैं। सीआईडी ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जेपीएससी का एक कर्मचारी और मुख्य आरोपी अभय तिवारी का करीबी सहयोगी शामिल बताया जा रहा है। दोनों से पूछताछ में जांच टीम को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

जांच में अभय तिवारी के होटल कनेक्शन ने भी सीआईडी का ध्यान खींचा है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021 में अभय तिवारी ने रांची के स्टेशन रोड स्थित एक होटल को करीब 11 महीने के लिए लीज पर लिया था। अब सीआईडी यह पता लगाने में जुटी है कि होटल को इतने लंबे समय के लिए लीज पर लेने का उद्देश्य क्या था और उस दौरान वहां किन-किन लोगों की आवाजाही होती थी।

जांच एजेंसी होटल के लीज दस्तावेज, रजिस्टर, भुगतान रिकॉर्ड, बिल और वहां ठहरने वाले लोगों का ब्योरा खंगाल रही है। यह भी जांच की जा रही है कि कहीं होटल का इस्तेमाल प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े लोगों की बैठकों या किसी संदिग्ध गतिविधि के लिए तो नहीं किया जाता था। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सीआईडी सूत्रों के अनुसार, पहले गिरफ्तार आरोपियों को रिमांड पर लेकर की गई पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई थीं। इन्हीं सुरागों के आधार पर शनिवार को दो और गिरफ्तारियां की गईं। इससे संकेत मिल रहे हैं कि जांच अब केवल कुछ आरोपियों तक सीमित नहीं है, बल्कि कथित परीक्षा गड़बड़ी के पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। जेपीएससी मामले का असर भर्ती परीक्षाओं पर भी पड़ा है। कई परीक्षाएं स्थगित हो चुकी हैं और अभ्यर्थी नई परीक्षा तिथियों का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में सीआईडी की लगातार बढ़ती कार्रवाई ने इस मामले को और गंभीर बना दिया है।

गुरू पूर्णिमा पूजन समारोह को ले बैठक

पटना। राम लक्ष्मण जानकी गायत्री मंदिर के प्रांगण में गुरु पूर्णिमा व्यास पूजन समारोह के तैयारी हेतू ट्रस्ट अध्यक्ष श्यामता प्रसाद यादव की अध्यक्षता में गोष्ठी अखिल विश्व गायत्री परिवार की गई। सर्वसम्मति से 6-30बजे से7-30बजे तक सामुहिक मानसिक जाप ध्यान सुबह एवं 8बजे से व्यास पूजन गायत्री हवन यज्ञ संस्कार करने कार्यक्रम का प्रस्ताव पारित किया गया।11-30बजे से यज्ञ संस्कार के बाद महाप्रसाद का आयोजन रखने का निर्णय लिया गया है।शाम 5बजे से दीप यज्ञ और गुरु पूर्णिमा के महिमा महत्व पर प्रकाश डालाने का उदबोधन होगा। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा समारोह मनाया जाएगा। आज भी गायत्री हवन यज्ञ कार्यक्रम जारी रहा। इस में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। ट्रस्ट सचिव ललित शर्मा गायत्री महिला मंडल अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ट्रस्टी रामसेवक जयसवाल अमरेन्द्र चौरसिया बलिंद्र मेहता कोषाध्यक्ष अपिश्वर सिंह गायत्री परिवार बसंत प्रसाद गुप्ता राखी कुमारी शांति देवी अनीता देवी गीता देवी मंजु पाठक महिलाओं पुरुषों ने भाग लिया।

नये आंदोलन की तैयारी को ले एकजुट हुए शिक्षक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना के कंकड़बाग स्थित डॉ. एके सेन भवन में फुटाब, फुस्टाब तथा बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 में प्रस्तावित संशोधन तथा अंगीभूत डिग्री महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय से अलग कर बिहार सरकार के अधीन लाने के प्रस्ताव के विरोध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने भाग लिया।बैठक की अध्यक्षता एवं संचालन के दौरान मंच पर विधान पार्षद डॉ. मदन मोहन झा, डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. गंगाधर झा, बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के संरक्षक ब्रजकिशोर सिंह, महासंघ के अध्यक्ष वेंकटेश कुमार तथा महासचिव रोहित कुमार उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 में प्रस्तावित संशोधन तथा अंगीभूत डिग्री महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय से अलग कर राज्य सरकार के अधीन लाने का प्रस्ताव विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर सीधा प्रहार है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी इस संशोधन का पुरजोर विरोध करेंगे और इसे किसी भी स्थिति में पारित नहीं होने देंगे।बैठक में उपस्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने पटना विश्वविद्यालय के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में चरणबद्ध आंदोलन एवं विरोध-प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। वक्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और उच्च शिक्षा की गरिमा की रक्षा के लिए सभी शिक्षक एवं कर्मचारी एकजुट हैं।

बैठक में मगध विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व मुटा अध्यक्ष अंजनी कुमार, गया कालेज शिक्षक संघ के सचिव डॉ. आनंद कुमार, जगजीवन कालेज शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार, सचिव डॉ. संगीता कुमारी, संयुक्त सचिव डॉ. राजीव रंजन, गया कालेज के प्रक्षेत्रीय मंत्री संतोष कुमार सिंह, मगध विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रीय संरक्षक विनेश कुमार सिंह तथा गया कालेज के शिक्षकेतर कर्मचारी राहुल कुमार ने किया।

पर्चा पाकर लाभुकों के खिले चेहरे

दरभंगा। वर्षों से अपनी जमीन और पक्के आशियाने का सपना संजोए भूमिहीन परिवारों के लिए खुशियां लेकर आया। बिरौल और गौड़ाबौराम प्रखंड में कुल 17 भूमिहीन परिवारों को आवासीय भूमि का पर्चा सौंपकर उन्हें जमीन का कानूनी अधिकार दिया गया।

पर्चा मिलते ही लाभुकों के चेहरों पर खुशी साफ झलकने लगी। अब इन परिवारों को अपने घर का सपना साकार करने का भरोसा मिला है। प्रशासन ने शेष पात्र लाभुकों को भी जल्द पर्चा उपलब्ध कराने का भरोसा दिया है, जिससे कोई भी जरूरतमंद परिवार इस अधिकार से वंचित न रहे। बता दें कि भूमिहीन परिवारों को जमीन का कानूनी अधिकार दिलाने की दिशा में बिरौल अनुमंडल कार्यालय में महत्वपूर्ण पहल की गई। कहुआ और भवानीपुर गांव के सात भूमिहीन परिवारों के बीच गैर मजरूआ मालिक भूमि का पर्चा वितरण किया गया।इससे लाभुकों में खुशी का माहौल देखा गया। पर्चा वितरण कार्यक्रम में एसडीओ शशांक राज और डीसीएलआर मयंक सिंह ने संयुक्त रूप से लाभुकों को पर्चा सौंपा। इस दौरान कहुआ गांव के पांच तथा भवानीपुर गांव के दो भूमिहीन परिवारों को भूमि का स्वामित्व प्रमाणपत्र दिया गया।

एसडीओ ने बताया कि दोनों गांवों के कुल 12 भूमिहीन परिवारों को चिन्हित कर पर्चा निर्गत कर दिया गया है। शनिवार को सात लाभुक अनुमंडल कार्यालय पहुंचे थे, जिन्हें पर्चा उपलब्ध कराया गया। शेष लाभुकों को भी जल्द अनुमंडल कार्यालय बुलाकर पर्चा सौंप दिया जाएगा।

जांच ने खोली थानाध्यक्ष की पोल, एसपी ने किया सस्पेंड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने भ्रष्टाचार और कर्तव्यहीनता के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एक मामले की जांच के दौरान गंभीर अनियमितता सामने आने के बाद करताहां थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष पुलिस अवर निरीक्षक कुणाल कुमार आजाद को एसपी शुभांक मिश्रा ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

एसपी ने बताया कि एक कांड के अनुसंधान के दौरान कई महत्वपूर्ण तथ्य और साक्ष्य सामने आए थे। इसके आधार पर पूरे प्रकरण की समीक्षा की गई, जिसमें तत्कालीन थानाध्यक्ष कुणाल कुमार आजाद की भूमिका प्रथम द्दष्टया संदिग्ध पाई गई। मामले में उनके द्वारा कर्तव्यों का समुचित निर्वहन नहीं करने और अनुसंधान को प्रभावित करने के प्रयास का आरोप है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी शुभांक मिश्रा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुणाल कुमार आजाद को निलंबित करने का आदेश जारी किया। निलंबन के बाद उन्हें पुलिस केंद्र हाजीपुर में योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

पुलिस विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि कार्रवाई सिर्फ निलंबन तक सीमित नहीं रहेगी। पूरे प्रकरण की विस्तृत विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने स्पष्ट किया कि वैशाली पुलिस भ्रष्टाचार, लापरवाही और कर्तव्यहीनता के मामले में पूरी तरह जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

किसी भी पुलिसकर्मी द्वारा कर्तव्य में लापरवाही या किसी तरह की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस का दायित्व आम लोगों को न्याय दिलाना और मामलों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी अनुसंधान सुनिश्चित करना है।

शहीदों के नाम स्मारक नहीं होना दुखद : कांग्रेस

कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने मनाया कारगिल विजय दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। 1999 में कारगिल की बफीर्ली पहाडियों पर पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए भारतीय सेना ने अपने अद्भुत साहस से 60 दिनों के अंदर विजय प्राप्त किया था, जिसे आज हम भारतीय इसे कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाते हैं।

आज गयाजी के स्थानीय कोतवाली थाने के समीप स्थित शाहिद स्मारक के पास कॉंग्रेस पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने कारगिल विजय दिवस मनाया तथा इसमें शाहिद हुए देश के जांबाज शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपस्थित नेताओं में बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, शिव कुमार चौरसिया, टिंकू गिरी, मनोज राय, कृष्णा कानू आदि ने शहीदों को सलाम करते हुए कहा कि कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को सबक सिखाने का काम किया था, बफीर्ली चोटियों, पहाड़ों पर जो अद्भुत साहस का परिचय भारतीय सैनिकों ने दिया था वो कभी भुला नहीं जा सकता।

नेताओं ने गया जिला के जांबाज कारगिल युद्ध के शहीदों का नाम अभी तक पटना के गांधी मैदान के पास स्थित कारगिल चौक पर इनका नाम अंकित नहीं है, ना ही गयाजी में कहीं कारगिल के शहीदों के नाम पर कोई स्थान है।

नेताओं ने आज से दो वर्ष पहले करगिल दिवस के दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास ज्ञापन भेज कर गयाजी के चौक के लहरिया टोला तीन मुहाने के पास कारगिल शाहिद स्थल बनाने हेतु अनुरोध करने पर उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिख कर गयाजी में कारगिल के शहीदों के नाम स्थल बनाने का अनुरोध किया था था, लेकिन अभी तक टीकारी प्रखंड के धर्मशाला गांव के मिथिलेश पंडित तथा कुतलुपुर के राम पुकार शर्मा दोनों की याद में संयुक्त कोई स्थल नहीं बनाना आश्चर्यजनक बात है। नेताओं ने गयाजी जिला के कारगिल युद्ध के शहीदों के नाम पर स्थल निर्माण कराने तथा पटना स्थित कारगिल चौक के शीलापट्ट पर नाम लिखने की मांग दोहराई है।

डीएम ने की भावी कार्य योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। माह के अंतिम रविवार को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत विकास दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस क्रम में जिलाधिकारी विनोद दूहन ने जिले के भरगामा प्रखंड के सिरसिया कला पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेकर पंचायत प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों के साथ विकास योजनाओं की प्रगति एवं भावी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक के दौरान पंचायत के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर ई-ग्राम स्वराज एवं ई-पंचायत पोर्टल के माध्यम से संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही वर्तमान में संचालित योजनाओं पर हुए व्यय, उनकी प्रगति तथा आगामी विकास योजनाओं की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नई योजनाओं को शामिल करने पर भी सहमति बनी। जिलाधिकारी ने पंचायतों के समग्र एवं सतत विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में योजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन, जन सहभागिता तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत विकास दिवस का उद्देश्य ग्रामीणों को विकास योजनाओं की योजना निर्माण प्रक्रिया से जोड़ना, पंचायत स्तर पर पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देना तथा ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया, ताकि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इस क्रम में जिलाधिकारी ग्रामीणों से रूबरू हुए तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने पंचायत के समग्र विकास, आधारभूत सुविधाओं के सुद्दढ़ीकरण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर ग्रामीणों से सुझाव भी प्राप्त किए।

सम्राट सरकार के 100 दिन : उच्च शिक्षा में बुनियादी बदलाव की पहल

अजय कुमार

पटना। सम्राट सरकार के 100 दिन के कार्य-काल में कई बड़े और महत्वपूर्ण फैसले किए। उन फैसलों को लागू करने की दिशा में सम्राट सरकार पीछे नहीं है। मजबूत इच्छा शक्ति के साथ अपने फैसलों को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ कर काम कर रही है। सम्राट सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी बदलाव की पहल कर रही है। बहुत कम राज्य सरकारें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पूरी व्यवस्था को बदलने की कोशिश करती है। सम्राट चौधरी की सरकार ठीक ऐसा ही करने जा रही है तो निश्चित रूप सरकार को संविधान का समर्थन हासिल है। अच्छी बात है हमारे संविधान निर्माताओं ने शिक्षा जैसे विषय को समवर्ती सूची में शामिल किया है। माने-मतलब कि शिक्षा जैसे विषय पर केन्द्र के साथ राज्य सरकारें भी अपने जरूरतों के अनुसार नीतियां बना सकती है। उसे लागू कर सकती है। सम्राट सरकार उच्च शिक्षा क्षेत्र में नये शिरे से ढांचागत बदलाव के लिए दो महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। पहला यह कि विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा को विशिष्ट प्रकृति का बना रही है। इसमें निजी और सरकारी निवेश का प्रावधान है। दूसरा यह कि यू.जी. (स्नातक स्तर) की शिक्षा को विश्वविद्यालय स्तर से हटाकर राज्य सरकार के अधीन लाने की पहल कर चुकी है। उच्च शिक्षा की ढांचे में बदलाव उसे विशिष्ट प्रकृति का रूप-स्वरूप देने के लिए सम्राट सरकार ने विधान सभा के मानसून सत्र में तीन महत्वपूर्ण विधेयक पारित करवा चुकी है। विशिष्ट प्रकृति के उन विधेयकों में बिहार विशिष्ट विश्वविद्यालय विधेयक-2026 के तहत डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कृत्रिम बुद्धिमता एवं कम्प्यूटर विज्ञान विश्वविद्यालय-2026, बिहार अधिनियम विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2026 और शहीद जुब्बा सहनी वास्तुकला एवं असैनिक अभियंत्रण विश्वविद्यालय विधेयक-2026 शामिल है। इन विधेयकों के आस्तित्व में आने के बाद पटना विश्वविद्यालय एक्ट-1976, बिहार राज्य विश्वविद्यालय एक्ट-1960, बिहार राज्य विश्वविद्यालय सर्विस कमीशन एक्ट-2017 में बुनियादी स्तर पर सुधार होने जा रहा है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सम्राट सरकार की ओर से किए जा रहे ढांचागत सुधार के तहत डिग्री कॉलेज (स्नातक स्तर) की पढ़ाई अब राज्य के विश्वविद्यालयों के अधीन नहीं रहेंगी। वे अब सीधे नये सिरे से बनाए जाने वाले उच्च शिक्षा विभाग के अधीन आ जायेंगे। विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल की भूमिका अब पोस्ट ग्रेजुएट (स्नातकोतर) शिक्षा तक सीमित रह जायेगी। स्नातक स्तर की शिक्षा को विश्वविद्यालय से अलग करने पर कुलाधिपति (राज्यपाल) की भूमिका कम होगी। तो दूसरी तरफ चुनी हुई सरकार की भूमिका बढ़ जायेगी। नयी व्यवस्था के तहत स्नातक स्तर की शिक्षा, शिक्षक और प्रशासन से जुड़े विषय विश्वविद्यालयों से हटकर अब उच्च शिक्षा विभाग के अधीन आ जायेंगे। इससे बड़ा नुकसान छात्रों को उठाना पड़ता है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता अब भी बड़ी चिंता का विषय है। बिहार का उच्च शिक्षा क्षेत्र राष्ट्रीय मानकों से काफी पीछे है। उच्च शिक्षा विभाग के आंकड़ों पर भरोसा करें तो राज्य के 800 से अधिक डिग्री और इंजीनियरिंग कॉलेजों में केवल 88 कॉलेज और 20 से अधिक निजी और सरकारी विश्वविद्यालयों में मात्र 03 विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन से मान्यता प्राप्त है। अनियमित शैक्षणिक सत्र, टलती परीक्षाए, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के अभाव से उबकर बड़े पैमाने पर बिहारी छात्र अन्य राज्यों में उच्च शिक्षा के लिए पलायन करने पर मजबूर होते हैं। सम्राट सरकार स्नातक स्तर जैसे बड़े और विस्तारित शिक्षा नेटवर्क का संचालन की जिम्मेदारी उठाने जा रही है। राज्य सरकार के लिए उच्च शिक्षा में सुधार और विस्तार की योजना सम्राट महत्वकांक्षी योजना बन गयी है। विधान सभा के मानसून सत्र में लाए गए निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2026 पर सरकार का पक्ष रखते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बोले, हम ऐसी व्यवस्था चाहते हैं कि हमारे बच्चे उच्च शिक्षा के लिए राज्य से बाहर न जाएं। विधेयक राज्य के युवाओं के भविष्य को नयी दिशा देने वाला साबित होगा। सीएम ने कहा बिहार के लाखों बच्चे स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के माध्यम से दूसरे राज्यों में पढ़ने जा रहे हैं। जलंधर के लवली यूनिवर्सिटी में 11 हजार और एमिटी यूनिवर्सिटी में 30 हजार बिहारी बच्चे हैं।

(लेखक भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं आकाशवाणी, पटना के समाचार प्रमुख हैं)

एनडीए उम्मीदवार के लिए मंत्री श्रवण कुमार ने निशांत के साथ किया चुनाव प्रचार

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार-प्रसार के तहत सिपारा के इन्द्रपुरी में किया जनसभा को संबोधित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार समाप्त होने में दो दिन बचे हुए हैं। ऐसे में सत्तारूढ़ दल ने पूरी ताकत झोक दी है। इसी क्रम में ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने रविवार को इस विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में जोरदार जनसंपर्क किया। मंत्री श्रवण कुमार ने सिपारा के इन्द्रपुरी स्थित एसआर गार्डन बैंक्वेट हॉल में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री निशांत, पथ निर्माण मंत्री डा. शैलेंद्र, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय झा भी मुख्य रूप से मौजूद थे। बैठक के बाद वह यहां जनता के बीच भी पहुंचे और भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा के पक्ष में वोट देने की अपील की। उन्होंने वोटरों से अपील करते हुए कहा कि एनडीए सरकार विकासात्मक कार्यों के साथ आगे बढ़ रही है, इसमें उनका साथ दें। इस मौके पर एमएलसी शिवरानी प्रजापति, विधान पार्षद ललन मंडल, एमएलसी भारती मेहता, बांकीपुर विधानसभा प्रभारी विधायक अरुण मांझी, विधायक कलाधर मंडल, विधायक वशिष्ठ सिंह, विधायक राहुल सिंह, वार्ड नं 30 की पार्षद कावेरी देवी, जदयू प्रदेश महासचिव अनिल कुमार, वासुदेव कुशवाहा, शत्रुघ्न पासवान, बंटी कुमार चन्द्रवंशी, रवि सिंह, दिलीप सिंह, रघु सिंहा, रवींद्र पटेल, सुनील कुमार, राधेश्याम कुशवाहा, स्वेता विश्वास, अनुप्रिया, रेखा कुमारी गुप्ता समेत अन्य मौजूद थे।

भारतीय शिक्षण पद्धति में धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं : विजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विद्यापीठ, सदाकत आश्रम, पटना स्थित देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का 10वां स्थापना दिवस समारोह रविवार को देशरत्न सभागार में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 'भारतीय शिक्षण पद्धति में धर्म की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा, इतिहास, दर्शन एवं अध्यात्म के विद्वानों ने भारतीय शिक्षा-दर्शन की मूल अवधारणा पर गंभीर विमर्श किया। बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी विजय प्रकाश ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अपनी चर्चित पुस्तक 'दी ब्यूटीफुल ट्री' के ऐतिहासिक निष्कर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रिटिश शासन से पूर्व भारत की शिक्षा व्यवस्था अत्यंत समृद्ध, विकेन्द्रित और समाज-समर्थित थी। गुरुकुल, पाठशालाएं और मदरसे स्थानीय समाज के सहयोग से संचालित होते थे तथा शिक्षा समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचती थी। उन्होंने कहा कि उपलब्ध ऐतिहासिक अभिलेख इस धारणा का समर्थन नहीं करते कि शिक्षा केवल किसी एक वर्ग तक सीमित थी, विभिन्न सामाजिक समुदायों के विद्यार्थी भी शिक्षा प्राप्त करते थे। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षण पद्धति का उद्देश्य केवल जीविकोपार्जन नहीं, बल्कि शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित विकास है। भारतीय परम्परा में धर्म का अर्थ किसी संप्रदाय या पूजा-पद्धति से नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा, कर्तव्यपरायणता, आत्मानुशासन, करुणा, सेवा, सहिष्णुता और लोकमंगल जैसे सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से है। शिक्षा का लक्ष्य ज्ञान के साथ चरित्र, विवेक और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षण पद्धति में ध्यान, अवलोकन, स्मृति, चिन्तन, परिकल्पना, भावनात्मक प्रबंधन, सम्प्रेषण ही व्यक्तित्व निर्माण के मूल भूत आयाम थे जो आधुनिक शिक्षा प्रणाली में लुप्त प्राय है। इन्हें पुनर्स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय ज्ञान परम्परा एवं मूल्यपरक शिक्षा को पुनः प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बिहार विद्यापीठ के सचिव डॉ. राणा अवधेश (भा.प्र.से., सेवानिवृत्त) ने स्वागत भाषण में महर्षि पतंजलि के अष्टांग योग की चर्चा करते हुए कहा कि यम, नियम, संयम और आत्मानुशासन भारतीय शिक्षा की आधारशिला हैं।

गुरु गोविंद सिंह अस्पताल पटना सिटी के लोगों के लिए बना भरोसे का केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हमलोगों के नजदीक में पीएमसीएच अस्पताल है। वहां सरकारी सुविधा काफी अच्छी है, लेकिन भीड़ की वजह से दिक्कत होती है। ऐसी स्थिति में पटना सिटी के पुराने अस्पताल को सरकार ने जिस तरह से आधुनिक व्यवस्था के साथ विस्तार किया है, यह काफी सराहनीय है। पटना सिटी के आम लोगों को इस विकास से काफी फायदा होगा। पटना सिटी के पल्लव यादव बताते हैं। पटना सिटी के रहने वाले हजारों लोग पटना सिटी स्थित गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण और विस्तारीकरण से काफी खुश है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने संयुक्त रूप से स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पटना सिटी स्थित गुरु गोविंद सिंह जिला अस्पताल के नवनिर्मित भवन का शिलान्यास किया था।

सशस्त्र सीमा बल के शहीद अधिकारी किशोर कुणाल को दी गयी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सीमांत मुख्यालय पटना तथा 40 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, पटना के बलकर्मियों तथा स्थानीय निवासियों के द्वारा किशोर कुणाल पार्क कंकड़बाग, पटना में शहीद किशोर कुणाल, सहायक कमांडेंट सशस्त्र सीमा बल को पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी। शहीद अधिकारी किशोर कुणाल ने 26 जुलाई 2010 को 15वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बोंगाईगांव (असम) में पानबाड़ी नामक स्थान पर पेट्रोलिंग के दौरान एन.डी.एफ.बी. के उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ में सर्वोच्च बलिदान दिया था। वे पटना जिला के निवासी थे। इस कार्यक्रम में स्मृति परेड के द्वारा शहीद किशोर कुणाल को सलामी देकर सम्मान दिया गया। शहीद को सलामी के दौरान उनके माता-पिता तथा परिवार की उपस्थिति भावुक कर देने वाली रही जिन्होंने उनके स्मारक पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। महानिरीक्षक, सशस्त्र सीमा बल सीमांत मुख्यालय पटना, निशीत कुमार उज्ज्वल द्वारा बल सदस्यों को संबोधित करते हुए शहीद किशोर कुणाल के द्वारा बल तथा राष्ट्र के प्रति समर्पित योगदान और सर्वोच्च बलिदान को याद किया गया। उन्होंने शहीद अधिकारी किशोर कुणाल के माता-पिता से बात करते हुए परिवार के उज्ज्वल भविष्य एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान महानिरीक्षक एवं शहीद अधिकारी के माता-पिता द्वारा पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान सीमान्त मुख्यालय पटना द्वारा निशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें बल के चिकित्सकों द्वारा नागरिकों को निःशुल्क इलाज/परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया। इस अवसर पर के. रंजीत (उप-महानिरीक्षक), मुकेश कुमार (उप-महानिरीक्षक), डॉ. एस. के. राय (उप-महानिरीक्षक/चिकित्सा), अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी एवं शहीद किशोर कुणाल के परिजन भी उपस्थित रहे।

बिहार ऑप्टोमेट्री कांफ्रेंस विजन का समापन, आधुनिक ऑप्टोमेट्री और बेहतर नेत्र स्वास्थ्य पर चर्चा

बिहार में ऑप्टोमेट्री सेवाओं को नई दिशा देगा विजन : श्रेयसी सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार ऑप्टोमेट्री एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय बिहार ऑप्टोमेट्री कांफ्रेंस विजन बिहार 2026 का सफल समापन तरुणाई कम्युनिटी प्लाजा, कुम्हरार में हुआ। सम्मेलन में राज्य सहित देशभर से आए विशेषज्ञों ने मायोपिया कंट्रोल, विजन थेरेपी, टेली-ऑप्टोमेट्री, पीडियाट्रिक आई केयर, डिजिटल आई केयर, ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य, क्लीनिकल ऑप्टोमेट्री, कम्युनिटी विजन केयर, स्पोर्ट्स आई सेफ्टी और ऑप्टोमेट्री के बदलते स्वरूप जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। समापन समारोह की मुख्य अतिथि खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि विजन बिहार 2026 जैसे सम्मेलन नेत्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता, नवाचार और विशेषज्ञों के अनुभवों के आदान-प्रदान का सशक्त मंच है। मुझे विश्वास है कि ऐसे आयोजन बिहार में ऑप्टोमेट्री सेवाओं को नई दिशा देंगे और बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि बेहतर दृष्टि किसी भी खिलाड़ी के प्रदर्शन का अहम आधार होती है और इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। सम्मेलन के दौरान बिहार में ऑप्टोमेट्री काउंसिल के गठन तथा सरकारी एवं स्वास्थ्य संस्थानों में ऑप्टोमेट्रिस्ट के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बिहार ऑप्टोमेट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार सिन्हा ने समापन संबोधन में कहा कि विजन बिहार 2026 केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि बिहार में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

देशभर में आज सीजेपी निकालेगी कैंडल मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया है। इसे लेकर देशभर में प्रोटेस्ट चल रहे थे। बिहार में भी छात्रों का प्रदर्शन देखने को मिला। आज कॉकरोच जनता पार्टी ने देशभर में एक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकालने का आह्वान किया है। देश के सभी जिलों में कलेक्टर कार्यालय (कलेक्ट्रेट) के बाहर कार्यक्रम करने की अपील की है। यह मार्च छात्र आंदोलनों और पुलिस कार्रवाई के विरोध में और अपनी बाकी बची मांगों को पूरा करने के दबाव के लिए बुलाया गया है। बिहार में भी कई जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

भाजपा ने चंद्रवंशी समाज एवं अति पिछड़ा वर्ग को सदैव सम्मान दिया : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एनडीए समर्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 70 फीट स्थित जे.के. मैरेज हॉल में बाकीपुर विधानसभा क्षेत्र के चंद्रवंशी समाज एवं अति पिछड़ा वर्ग समाज के प्रतिष्ठित, प्रबुद्ध एवं प्रभावशाली जनों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता एवं नेतृत्व भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने किया जबकि कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र कुमार सिंह ने किया। सम्मेलन में चंद्रवंशी समाज के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा, बिहार प्रशासनिक सेवा, वित्त सेवा, लेखा सेवा, अभियंता सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। सम्मेलन में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा समाज के विकास में भारतीय जनता पार्टी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने मगध सम्राट महाराज जरासंध के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संजय सरावगी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने चंद्रवंशी समाज एवं अति पिछड़ा वर्ग को सदैव सम्मान दिया है तथा विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर प्रतिनिधित्व देकर समाज का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि जिस सम्मान और भागीदारी का अवसर भारतीय जनता पार्टी ने इस समाज को दिया है, वैसा किसी अन्य दल ने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा उपचुनाव समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ महीनों में चंद्रवंशी समाज को विधानसभा अध्यक्ष, मंत्री तथा भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्व मिले हैं जो भाजपा की सामाजिक समरसता और सम्मान की नीति का प्रमाण है। उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिष्ठित एवं प्रभावशाली लोगों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में समाज के बीच जाकर भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा के पक्ष में व्यापक जनसंपर्क करें और उन्हें रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाएं। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों एवं समाज के प्रबुद्धजनों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कारगिल विजय दिवस पर डॉ. प्रेम कुमार ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

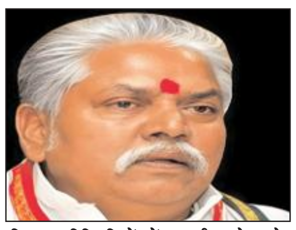

पटना। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गांधी मैदान स्थित कारगिल चौक पहुंचकर सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कारगिल युद्ध के शहीदों के शौर्य, पराक्रम और बहादुरी को नमन करते हुए उनके बलिदान को राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत बताया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि कारगिल विजय दिवस उन वीर सैनिकों की याद दिलाता है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि यह दिन भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। विषम परिस्थितियों में भारतीय सेना के जवानों ने 18 हजार फीट की ऊंचाई पर घुसपैठियों को खदेड़कर देश की सीमाओं की रक्षा की और अपने अद्वितीय पराक्रम का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना द्वारा संचालित ऑपरेशन विजय में मिली निर्णायक सफलता केवल एक सैन्य विजय नहीं थी, बल्कि यह पूरे राष्ट्र की अडिग इच्छा, दृढ़ संकल्प और सामर्थ्य का प्रमाण भी थी।

आट्या-पाट्या एसोसिएशन ऑफ बिहार की वार्षिक आम सभा एवं चुनाव सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आट्या-पाट्या एसोसिएशन ऑफ बिहार की वार्षिक आम सभा एवं वर्ष 2026-2030 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन राजा उत्सव कम्युनिटी हॉल, पटना में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। बैठक में बिहार के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा संगठन के विकास एवं खेल के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। इसमें मुकेश शाह को अध्यक्ष तरुण कुमार आजाद को सचिव तथा इं. सत्येन्द्र कुमार सिन्हा को कोषाध्यक्ष चुना गया। संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने के उद्देश्य से बिहार के विभिन्न जिला आट्या-पाट्या संघों के प्रतिनिधियों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में स्थान दिया गया जिससे पूरे राज्य में खेल के विकास को नई दिशा मिल सके। बैठक में खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला खिलाड़ी प्रतिनिधि के रूप में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अंशु कुमारी को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने राज्य में अत्या-पाट्या खेल के व्यापक प्रचार-प्रसार, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, जिला इकाइयों को सशक्त बनाने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिहार की भागीदारी को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक का समापन सभी सदस्यों द्वारा संगठन की एकता, पारदर्शिता एवं खेल के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

सम्राट सरकार के 100 दिन पूरे, राष्ट्रीय अति पिछड़ा वर्ग महासभा ने जताया आभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली बिहार सरकार के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर बिहार विधानसभा के कांफ्रेंस हॉल में राष्ट्रीय अति पिछड़ा वर्ग महासभा के तत्वावधान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने की। इसमें अति पिछड़ा वर्ग की लगभग 30 विभिन्न जातियों के प्रतिनिधियों और समाज के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने अति पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तीकरण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है और अति पिछड़ा वर्ग बड़ी संख्या में इनका लाभ प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण, किसान कल्याण और स्वरोजगार जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है।

वर्टिकल फिल्म 'रघु जोशी' की शूटिंग शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड की आगामी वर्टिकल फिल्म 'रघु जोशी' की ऑन-लोकेशन शूटिंग और प्रेस मीट का आयोजन मुंबई के जीएम स्टूडियो में किया गया। फिल्म का निर्माण रॉकेट रील्स, डैफोडिल्स एंटरटेनमेंट और भारत श्री फिल्म्स के सहयोग से किया जा रहा है। रॉकेट रील्स के संस्थापक क्रांति शानभाग ने बताया कि 'रघु जोशी' की शूटिंग शुरू होना उनके लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि कंपनी भविष्य में भी दर्शकों के लिए नई और गुणवत्तापूर्ण फिल्में लेकर आती रहेगी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में वर्टिकल फॉर्मेट में बनाई जा रही यह फिल्म नए दौर के सिनेमा का प्रतिनिधित्व करेगी। फिल्म के निर्माता सत्य केतु सिंह ने बताया कि फिल्म का निर्देशन अंकुश भट्ट कर रहे हैं। फिल्म में मानसी नाइक, सुबोध भावे, तेजस्वी कश्यप और सुधीर सिंह प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। शूटिंग के पहले दिन सभी कलाकार सेट पर मौजूद रहे और उन्होंने मीडिया से बातचीत भी की।

सत्य केतु सिंह ने कहा कि आज के दौर में कंटेंट ही सबसे महत्वपूर्ण है और 'रघु जोशी' इसी सोच के साथ बनाई जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह फिल्म भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर वर्टिकल प्लेटफॉर्म पर अपनी अलग पहचान बनाएगी। प्रेस मीट में निर्माता भारत अग्रवाल सहित फिल्म से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने फिल्म की पूरी टीम और कलाकारों का आभार व्यक्त किया। फिल्म के अभिनेता सुबोध भावे ने कहा कि नई टीम के साथ काम करने का अनुभव बेहद सुखद रहा। उन्होंने बताया कि वह पहली बार वर्टिकल फॉर्मेट में किसी फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं और यह उनके लिए एक नया एवं रोमांचक अनुभव है।

रथ यात्रा पर सनफीस्ट यिप्पी ने पेश किया स्वाद और परंपरा का अनोखा संगम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पुरी में रथ यात्रा के अवसर पर सनफीस्ट यिप्पी ने बारो मासा, यिप्पी परबा के जरिए ओडिशा की शानदार खान-पान की विरासत का जश्न मनाया। यह अपनी तरह का पहला सांस्कृतिक और खान-पान का अनुभव था जो राज्य की मशहूर सोच बारो मासा, तेरो परबा से प्रेरित था। यिप्पी नूडल्स की खासियत को दिखाते हुए इस कैंपेन ने ओडिशा के सबसे पसंदीदा त्योहारों वाले व्यंजनों को नए और अनोखे नूडल डिश में बदला जिससे ग्राहकों को जाने-पहचाने स्वाद का एक नया अनुभव मिला। इस जश्न को और खास बनाते हुए मास्टरशेफ सीजन 6 के विजेता अविनाश नायक ने विजिटर्स से बातचीत की और खास तौर पर तैयार की गई यिप्पी डिशेज पेश कीं। इससे कंज्यूमर्स को ओडिशा के त्योहारों के दौरान बनने वाले खान-पान से प्रेरित नूडल्स के इन नए और अनोखे वर्जन को आजमाने का मौका मिला। अली हैरिस शेरे, बीयू चीफ एग्जीक्यूटिव, स्नैक फूड्स एंड बेवरेजेज, फूड्स डिवीजन, आईटीसी लिमिटेड ने कहा कि ओडिशा की बारो मासा, तेरो परबा सोच त्योहारों, परंपराओं और खाने-पीने के जरिए साथ मिलकर खुशियां मनाने का जश्न है। यिप्पी नूडल्स के साथ ओडिशा के कुछ सबसे पसंदीदा त्योहारों वाले व्यंजनों को नए अंदाज में पेश करके हमने खाने का एक अनोखा अनुभव तैयार किया है। इसने स्थानीय परंपराओं का सम्मान किया और साथ ही ग्राहकों को अपने पसंदीदा नूडल्स का मजा लेने के नए और रोमांचक तरीके खोजने के लिए प्रेरित किया।

चार माह से बंद केवाइपी केंद्रों पर निर्णय का इंतजार, विभागीय चुप्पी से बढ़ी नाराजगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जन्दाहा (वैशाली)। कुशल युवा कार्यक्रम के चार माह से बंद पड़े प्रशिक्षण केंद्रों को लेकर विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों और केंद्र संचालकों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। प्रदर्शन, ज्ञापन, विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रकाशित खबरों तथा सोशल मीडिया पर लगातार उठ रही मांग के बावजूद अब तक संबंधित विभाग की ओर से केंद्रों के पुनः संचालन को लेकर कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष एवं कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जन्दाहा के निदेशक डॉ. आनन्द रंजन झा ने कहा कि इस मुद्दे को विभागीय मंत्री, विभाग के सचिव, कई मंत्रियों, विधायकों, उपमुख्यमंत्री तथा मुख्यमंत्री के समक्ष भी रखा गया है। इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग के कुछ अधिकारी इस योजना के संचालन में अनावश्यक विलंब कर रहे हैं। उनका दावा है कि इससे केवाईपी जैसी महत्वपूर्ण कौशल विकास योजना प्रभावित हो रही है और यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो इसका सबसे अधिक नुकसान गरीब एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को उठाना पड़ेगा। डॉ. झा ने कहा कि केवाईपी ने वर्षों तक लाखों युवाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार की दिशा में आगे बढ़ाया है। आज केंद्रों के बंद रहने से हजारों छात्र प्रशिक्षण से वंचित हैं, जबकि राज्यभर के लगभग 1,800 केवाईपी केंद्र संचालकों का निवेश, वर्षों की मेहनत और उनकी अर्जित साख भी संकट में पड़ गई है।

संपादकीय

असली सुधार चाहिए, छात्रों का भरोसा जीतने निकली सरकार

आखिरकर शिक्षा मंत्री प्रधान ने इस्तीफा दे ही दिया। पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन के बीच, पीएम मोदी ने आश्वासन दिया कि सरकार सख्त कदम उठाएगी। इसके बाद, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एंटी-पेपर लीक बिल में संशोधन को मंजूरी दे दी, जिससे मुद्दे की गंभीरता जाहिर होती है। सरकार तेजी से निर्णय लेकर स्टूडेंट्स को यकीन दिलाने का प्रयास कर रही है कि उनकी आवाज सुनी गई है। पीएम नरेद्र मोदी ने गुरुवार रात अपने संदेश में यह आश्वासन दिया कि उनकी सरकार पेपर लीक के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी। इसके कुछ घंटों बाद ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एंटी-पेपर लीक बिल में संशोधन को मंजूरी दे दी। इसी से मुद्दे की गंभीरता जाहिर होती है। सरकार तेजी से निर्णय लेकर स्टूडेंट्स को यकीन दिलाने का प्रयास कर रही है कि उनकी आवाज अनसुनी नहीं रह गई है। एनटीए में सुधार। हाल के बरसों में पेपर लीक जितनी बड़ी समस्या बन चुका है, उसे देखते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई जरूरी है। हालांकि यह भी ध्यान में रहना चाहिए कि देश में कई बार कानून की कमी से ज्यादा उसका पालन चुनौतीपूर्ण होता है। एनटीए की कमियां और सीमित क्षमता कई बार सामने आ चुकी है। इसमें सुधार के लिए तुरंत कदम उठाने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि संस्थागत मजबूती जरूरी है। एड-हॉक की व्यवस्था ने बरसों से परेशान किया है। अब स्थायी और मजबूत सिस्टम चाहिए। अदालत की निगरानी। यह महत्वपूर्ण है कि केंद्र द्वारा नीट में किए जा रहे सुधारों की सुप्रीम कोर्ट लगातार निगरानी करेगा। असल में बार-बार की गड़बड़ियों की वजह से सिस्टम से स्टूडेंट्स का भरोसा कमजोर हुआ है। वे अब मूलभूत बदलाव चाहते हैं और शीर्ष अदालत की निगरानी से इसमें मदद मिलेगी। शुक्रवार का एक बेहद अहम घटनाक्रम रहा सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी के बीच दूसरे दौर की बातचीत। भले कोई समाधान नहीं निकला, पर इसे सकारात्मक मानना चाहिए। जन-आंदोलन का नतीजा आखिरकार संवाद से ही निकलता है। दोनों पक्ष तीसरे दौर की वार्ता के लिए सहमत हुए है, जो आज दोपहर में होनी है। हालांकि, सबसे बड़ा मतभेद है शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग। सीजेपी और विपक्ष इस पर अड़ा है, जबकि सरकार अभी परीक्षा सुधारों पर जोर दे रही है। सीजेपी के आंदोलन को स्टूडेंट्स ने अपना बना लिया है, क्योंकि सुरक्षित व पारदर्शी परीक्षा उनके भविष्य से जुड़ी है। आज हालात यहां तक इसलिए पहुंचे, क्योंकि जिम्मेदार लोग बार-बार नाकाम रहे। सीजेपी ने परीक्षा प्रणाली में रिफॉर्म्स के लिए सरकार को पांच सुझाव दिए है। केंद्र को इन पर खुले दिल से विचार करना चाहिए। आज समाज, न्यायपालिका और सरकार जिन सवालों से जूझ रहे है, उनका जवाब मिलकर ही निकाला जा सकता है।

छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन का कुछ राजनेताओं ने कर दिया राजनीतिकरण !

लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है। हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस मामले की जांच सौंपी दी थी।

(ललित गर्ग)

नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। नीट-यूजी की 3 मई 2026 को आयोजित मूल परीक्षा के पेपर लीक होने की खबरों के बाद 12 मई 2026 को सरकार ने नीट की परीक्षा को रद्द कर दिया था। तब से ही छात्रों में आक्रोश व्याप्त है और वह देश के विभिन्न हिस्सों में शांति पूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन करके अपना जबरदस्त विरोध प्रकट कर रहे थे। लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है। हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस मामले की जांच सौंपी दी थी। वही सरकार के द्वारा नए सिरे से नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जा चुकी है, 16 जुलाई 2026 की रात को पुनर्परीक्षा के नतीजे भी एनटीए के द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। लेकिन आजकल जबरदस्त प्रतियोगिता के इस दौर में सरकारी नौकरी व महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर बार-बार रद्द होने के कारण देशभर के छात्रों में भारी मानसिक तनाव के चलते विरोध की स्थिति जबरदस्त ढंग से देखने को मिल रही है। छात्रों के द्वारा लगातार देश व प्रदेशों के नीति-निर्माताओं से परीक्षाओं की निष्पक्षता और छात्रों के बीच विश्वसनीयता को बरकरार रखने के लिए धरातल पर ठोस आवश्यक कदम उठाने की मांग भी लगातार की जा रही है। वहीं केंद्र सरकार निरंतर छात्रों को आश्वस्त कर रही थी कि वह भविष्य में आयोजित परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है, फिर भी आंदोलन जारी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छात्र आंदोलन में जब सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की एंट्री होती है, वह भूख हड़ताल पर बैठ जाते हैं और जब भूख हड़ताल एक-एक दिन करके लंबी चलने लगती है, तो छात्रों का शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा यह आंदोलन देश के कुछ राजनेताओं के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए एक शानदार पर्यटन स्थल बन जाता है, जिसके चलते धरनास्थल पर बहुत तेज़ी से छोटे व बड़े राजनेताओं का तांता लगने लग जाता है। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह की स्थिति कुछ लोगों व राजनेताओं के द्वारा देश राजधानी दिल्ली में बनायी जा रही है, उससे अब यह स्पष्ट होता जा रहा कि लंबे अरसे से आंदोलनरत छात्रों की मूल मांगें राजनीतिकरण के चलते अब पीछे छूट गई हैं। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को आज कुछ लोगों के गैंग ने छात्र हित के जगह पर्दे के पीछे छिपी सत्ता हथियाने की सीढ़ी से केंद्र व प्रदेशों में सत्ता परिवर्तन करने का हथियार बना लिया है। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को कुछ लोगों व राजनेताओं ने पूर्व की भांति ही सत्ता परिवर्तन करने की महत्वाकांक्षा का हथियार बनाते हुए आंदोलन को राजनेताओं की स्वार्थ पूर्ति अखाड़ा बनाकर रख दिया है। हर बार की ही तरह इस बार भी छात्रों के बेहद शांतिपूर्ण ढंग से चल रहे आंदोलन को कुछ चतुर, चालाक व बेहद ही स्वार्थी राजनेता ने घुसकर के छात्रों व देश युवाओं के केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश को अपने क्षणिक हितों को साधने की ताकतवर ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपने व्यक्तिगत एजेंडे व हितों की पूर्ति करने व पार्टी के हितों को साधने वाली राजनीतिक जमीन को मजबूत करने वाला आंदोलन बनाकर रख दिया है। छात्रों के नाम पर शुरू हुए आंदोलन में अब छात्रों के हित की बातें बहुत पीछे छूटते जा रही हैं, राजनेताओं के छिपे हुए एजेंडे छात्र व नौजवानों के हितों पर हावी होते जा रहे हैं, कुछ लोगों के द्वारा आंदोलन को हिंसक बनाते हुए राजनीतिकरण किया जा रहा है।

नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। छात्रों के शांति प्रिय आंदोलन में कुछ राजनेताओं की कृपा से अब तो आलम यह हो गया है कि कुछ राजनेता को छात्रों के विरोध का यह अवसर पर देश व प्रदेशों की सत्ता को परिवर्तित कर सत्ता पर काबिज होने का एक बड़ा अवसर तक लग रहा है। छात्रों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर देश के पक्ष-विपक्ष के राजनेताओं के द्वारा जमकर के राजनीति की जा रही है, सड़क से लेकर संसद तक हर तरफ़ संग्राम छिड़ा हुआ है, सड़क पर कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्त टकराव की स्थिति उपस्थिति उत्पन्न करते हुए, लोगों के जान-माल व देश की बहुमूल्य संपत्तियों व सुरक्षा कर्मियों तक को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं 20 जुलाई 2026 से ही जब से संसद में मानसून सत्र शुरु हुआ है तब से ही छात्रों व अन्य मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा व समस्या के स्थाई निदान पर चर्चा करने की जगह जमकर के हंगामा बरपाया जा रहा है। हालांकि देश की सुरक्षा एजेंसियां छात्र आंदोलन की आड़ में देशविरोधी गतिविधियों होने की लगातार संभावना व्यक्त कर रही हैं, लेकिन फिर भी किसी भी पक्ष को राष्ट्र व छात्रों के हितों की कोई चिंता वास्तव में नज़र नहीं आती है, केवल और केवल किसी भी तरह से सत्ता हथियाने व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा करवाने की चिंता ज्यादा है। हालांकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को दुविधा में डालने से पहले और हंगामा खड़ा होने से पहले ही स्वयं ही नैतिकता के आधार पर बिना किसी भी जोर दवाब के केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा स्वेच्छा से पहले ही दे देना चाहिए था और सरकार का विवेक था कि वह धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को स्वीकार करती या अस्वीकार करती। लेकिन छात्रों, अभिभावकों व हमें भी निष्पक्ष रूप से यह विचार अवश्य करना चाहिए कि क्या केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पूर्ण हो जाने से भविष्य में देश में पेपर लीक की यह घटनाएं रुक जायेंगी, क्या इस्तीफे से छात्रों व युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो जायेगा। वैसे भी आज की परिस्थितियों में आंदोलनरत छात्रों को भी यह आत्ममंथन अवश्य करना चाहिए कि आज उनका शांतिपूर्ण आंदोलन कहां आकर के खड़ा हो गया है, क्या आंदोलन पर कब्जा जमाकर के बैठे नेताओं के द्वारा छात्र हित की बातें आज किसी समाधान करने वाले वास्तविक पटल पर उठायी जा रही हैं या इन नेताओं के द्वारा चतुराई से छात्रों की आड़ में अपने-अपने छिपे हुए एजेंडे को पूरा करा जा रहा है। सभी आंदोलनरत छात्रों को ध्यान रखना चाहिए कि हमारे प्यारे देश में ओछी राजनीति कब क्या करा दें, उसका कोई भरोसा नहीं है, इसलिए वह पूरी तरह से सज़ग रहें और शांतिपूर्ण आंदोलन को छात्र व नौजवानों के हितों तक ही सीमित करते हुए किसी भी कीमत पर हिंसक ना होने दें, तब ही देर सबेर छात्रों के हितों की बात को लेकर के कुछ ठोस निर्णय अवश्य होगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ग्लेशियरों के पिघलने से बन सकती हैं 56,000 नई झीलें, इन देशों में तबाही का खतरा, वैज्ञानिकों ने चेताया

(रिजवान)

दुनिया में 200,000 से 275,000 ग्लेशियर हैं, जिनमें कुल पानी का 69 फीसदी जमा है। ये ऑस्ट्रेलिया के अलावा हर महाद्वीप पर हैं। ये आर्कटिक, अलास्का, अंटार्कटिका के साथ-साथ हिमालय और एंडीज जैसी पर्वत श्रृंखलाओं में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। ये ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण पिघलकर एशिया समेत दुनिया के बड़े हिस्से के लिए खतरे का सबब बन सकते हैं। वैज्ञानिकों ने इसको लेकर चेतावनी दी है। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित एक अध्ययन में स्वीडन, अमेरिका, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे के शोधकर्ताओं ने ग्रह पर मौजूद सभी ग्लेशियरों के नीचे की जमीन का नक्शा बनाया और चौंकाने वाले नतीजे पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जब इस बर्फ का कुछ हिस्सा गायब हो जाएगा तो पृथ्वी पर 56,659 नई झीलें बनेंगी, जो अभी पूरी तरह से जमी हुई हैं।

इस टीम ने किया विश्लेषण – स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी, अमेरिका की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के शोधकर्ताओं की टीम ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बड़ी बर्फ की चादरों के बाहर मौजूद ग्लेशियरों का विश्लेषण किया है। उन्होंने जीपीयू और डीप लर्निंग से चलने वाले इंस्ट्रक्टेड ग्लेशियर मॉडल नाम के थ्री-डायमेंशनल आइस फ्लो मॉडल का इस्तेमाल करके ग्लेशियरों के नीचे की जमीन की बनावट का पता लगाया। इस विश्लेषण का मकसद यह समझना था कि अगर ग्लेशियर पूरी तरह से गायब हो जाएंगे तो पृथ्वी की सतह कैसी दिखेगी। यह प्रक्रिया जटिल थी क्योंकि ग्लेशियरों का आधार सीधे दिखाई नहीं देता है और इसके नीचे गहरी घाटियां, गड्ढे, प्राकृतिक बेसिन और ऐसे क्षेत्र छिपे हो सकते हैं, जहां पिघला हुआ पानी जमा हो सकता है।

क्या कहता है अध्ययन – इस स्टडी का मुख्य नतीजा यह था कि भविष्य में 56,659 ऐसी झीलें बन सकती हैं, जिनका कम से कम एरिया 0.05 वर्ग किलोमीटर होगा। ये भविष्य की झीलें 40,647 वर्ग किलोमीटर जगह घेर सकती हैं और इनमें 3,138 घन किलोमीटर तक पानी जमा हो सकता है। यह मात्रा समुद्र के जलस्तर में 7 मिलीमीटर की बढ़ोतरी के बराबर है, जो सीधे महासागरों में बहने के बजाय इन प्राकृतिक जलाशयों में कुछ समय के लिए जमा रहेगा। इसका मतलब है कि बर्फ से मुक्त होने वाली नई जमीन का 6 प्रतिशत हिस्सा झीलों से ढका हो सकता है। स्टडी में इस संख्या की तुलना उन इलाकों में झीलों के कवरेज के ग्लोबल औसत से की गई है, जहां ग्लेशियर नहीं हैं। यह औसत लगभग 2 प्रतिशत है। एशिया के पहाड़ी इलाके चिंता का सबब हैं। स्टडी में ऊंचे पहाड़ी एशियाई इलाके को संवेदनशील माना गया है। इसमें हिमालय, काराकोरम, हिंदू कुश, पामीर और तिएन शान पर्वत श्रृंखलाएं हैं।

एशिया में खतरा क्यों ज्यादा – रिसर्चर्स ने एशियाई इलाके में ग्लेशियर के किनारों के पास बड़े गड्ढे देखे। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लेशियर के सबसे निचले हिस्से के पास बनने वाली झीलें ज्यादा पानी जमा कर सकती हैं। ये आबादी वाली घाटियों, सड़कों, पनबिजली संयंत्रों, खेती वाले इलाकों और गांवों के करीब हो सकती हैं। हाई माउंटेन एशिया में ग्लेशियर के किनारों के बड़े गड्ढे इसका संकेत हैं कि ग्लेशियर की झील फटने से अचानक बाढ़ आने का खतरा है। इस घटना को अंग्रेजी में तरह्न्नस्न कहा जाता है। ये तब होती हैं, जब ग्लेशियर की झील खाली हो जाती है और घाटी में बड़ी मात्रा में पानी, बर्फ और तलछट बहने लगती है।

स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी, अमेरिका की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, स्विट्ज़रलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के शोधकर्ताओं की टीम ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बड़ी बर्फ की चादरों के बाहर मौजूद ग्लेशियरों का विश्लेषण किया है।

1.5 करोड़ लोगों पर खतरा – रिसर्च में बताया गया है कि दुनिया में खतरे की चपेट में आने वाली आधी से ज्यादा आबादी सिर्फ चार देशों में है। ये देश- भारत, पाकिस्तान, पेरू और चीन हैं। करीब 1.5 करोड़ लोग ग्लेशियर झीलों से अचानक आने वाली बाढ़ के संभावित असर के दायरे में हैं।

विकास का सलीका, प्रकृति से छेड़छाड़ का बढ़ता हिसाब

अभी तक समझ में यह नहीं आया कि मानवीय शरीर प्रकृति के उन्हीं पांच तत्त्वों से बना है, जिनसे प्रकृति बनी है। कुदरत की अमानत मिट्टी, पानी, वायु, अग्नि और आकाश का जितना खयाल रखेंगे, उतना ही हमारा शरीर बेहतर रहेगा। मानव जीवन प्रकृति पर निर्भर है, लेकिन स्वार्थ के घेरों में कैद इंसान इसे निरंतर नुकसान पहुंचा रहा है। प्रकृति के जीवन को लेकर जिस हद तक उपेक्षा देखी जाती है, वह कई बार परेशान करती है। हिमखंड पिघल रहे हैं, बर्फ नहीं पड़ रही है। यहां तक कि बारिश नहीं होती, लेकिन जब मौसम नाराज होता है, आपदाएं आती हैं, तो स्पष्ट दिखता है कि इंसान की गुस्ताखियों का परिणाम निकल रहा है। मौसम में इस रफ्तार से बदलाव या उतार-चढ़ाव की जड़ें कहां हैं, यह खोजने या उस पर सोचना या तो जरूरी नहीं समझा जाता या फिर इतनी ही जानकारी होती है। वैसे मानवीय प्रवृत्ति ऐसे बदलावों से ज्यादा परेशान नहीं दिखती। कुछ दिन बाद फिर से असंतुलित विकास का स्वागत हो रहा होता है।

(प्रभात कुमार)

विशेषज्ञों की यह चेतावनी भी भुला दी गई है कि इमारतों के मोहल्लों को बुरे वक्त ने जिस लम्हा मनमाने तरीके से गलत कोण पर हिला दिया, उसका नतीजा कहर ही होगा। हम जानते हैं, पर मानते नहीं कि वृक्षों की लगातार कुर्बानी, योजनाओं में फंसे अनियंत्रित यातायात, शहर और अड़ोस-पड़ोस में कंक्रीट के जंगल खड़े करने तथा सड़क निर्माण के लिए जमीन की खुदाई के कारण जलवायु का दुख बढ़ता जा रहा है।

इस बात को भी कभी नहीं स्वीकार करेंगे कि पुरानी इमारतें, रास्ते, तालाब, वृक्ष- सब तब तक स्वस्थ, चुस्त और दरुस्त रहे, जब तक उन्हें बनाने और अनुशासन से संवारने वालों का दखल रहा। इस सक्रिय दखल का श्रेय आमतौर पर अंग्रेजों को जाता है। अपनी चुनी हुई जगहों, वहां बनाई इमारतों, सामान और दूसरी चीजों को संभालने का सलीका पहले के लोगों के पास खूब था। उस समय में बनी इमारतें, रास्ते, पुल और रेलवे की पटरियां इस बात की सच्ची गवाही आज भी देते हैं।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले कुछ दशकों के दौरान विकास को शासन और प्रशासन संभाल नहीं सके। विकास के नाम पर जिस स्तर का भ्रम चतुर्दिक छाया रहा, उसने विचारों की स्पष्टता को बाधित किया। शासन और प्रशासन का आपसी मान, सम्मान और तापमान गलतफहमियों में लिपटा, बिगड़ा और असंतुलित रहा। बीमार, लड़खड़ाते, गिरते पहाड़ों का संताप जांचने और उचित इलाज करने का शुभ मुहूर्त कभी नहीं निकल पाया।

विकास से लदी योजनाओं की भरमार से पहाड़ को संवारने और बचाने के लिए ईमानदार प्रयास कभी नहीं हुए। कभी सच की तलहटी में बैठकर यह नहीं सोचा गया कि इन पहाड़ों, नदियों और जंगल को हमारी जरूरत है या हमको इन सबकी। होशियार राजनीति वैसे भी इस तरह के कामों में ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखती। पहाड़ पर विकास की बेलगाम दिशा, पानी, मिट्टी, जंगल और हवा को नुकसान पहुंचा रही है। जिन पहाड़ों ने हमें सब कुछ दिया, हमारा जीवन पाला-पोसा, हमने उन्हें ही असुरक्षित कर बिसरा दिया है। क्या कभी किसी को विचार करने की जरूरत पड़ी है कि इसका खमियाजा किसे भुगतना पड़ेगा?

अभी तक समझ में यह नहीं आया कि मानवीय शरीर प्रकृति के उन्हीं पांच तत्वों से बना है, जिनसे प्रकृति बनी है। कुदरत की अमानत मिट्टी, पानी, वायु, अग्नि और आकाश का जितना खयाल रखेंगे, उतना ही हमारा शरीर बेहतर रहेगा। मानव जीवन प्रकृति पर निर्भर है, लेकिन स्वार्थ के घेरों में कैद इंसान इसे निरंतर नुकसान पहुंचा रहा है। प्रकृति के जीवन को लेकर जिस हद तक उपेक्षा देखी जाती है, वह कई बार परेशान करती है। हिमखंड पिघल रहे हैं, बर्फ नहीं पड़ रही है।

यहां तक कि बारिश नहीं होती, लेकिन जब मौसम नाराज होता है, आपदाएं आती हैं, तो स्पष्ट दिखता है कि इंसान की गुस्ताखियों का परिणाम निकल रहा है। मौसम में इस रफ्तार से बदलाव या उतार-चढ़ाव की जड़ें कहां हैं, यह खोजने या उस पर सोचना या तो जरूरी नहीं समझा जाता या फिर इतनी ही जानकारी होती है। वैसे मानवीय प्रवृत्ति ऐसे बदलावों से ज्यादा परेशान नहीं दिखती। कुछ दिन बाद फिर से असंतुलित विकास का स्वागत हो रहा होता है।

दुर्घटना के बाद आपातकालीन बैठक, अनुशासन समिति, किसी को भी किसी भी कीमत पर न बख्शने की सख्त घोषणा, समृद्ध लोकतांत्रिक परंपरा बन कर रह गई है। बुरा वक्त धीरे-धीरे करीब आ रहा है, जब हम अपने किए फैसलों के लिए खुद पर बिफरेंगे। एक-दूसरे को कोसेंगे, झगड़ेंगे और आपस में लड़ेंगे, लेकिन तब तक कुदरत की दौलत बर्बाद कर चुके होंगे। पर्यावरण और अधिक असंतुलित हो जाएगा। असीमित नुकसान हो चुका होगा। धन कुबेर तो कहीं भी जा सकते हैं, लेकिन सामान्य, सीधे, सरल, शांत और संतुष्ट बाशिंदों पर क्या गुजरेगी। पर्यटकों को चौड़ी सड़कों के माध्यम से पर्यटक स्थलों पर जल्दी पहुंचाया जा रहा है।

अन्य राजनीतिक योजनाएं भी विचाराधीन हैं, जिन पर सवार होकर ज्यादा पर्यटक और जल्दी पहुंचेंगे। इन योजनाएं से आवाजाही और भगदड़ खूब बढ़ेगी। किसी को फुर्सत नहीं कि कभी पहाड़ों से भी पूछ लें कि क्या वे और जख्मी होने के लिए तैयार हैं। पहाड़ों की सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का जितना भी सहयोग हो, फिर भी कुछ दिनों बाद कोई क्षेत्रीय योजना घोषित होते ही कहा जाने लगता है, फलां क्षेत्र के पर्यटन को लगेंगे पंख। किसी ने पर्यटन को वास्तविक आधार देने के बारे में विचार नहीं किया। सबसे पहले तो संभालने, संवारने और बचाए रखने की ज्यादा जरूरत है।

विशेषज्ञों की यह चेतावनी भी भुला दी गई है कि इमारतों के मोहल्लों को बुरे वक्त ने जिस लम्हा मनमाने तरीके से गलत कोण पर हिला दिया, उसका नतीजा कहर ही होगा। मगर हम उन्मुक्त होकर, खुद को स्वार्थ के चक्र में फंसाकर विकास की मेहमान नवाजी किए जा रहे हैं। खबर आती है कि आने वाले वर्षों में करोड़ों औषधीय पौधे रोपे जाएंगे। कब वे पौधे रोपित होंगे और कब पर्यावरण को फायदा होगा, कह नहीं सकते।

कल्पना कर सकते हैं कि शहर का जन-जीवन वीरान हो जाए। इंसान वहां से चले जाएं, तो जंगलों को कितना आराम मिल सकता है। नदियां स्वच्छ पानी से लबरेज हो सकती हैं। जंगली जानवर, जिन्हें दिन के उजाले में बस्तियों में आकर अपना अधिकार मांगना पड़ता है, उन्हें सत्याग्रह नहीं करना पड़ेगा। वास्तव में ऐसा तो तब ही होगा, जब कुदरत को नुकसान पहुंचाने वाला बुद्धिमान इंसान वहां नहीं होगा।

सवाल यह है कि क्या हम समय रहते पहाड़ से अपने संबंधों को नियंत्रित कर संवेदनशील होना चाहते हैं या सिर्फ अपनी गलतियां ही दोहराते रहेंगे। विदेश में इन मुद्दों पर किस तरह विरोध प्रदर्शन किए जाते हैं, यह जिक्र करना हमारे यहां कोई अर्थ नहीं रखता। फिलहाल तो हमें खुद को बचाने के लिए संभावित विकास के हमलों से बचकर रहने की बहुत जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

फरार अभियुक्त गिरफ्तार

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जमीन का एग्रीमेंट कर पैसा लेने के बाद रजिस्ट्री नहीं करने के मामले में फरार चल रहे नामजद अभियुक्त राजबल्लभ पासवान को लहसुना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पीड़ित उदय सिंह, पिता स्व. डोमन सिंह, निवासी लहसुना, ने थाने में आवेदन देकर बताया था कि उन्होंने दिनांक 06/12/2021 को शैलेश पासवान से अपने हिस्से की करीब 4 विघा जमीन 9,00,000 रुपये प्रति विघा की दर से एग्रीमेंट किया था। एग्रीमेंट के दिन 4,78,000 रुपये नकद दिए गए थे। अब तक कुल 18,34,000 रुपये का भुगतान किया जा चुका है।उदय सिंह ने बताया कि शेष रकम लेकर 23/08/2022 को रजिस्ट्री कार्यालय मसौढ़ी में चालान भी जमा किया गया था, लेकिन शैलेश पासवान रजिस्ट्री कराने नहीं पहुंचे।

मोकामा में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मरांची थाना क्षेत्र के कसहा दियारा में रविवार को पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चलाया।इस दौरान मरांची पुलिस ने गंगा किनारे चल रही कई अवैध शराब

की भट्टियों को ध्वस्त कर दिया। मौके से लगभग 2000 लीटर छोवा बरामद किया गया जिसे पुलिस ने वहीं पर विनष्ट कर दिया।छापेमारी की भनक लगते ही शराब तस्कर मौके से फरार हो गए।मरॉंची थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि रविवार सुबह से दोपहर तक कसहा दियारा के गंगा किनारे यह अभियान चलाया गया। बड़े-बड़े ड्रम में रखे गए छोवा को बरामद कर नष्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

ई-रिक्शा से 130 लीटर शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आपरेशन देशी शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुनपुन थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान 130 लीटर देसी शराब के साथ एक ई-रिक्शा को जब्त किया है। इस मामले में ई-रिक्शा चालक को भी गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष बेबी कुमारी ने

बताया कि ग्राम पैमार घाट के पास संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक ई-रिक्शा को रोककर तलाशी ली गई तो उसमें 130 लीटर अवैध देशी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार चालक की पहचान छोटू उर्फ मोहम्मद अयूब अली, 35 वर्ष, पिता मोहम्मद नसरुल हक, निवासी ग्राम दामारिया, थाना गर्दनीबाग, जिला पटना के रूप में हुई है। पुलिस ने ई-रिक्शा और शराब को जब्त कर लिया है। इस संबंध में बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।पुलिस ने कहा कि शराब की तस्करी में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

'टीबी मुक्त भारत' का संदेश लेकर स्कूल पहुंची आरबीएसके टीम

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। टीबी जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम और समय पर इलाज को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मसौढ़ी द्वारा स्कूल स्तर पर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आरबीएसके की टीम ने मसौढ़ी के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सहित कई सरकारी स्कूलों में पहुंचकर छात्राओं को जागरूक किया।कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. आनंद ने

किया। चिकित्सा टीम ने छात्राओं को बताया कि टीबी एक संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है। लगातार खांसी, दो सप्ताह से अधिक बुखार, वजन घटना, भूख न लगना और रात में पसीना आना इसके प्रमुख लक्षण हैं।डॉक्टरों ने कहा कि टीबी का इलाज पूरी तरह संभव है, बशर्ते समय पर जांच हो और दवा का पूरा कोर्स लिया जाए। बचाव के लिए भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मुंह ढककर खांसना-छींकना, पौष्टिक भोजन और साफ-सफाई जरूरी है।टीम ने छात्राओं से अपील की कि यदि आसपास किसी में ये लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं। पोस्टर और पर्चों के माध्यम से टीबी को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने पर भी जोर दिया गया।स्कूल प्रबंधन ने इस पहल की सराहना की। छात्राओं ने भी लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य स्कूल स्तर से ही बच्चों को जागरूक कर 'टीबी मुक्त भारत' के लक्ष्य को हासिल करना है।

दो तस्कर 60 केन बियर के साथ गिरफ्तार

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रविवार तड़के मोकामा में शराब तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। गाड़ी संख्या 22587 अमृत भारत एक्सप्रेस को अपराधियों ने मोकामा होम सिग्नल के पास सुबह 2:40 से 2:47 बजे के बीच एसीपी (जंजीर खींचकर) खड़ा कर दिया।घटना की सूचना पर गेट नंबर 50 बी पर तैनात स्टाफ को एसीपी करने वालों को पकड़ने का निर्देश दिया गया। निर्देश के बाद सहायक उप निरीक्षक विवेक कुमार सिंह अपने स्टाफ और जीआरपी थाना

प्रभारी नीतीश कुमार अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रेन को अटेंड किया।जांच के दौरान पुलिस ने देखा कि दो युवक, जिनमें से एक के हाथ में झोला और दूसरे के कंधे पर पिट्ठू बैग टंगा था, ट्रेन से उतरकर उत्तर दिशा की ओर भाग रहे हैं। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए करीब 200 मीटर तक दौड़ाकर घेराबंदी कर दोनों को लाइन के उत्तर तरफ पकड़ लिया।पूछताछ में दोनों कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। तलाशी लेने पर झोला से 36 अदद और पिट्ठू बैग से 24 अदद, कुल 60 केन बियर बरामद हुई।बरामद कुल शराब की मात्रा 30 लीटर और कुल अनुमानित मूल्य 6600 रुपया है। रेल थानां प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह शराब जसीडीह स्टेशन से ला रहे थे और मोकामा में एसीपी कर उतर जाते हैं।

पालीगंज में मानव तस्करी व महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान

अभया ब्रिगेड ने बाजार, चौक-चौराहों और बस स्टैंड पर लोगों को किया जागरूक

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कमजोर वर्ग, अपराध अनुसंधान विभाग (बिहार पुलिस) द्वारा चलाए जा रहे 'नया सवेरा' अभियान के तहत मानव तस्करी, महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर पालीगंज में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व अभया ब्रिगेड की पदाधिकारी एसआई प्रेमलता ने किया। इस दौरान पालीगंज बाजार में पाली पटना बस स्टैंड, रजीपुर बिहटा बस स्टैंड, अरवल बस स्टैंड, पालीगंज स्अस्पताल में तथा देवी स्थान, दुर्गा स्थान सहित नगर बाजार में लोगों को मानव तस्करी, साइबर अपराध, छेड़छाड़ और महिला उत्पीड़न जैसे अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। महिलाओं, बालिकाओं और बच्चों को सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। एसआई प्रेमलता ने बताया कि बिहार पुलिस की 'पुलिस दीदी टीम-अभया ब्रिगेड' के माध्यम से स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में महिलाओं और छात्राओं को उनके कानूनी अधिकार, सुरक्षा के उपाय तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि नौकरी, अधिक वेतन या अन्य किसी लालच में आकर अनजान लोगों पर भरोसा न करें। किसी भी आपात स्थिति में महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस आपातकालीन सेवा 112 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। पुलिस का कहना है कि जागरूकता, सतर्कता और समय पर सूचना देने से मानव तस्करी एवं महिला अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। इस अवसर पर एसआई दीपक कुमार,महिला एवं पुरुष पुलिस के जवान शामिल थे।

विजय दिवस पर मातृभूमि के अमर रणबांकुरों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ के अवसर पर बिहार रेजीमेंट केंद्र स्थित वीर स्मृति स्थल पर एक गरिमामय श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर बिहार रेजीमेंट केंद्र के समादेष्टा ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोरा ने कर्नल ऑफ द बिहार रेजीमेंट की ओर से वीर स्मृति स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी तथा राष्ट्र की रक्षा में उनके अद्वितीय साहस, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा को नमन किया। श्रद्धांजलि समारोह में समादेष्टा के साथ लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक कुमार, लेफ्टीनेंट कर्नल अमित गुंजन, सूबेदार मेजर नारायण प्रधान, सूबेदार संजय सिंह, नायब सूबेदार सुजीत कुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) एवं सैनिक उपस्थित रहे। सभी उपस्थित सैन्य अधिकारियों एवं जवानों ने वीर स्मृति स्थल पर दो मिनट का मौन रखकर अमर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञ श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह के दौरान सेना के बैंड द्वारा 'वंदे मातरम', रेजीमेंटल धुनों तथा अन्य देशभक्ति गीतों की मधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति और वीरता की भावना से ओत-प्रोत कर दिया। इस मौके पर बताया गया कि यह दिवस उन अमर वीरों के अदम्य साहस, शौर्य, त्याग और सर्वोच्च बलिदान को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की विजयगाथा को स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया। कारगिल की दुर्गम एवं बर्फीली चोटियों पर लड़ी गई इस ऐतिहासिक विजय ने भारतीय सैनिकों की वीरता, अदम्य इच्छाशक्ति और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

कस्तूरबा मध्य विद्यालय में डायरिया उन्मूलन अभियान का आयोजन

खगौल/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर परिषद के तत्वावधान में स्वच्छता साथी के तरफ से राजकीय कस्तूरबा गांधी मध्य विद्यालय खगौल में स्टॉप डायरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समुदाय के बीच डायरिया से बचाव, स्वच्छता अपनाने तथा सुरक्षित पेयजल के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को डायरिया के कारण, लक्षण एवं बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें साबुन से नियमित रूप से हाथ धोने, स्वच्छ एवं ताजा भोजन ग्रहण करने, शुद्ध पेयजल का उपयोग करने तथा घर एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही डायरिया होने की स्थिति में ओआरएस घोल एवं जिंक के महत्व के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक गण, खगौल नगर परिषद के प्रतिनिधि, ऋटउ टीम के सदस्य तथा सभी स्वच्छता साथी उपस्थित रहे। सभी स्वच्छता साथियों ने विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश दिए तथा डायरिया मुक्त समाज के निर्माण हेतु जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को स्वच्छता बनाए रखने तथा डायरिया से बचाव संबंधी उपायों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डायरिया उन्मूलन अभियान कार्यक्रम रिपोर्ट

खगौल/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खगौल नगर परिषद के तत्वावधान में दिनांक 25 जुलाई 2026 को राजकीय कस्तूरबा गांधी मध्य विद्यालय खगौल में स्टॉप डायरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समुदाय के बीच डायरिया से बचाव, स्वच्छता अपनाने तथा सुरक्षित पेयजल के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को डायरिया के कारण, लक्षण एवं बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें साबुन से नियमित रूप से हाथ धोने, स्वच्छ एवं ताजा भोजन ग्रहण करने, शुद्ध पेयजल का उपयोग करने तथा घर एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही डायरिया होने की स्थिति में ओआरएस घोल एवं जिंक के महत्व के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक गण, खगौल नगर परिषद के प्रतिनिधि, FSMC टीम के सदस्य तथा सभी स्वच्छता साथी उपस्थित रहे। सभी स्वच्छता साथियों ने विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश दिए तथा डायरिया मुक्त समाज के निर्माण हेतु जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

डा. अनिल सुलभ का सम्मेलन अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुना जाना निश्चित

अंतिम दिन भी किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन नही किया, दोनों दिन डा सुलभ की ओर से पर्चे भरे गए

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी कार्यकाल के लिए,बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर हो रहे निर्वाचन के लिए नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। नामांकन के अंतिम दिन तक केवल डा अनिल सुलभ की ओर से ही, कुल 10 समूच्यों (सेट) में नामांकन-प्रपत्र भरे गए और किसी भी अन्य ने अपना नामांकन नहीं किया। 27 जुलाई की संध्या चार बजे नामांकन-प्रपत्रों की जाँच होगी। यदि डा सुलभ की ओर से भरा गया एक भी नामांकन-प्रपत्र सही पाया जाएगा, तो उनका निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होना निश्चित है। रविवार को भी पूर्वाहन साढ़े 11 बजे से अपराह्न तीन बजे तक, डा सुलभ की ओर से 6 सेट में, निर्वाचन पदाधिकारी पण्डित जी पाण्डेय, सहायक निर्वाचन पदाधिकारियों धनंजय चौबे और राधे रमण (तीनों अधिवक्ता पटना उच्च न्यायायालय) के समक्ष नामांकन किए गए। प्रत्येक सेट के लिए 10 निर्वाचक सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दी। आज प्रस्तावक के रूप में उपस्थित निर्वाचक-सदस्यों में, प्रेमलता मिश्र 'प्रेम', डा पूनम आनन्द, आराधना प्रसाद, डा सुमेधा पाठक, डा पूनम देवा, अभिलाषा कुमारी, डा सीमा रानी, उत्तरा सिंह, डा नीतू, राजकांता राज, डा कुमार अरुणोदय, डा रत्नेश्वर सिंह, ब्रह्मानन्द पाण्डेय, डा विद्या चौधरी, आचार्य विजय गुंजन, डा शालिनी पाण्डेय, जय प्रकाश पुजारी, अंकेश कुमार, शिवानन्द गिरि, नेहाल कुमार सिंह, 'निर्मल', प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, ई बाँके बिहारी साव, लता प्रासर, मधुरानी लाल, नूतन सिन्हा, डा ओम् प्रकाश पाण्डेय, सूर्य प्रकाश उपाध्याय, डा प्रशांत कुमार, डा पंकज प्रियम, भास्कर त्रिपाठी, डा प्रतिभा रानी, डा रेणु मिश्रा, डा आशा रघुदेव, डा इंदु पाण्डेय, डा अनिमेश कुमार सिंह , चित्तरंजन भारती, सागरिका राय, डा नम्रता कुमारी, बिंदेश्वर प्रसाद गुप्ता, राजप्रिया रानी, सदानन्द प्रसाद, कमल किशोर कमल, सुनील कुमार 'मलंग', हृदय नारायान झा, ज्योति मिश्रा, सुजाता मिश्रा, डा सुषमा कुमारी, विपुल कुमार, संगीता मिश्र, निशा परासर तथा धर्मेश मेहता सम्मिलित थे।

गोल के सम्मान मंच पर चमके भावी चिकित्सक

पद्मश्री डॉ आर एन सिंह ने किया सम्मानित, 400 से अधिक नव चयनित मेडिको को मिला मेडल, व्हाईट एप्रन और स्टेथोस्कोप

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पटना के बापू सभागार में गोल इंस्टिट्यूट का भव्य वार्षिक सम्मान समारोह 2026 आयोजित किया गया जिसमें नीट 2026 में सफल 500 से अधिक छात्रों में से उपस्थित 400 से अधिक नवचयनित मेडिको को मेडल, व्हाइट एप्रन और स्टेथोस्कोप प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. आर. एन. सिंह, प्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. उषा कुमारी, प्राचार्या, एन.एम.सी.एच. पटना तथा ब्लेसिंग गेस्ट प्रसिद्ध समाजसेवी मेघराज सिंह उपस्थित रहे। समारोह में 5000 से अधिक विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षक भी मौजूद थे। गोल इंस्टिट्यूट के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर बिपिन कुमार सिंह ने कहा कि हर विद्यार्थी का सपना हमारी जिम्मेदारी है। गोल के लिए विद्यार्थी केवल एक रोल नंबर नहीं है। उसका सपना, संघर्ष और उसके माता-पिता की आशाएं हमारी जिम्मेदारी हैं। यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और गोल की पूरी टीम के समर्पण का परिणाम है। जॉइंट डायरेक्टर डॉ. ममता सिंह ने कहा, यह सम्मान केवल विद्यार्थियों का नहीं, बल्कि उनके माता-पिता के त्याग और शिक्षकों की वर्षों की तपस्या का भी अभिनंदन है। इस अवसर पर सात टॉप रैंकर्स को विशेष सम्मान और नकद पुरस्कार दिए गए। रवि कांत दिवाकर ने 695 अंक और ऑल इंडिया रैंक 55 के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर 51,000 रुपये का पुरस्कार जीता। कमल नयन ने 671 अंक और रैंक 460 के साथ 21,000 रुपये, केशव कुमार और अनुष्का कश्यप ने 660-660 अंक के साथ क्रमशः 15,000-15,000 रुपये, सृष्टि राज ने 652 अंक के साथ 11,000 रुपये, आर्य पलक ने 651 अंक और रैंक 1373 के साथ 11,000 रुपये तथा अनुष्का ने 639 अंक और रैंक 2396 के साथ 5,100 रुपये का पुरस्कार प्राप्त किया। सभी को मेडल, व्हाइट एप्रन और स्टेथोस्कोप से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. आर. एन. सिंह ने कहा कि श्रेष्ठ चिकित्सक वही है जिसके ज्ञान में संवेदना भी हो। नीट की सफलता चिकित्सा-जीवन का प्रथम पड़ाव है। डॉ. उषा कुमारी ने कहा, व्हाइट एप्रन केवल उपाधि नहीं, मरीजों के प्रति ईमानदारी, करुणा और नैतिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। मेघराज सिंह ने कहा, आज सम्मानित विद्यार्थी पूरे समाज की उम्मीद हैं। इनकी सफलता हजारों युवाओं को प्रेरणा देगी। समारोह में असिस्टेंट डायरेक्टर रंजय सिंह, धनबाद सेंटर डायरेक्टर संजय आनंद, आर एंड डी हेड आनंद वत्स, एकेडमिक हेड गौरव सिंह, कंकड़बाग ब्रांच हेड संजीव कुमार सहित गौरव प्रकाश, अभिषेक, बिनीत, शुभम, निकेत वर्धन, नीरज मिश्रा, एस. डी. सिंह, गौरव, अनिल कुमार, राहुल कुमार, संजीत कुमार, गौरव राज, मयंक कुमार और राकेश रंजन जैसे गोल परिवार के अनेक शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। यह समारोह केवल सफल विद्यार्थियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि बिहार में आकार ले रही "वाइट कोट रेवोलुशन" का भव्य उत्सव बन गया।

शराब माफिया से देसी पिस्तौल-कारतूस और 26 लीटर शराब बरामद

छापेमारी में बाइक समेत 2 तस्कर गिरफ्तार

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना के निर्देश पर अवैध शराब और हथियार तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कादिरगंज थानाध्यक्ष के नेतृत्व में शनिवार को छापेमारी की गई। इस दौरान 26 लीटर देशी महुआ शराब, 1 अवैध देसी कट्टा, 1 जिंदा कारतूस और 1 मोटरसाईकिल के साथ 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर शाहोपुर गांव में टीम ने कार्रवाई की। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विकास कुमार, पिता रामप्रवेश प्रसाद और अरुण प्रसाद, पिता कमलेश प्रसाद, दोनों निवासी बालापर, के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों शराब का निर्माण कर उसकी बिक्री और तस्करी में संलिप्त थे। तलाशी के दौरान उनके पास से शराब के साथ-साथ हथियार भी बरामद हुआ। इस संबंध में कादिरगंज थाना कांड संख्या-163/26,के तहत आर्म्स एक्ट एवं 30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2022 दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।छापामारी टीम में पु.अ.नि सह थानाध्यक्ष रौशन कुमार, पु.अ.नि मोतीलाल ठाकुर, स.अ.नि जय प्रकाश नारायण, सिपाही अजीत कुमार, राहुल कुमार और मनोज कुमार शामिल थे।पुलिस ने कहा कि अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन में संलिप्त माफियाओं के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

एस.यू. कॉलेज में सभी विषयों में पीजी की पढ़ाई शुरू कराने की मांग को लेकर छात्र संगठनों का धरना जारी

दनियावां(पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दनियावां-हिलसा मार्ग पर अवस्तिथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), छात्र जदयू व राजद की स्थानीय छात्र संघ इकाई द्वारा एस.यू. कॉलेज, हिलसा में सभी विषयों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई प्रारंभ कराने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन लगातार जारी है। परिषद व छात्र जदयू के कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्षों से हिलसा एवं आसपास के विद्यार्थियों की यह प्रमुख मांग रही है, लेकिन अब तक विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की गई है, जिससे छात्र-छात्राओं में गहरा असंतोष है। एबीवीपी हिलसा जिला संयोजक नितीश कुमार,छात्र जदयू के रिशु पटेल, पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी के पूर्वी प्रभाग नालंदा के अध्यक्ष आशीष कुमार पटेल, छात्र राजद के धर्मेंद्र यादव, विभूति कुमार यादव ने कहा कि एस.यू. कॉलेज में सभी विषयों में पीजी की पढ़ाई शुरू होना हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि कॉलेज में पर्याप्त आधारभूत संसाधन एवं योग्य शिक्षकों की उपलब्धता होने के बावजूद पीजी की पढ़ाई शुरू नहीं होना क्षेत्र के विद्यार्थियों के साथ अन्याय है। वहीं एबीवीपी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्या आदित्य कुमार ने कहा कि

उच्च शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी का मौलिक अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना सरकार एवं विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की इस न्यायोचित मांग पर अविलंब सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों का रुख न करना पड़े। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद हमेशा छात्रों के शैक्षणिक अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही है और आवश्यकता पड़ने पर इस आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरना प्रदर्शन के दौरान छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन से शीघ्र निर्णय लेकर एस.यू. कॉलेज, हिलसा में सभी विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की मांग की।

दनियावां में अभी तक 1100 हेक्टेयर में हुआ धान रोपण

बिजली-उर्वरक की चुनौती, नदियां सूखीं, किसान इंद्रदेव से कर रहे प्रार्थना

दनियावां(पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आषाढ़ माह के पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र और जुलाई में 96.6 मिमी हुई वर्षा से दनियावां प्रखंड में धान रोपनी ने गति पकड़ ली है। अब तक 1100 हेक्टेयर में रोपनी हो चुकी है, जबकि लक्ष्य 2250 हेक्टेयर का है।

- **6 पंचायतों के 33 गांवों में रोपनी जारी:** प्रखंड की सिंगरियावां, खरभैया, दनियावां, शाहजहांपुर, बांकीपुर-मछरियावां और सलारपुर पंचायतों के कुल 33 राजस्व ग्रामों में धान की रोपनी तेजी से चल रही है।
- **किसानों की मुख्य चुनौती:** किसानों ने कहा कि निर्बाध बिजली आपूर्ति और समय पर यूरिया-उर्वरक की उपलब्धता ही इस बार धान की खेती की सबसे बड़ी चुनौती है।
- **किसान बोले:** कुंडली के बब्बन सिंह, सरथुआ के नागेंद्र पटेल व सतीश कुमार, तोप के रणधीर कुमार व इंद्रदेव सिंह, परसनबीघा के मुन्ना कुमार, खरभैया के संत कुमार मुन्ना, दनियावां के नवनीत कुमार के साथ-साथ पीरबढौना के बीरेंद्र कुमार सिंह, जीवनचक के अरुण, मनोज कुमार और रौशन मिस्त्री ने बताया कि बारिश से नमी मिली है, लेकिन खाद और बिजली समय पर नहीं मिली तो फसल प्रभावित होगी।

- **नदियां सूखी, भूजल पर असर:** आषाढ़ मास बीतने को है, लेकिन बरसाती नदियां लोकाईन, भुतही, धोबा, महतमाईन और कररुआ अब तक सूखी पड़ी हैं। झारखंड के कोडरमा और हजारीबाग में अच्छी बारिश नहीं होने से इनमें जलप्रवाह नहीं आया है। इससे भूजलस्तर में भी गिरावट देखी जा रही है।
- **कृषि विभाग व वैज्ञानिकों की सलाह:** प्रखंड कृषि समन्वयक अमृता कुमारी, कृषि सलाहकार शिवकुमार चौधरी, प्रवीण कुमार, राजेश रंजन और प्रगतिशील किसान सुनील कुमार(चकरज्जा) ने किसानों से समय पर रोपनी पूरी करने को कहा।

नूरसराय, नालंदा कृषि महाविद्यालय के डॉ. उमेश नारायण उमेश ने सलाह दी कि बारिश अच्छी रही तो मध्यम अवधि धान के साथ मक्का-दलहन लगाएं। बारिश कम हुई तो मूंग, तिल, मक्का और परवल, लौकी, करेला, भिंडी जैसी सब्जियां बेहतर विकल्प हैं।

- **इंद्रदेव से प्रार्थना:** किसानों ने कहा कि सावन में अच्छी बारिश के लिए वे मेघों के देवता भगवान इंद्रदेव से प्रार्थना कर रहे हैं। अगर बारिश इसी तरह बनी रही तो 2250 हेक्टेयर का लक्ष्य पूरा होने के करीब ही है।

CMYK

रूस से तेल खरीदते-खरीदते कैसे मजबूत हो गया भारतीय रुपया, जानिए 1.44 लाख करोड़ के खेल की पूरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक उथल-पुथल और डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी के बावजूद भारत ने विदेश से व्यापार में भारतीय रुपये का इस्तेमाल काफी बढ़ा दिया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने इस साल मार्च से मई के बीच करीब 15 अरब डॉलर (करीब 1.44 लाख करोड़ रुपये) के आयात का भुगतान भारतीय रुपये में किया। रुपये में भुगतान में आई इस रिकॉर्ड तेजी की सबसे बड़ी वजह रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदना है।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च से मई के बीच भारत ने अपने कुल आयात का 7.1% हिस्सा रुपये में चुकाया। इससे पहले (दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक) केवल 2.4% आयात का भुगतान ही रुपये में होता था। इन 3 महीनों में 1.44 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ जो पिछले पूरे वित्त वर्ष (2023-24 में 99,680 करोड़ रुपये) से भी कहीं ज्यादा है।

रूस बना सबसे बड़ा कारण: एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रुपये में बढ़े इस लेन-देन की असली वजह रूसी तेल की भारी खरीदारी है। भारत ने मार्च से मई के बीच रूस से 17.13 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा, जो पिछले साल से 30% ज्यादा है। अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने पर कुछ समय के लिए छूट दी थी, जिसका भारत ने फायदा उठाया और खरीदारी बढ़ा दी।

निर्यात में रुपये का रोल अभी भी कम

भले ही भारत ने सामान खरीदने में रुपये का इस्तेमाल खूब बढ़ाया हो, लेकिन दुनिया को सामान बेचने के मामले में अभी भी रुपये में पेमेंट कम ही मिलती है। भारत विदेशों में जितना सामान बेचता है, उसका केवल 1.8% से 3.5% हिस्सा ही रुपये में वापस मिलता है। बाकी का भुगतान अभी भी डॉलर जैसी विदेशी मुद्राओं में ही होता है।

कैसे काम करता है रुपया व्यापार

सामान्य तौर पर भारत को विदेश से सामान खरीदने के लिए अमेरिकी डॉलर देना पड़ता है। लेकिन रुपया व्यापार में भारतीय कंपनियां भारत के ही बैंकों में बने विदेशी बैंकों के वोस्ट्रो अकाउंट में रुपये जमा कर देती हैं। इससे भारत को अपने डॉलर खर्च नहीं करने पड़ते और विदेशी मुद्रा भंडार बचा रहता है। रूस को तेल के बदले जो रुपये मिलते हैं, वह उनसे भारत से ही दूसरा सामान (जैसे दवाएं, अनाज, मशीनें) खरीद सकता है।

फिर कई लोगों को बेहतरी महसूस क्यों नहीं हो रही वजह समझिए

भारत की अर्थव्यवस्था गाड़ रही झंडे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था ने कई पैमानों पर मजबूत ग्रोथ दिखाई है। मसलन, गाड़ियों की बिक्री से लेकर रिटेल पेमेंट और इंडस्ट्रियल एक्टिविटी तक उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। हालांकि, म्यूचुअल फंड की एक नई रिपोर्ट बताती है कि इस रिकवरी का असर अभी तक परिवारों के खर्च (कंजम्पशन) में बड़े पैमाने पर नहीं दिखा है। असल मांग में अभी भी उतार-चढ़ाव जारी है। म्यूचुअल फंड की 'तथ्य' रिपोर्ट का जुलाई 2026 का एडिशन चेतावनी देता है कि साल-दर-साल ग्रोथ के कई शानदार आंकड़े पिछले साल के कम बेस की वजह से बढ़े हुए दिख रहे हैं। वैसे तो कुल मिलाकर खर्च में सुधार हुआ है। लेकिन, रिपोर्ट कहती है कि यह रिकवरी 'एक जैसी नहीं' है। इसे अभी लगातार चलने वाला ट्रेंड नहीं माना जा सकता।

अच्छे दिख रहे हैं ये आंकड़े: खर्च से जुड़े कई पैमाने उत्साहजनक तस्वीर दिखाते हैं। जून में बकाया पर्सनल लोन साल-दर-साल 15.4% बढ़ा। यह बढ़कर

70.2 लाख करोड़ रुपये हो गया। ये कंज्यूमर क्रेडिट की लगातार मांग को दिखाते हैं। रिटेल पेमेंट 12.8% बढ़कर 92.5 लाख करोड़ रुपये हो गए। वहीं, पैसेंजर गाड़ियों (यूटिलिटी गाड़ियों सहित) की बिक्री 23.2% बढ़ी। यह बढ़कर 3,80,000 यूनिट हो गई। इस महीने टू-व्हीलर की बिक्री भी 18.6% बढ़कर 18.5 लाख यूनिट तक पहुंच गई। ये पैमाने बताते हैं कि आर्थिक गतिविधियां अच्छी हैं। लेकिन, जरूरी नहीं कि बड़े पैमाने पर खर्च में तेजी (कंजम्पशन बूम) का संकेत दें।

ग्रोथ को सावधानी से समझने की नसीहत: रिपोर्ट का तर्क है कि डबल डिजिट वाली ग्रोथ रेट को सावधानी से समझना चाहिए। कारण है कि ये ज्यादातर अच्छे बेस इफेक्ट की वजह से हैं। मौजूदा गतिविधियों की तुलना पिछले साल के कम स्तरों से करने पर स्वाभाविक रूप से सालाना ग्रोथ रेट मजबूत दिखती है।

वैसे तो कंज्यूमर एक साल पहले की तुलना में ज्यादा खर्च कर रहे हैं। लेकिन, यह रिकवरी अभी इतनी व्यापक नहीं है कि निष्कर्ष निकाला जा सके कि भारत एक लंबे समय तक चलने वाले कंजम्पशन साइकल में प्रवेश कर चुका है। इसके बजाय, अलग-अलग सेक्टर और कैटेगरी में मांग में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। एक अहम पैमाना हाउसिंग फाइनेंस है।

बिना गारंटी वाले कर्ज की स्थिति ठीकठाक

रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि पिछले साल रिटेल क्रेडिट के मजबूत हिस्सों में से एक हाउसिंग लोन रहा है। इसलिए, हाल की सुस्ती से पता चलता है कि बड़ी खरीदारी के लिए परिवारों की ओर से लिए जाने वाले कर्ज की रफ्तार थोड़ी कम हो सकती है। जबकि बिना गारंटी वाले कर्ज और गाड़ियों के लिए फाइनेंसिंग की स्थिति अभी भी ठीक-ठाक बनी हुई है। वैसे तो परिवारों की मांग में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। लेकिन, व्यापक अर्थव्यवस्था को औद्योगिक और सेवा गतिविधियों से सहारा मिल रहा है। उद्योगों को दिए जाने वाले कर्ज में साल-दर-साल 17.5% की बढ़ोतरी हुई। मैन्युफैक्चरिंग 54.2 के साथ विस्तार के दायरे में रहा। कैपिटल गुड्स का उत्पादन 30.9% बढ़ा।

कच्चे तेल में इस हफ्ते आई 10% उछाल

आपके शहर में आज क्या है पेट्रोल डीजल का हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने नया मोर्चा खोल दिया है। वे लाल सागर में सऊदी जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इस कारण होर्मुज स्ट्रेट के साथ-साथ लाल सागर से भी जहाजों का आवाजाही पर असर पड़ा है। इससे कच्चे तेल की कीमत में इस हफ्ते 10 फीसदी तेजी आई और गुरुवार को यह मई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। हालांकि अच्छी बात यह रही कि हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को इसमें चार फीसदी गिरावट रही।

हालांकि भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी रविवार, 26 जुलाई 2026 को भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया। देश में 25 मई 2026 के बाद इनके दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद सरकारी कंपनियों ने कीमत बढ़ाने से परहेज किया था। लेकिन मई में उन्होंने चार बार कीमत बढ़ाई।

कब-कब बढ़ी कीमत: सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है।

डीजल का रेट: सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक शुक्रवार 24 जुलाई, 2026 को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। वहीं कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी से सरकारी तेल कंपनियों बीपीसीएल और एचपीसीएल को जून तिमाही में भारी घाटा हुआ है। हालांकि आईओसीएल ने अब तक अपना रिजल्ट जारी नहीं किया है।

कच्चे तेल की कीमत: इस हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में करीब 10 फीसदी उछाल आई है। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 3.88% या 3.91 डॉलर की गिरावट के साथ 96.78 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। इसी तरह अमेरिका का डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 3.12% या 2.88 डॉलर की गिरावट के साथ 89.31 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। जानकारों का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में हालात नहीं सुधरे तो कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है।

वेदांता चेयरमैन ने की 45 स्टार्टअप फाउंडर्स से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए भारत के युवा उद्यमियों की जमकर तारीफ की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उनकी मुलाकात 45 युवा उद्यमियों और स्टार्टअप फाउंडर्स से हुई। दिन में सभी ने लॉर्ड्स में क्रिकेट मैच देखा और शाम को उनके घर पर डिनर के दौरान लंबी बातचीत हुई। अनिल अग्रवाल ने कहा कि इन युवाओं से मिलकर उन्हें अपने शुरुआती दिनों की याद आ गई। उनके मुताबिक, इन सभी में कुछ नया करने का जज्बा, सीखने की ललक और बड़े जोखिम उठाने का साहस साफ दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि यही गुण किसी भी व्यक्ति को जीवन में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मौजूद बड़े अवसरों पर भी चर्चा हुई।

चीन की फिर बढ़ी भूख, जून में 173 टन तो 6 महीने में खरीद डाला 820 टन सोना, ये हैं पर्दे के पीछे की वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद दुनिया के सबसे बड़े सोना उपभोक्ता चीन की सोने की भूख थमने का नाम नहीं ले रही है। चालू वर्ष में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में आई गिरावट का फायदा उठाते हुए चीन ने जून महीने में अपने सोने के आयात में भारी बढ़ोतरी की है। चीन के कस्टम्स द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में चीन ने 173 टन से अधिक सोने का आयात किया, जो मार्च 2024 के बाद किसी भी एक महीने का सबसे उच्चतम स्तर है। सोने की वैश्विक कीमतों में आई नरमी को चीनी निवेशकों ने एक बड़े अवसर के रूप में देखा है। खुदरा निवेशकों के साथ-साथ चीन के वाणिज्यिक बैंकों ने विदेशों से खरीदारी बढ़ाई ताकि मजबूत मांग के बीच अपने भंडार को फिर से भरा जा सके। यह रुझान दर्शाता है कि कीमतों में गिरावट से चीन का सोने पर भरोसा कम नहीं हुआ है, बल्कि कम कीमतों ने नए खरीदारों को बाजार में उतरने का मौका दिया है। साल 2026 की पहली छमाही में चीन का कुल सोना आयात लगभग 820 टन तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा पिछले साल (2025) की इसी अवधि की तुलना में लगभग दोगुना है। इतिहास में पहली छमाही के लिहाज से यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा आयात स्तर है। साल 2025 की पहली छमाही में रिकॉर्ड 830 टन सोने का आयात किया गया था। चीन में केवल भौतिक सोना ही नहीं, बल्कि की मांग में भी जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। साल 2026 में अब तक चीनी गोल्ड में 28 टन का

शुद्ध निवेश दर्ज किया गया है। यह दिखाता है कि निवेशक केवल बिस्किट या सिक्कों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वित्तीय उत्पादों के माध्यम से भी सोने में एक्सपोजर बढ़ा रहे हैं। चीन दुनिया का सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश है। ऐसे में उसके खरीदारी के तरीके में आया कोई भी बदलाव अंतरराष्ट्रीय बुलियन मार्केट को सीधे प्रभावित करता है। रिकॉर्ड आयात और मजबूत श्वञ्जस्न इनफ्लो से साफ है कि चीनी बाजार में मांग बेहद मजबूत बनी हुई है। अगर आयात की यही रफ्तार बरकरार रहती है, तो 2026 सालाना आयात का नया ऑल-टाइम हाई रिकॉर्ड बना सकता है, जिससे वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों को मजबूत सपोर्ट मिलेगा।

टाटा की चाय से लेकर दाल तक, सब होने वाले हैं महंगे, जानें कंपनी ने क्यों लिया यह फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। चाय पत्ती और दाल जैसी रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। टाटा चाय और टाटा नमक जैसे प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने कहा है कि अगर कच्चे माल की लागत बढ़ती है, तो वह इसका बोझ ग्राहकों पर डालेगी। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ सुनील डी'सूजा के मुताबिक, कंपनी अपने मुनाफे को बचाए रखने के लिए ऐसा कदम उठा सकती है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार कंपनी चालू वित्त वर्ष में अपने ऑपरेटिंग मार्जिन को 50 से 70 बेसिस पॉइंट्स बढ़ाने के लक्ष्य पर कायम है।

कंपनी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव (पश्चिम एशिया संकट) और खराब मौसम (अल नीनो) की वजह से कच्चे माल की कीमतें लगातार बदल रही हैं। मानसून में देरी की वजह से चाय पत्ती की लागत पहले ही 7% से 10% तक बढ़ चुकी है। कंपनी ने हाल ही में

चाय के दाम थोड़े बढ़ाए हैं और अगले 15-30 दिनों तक बाजार पर नजर रख रही है। अगर अल नीनो के कारण दालों की फसल प्रभावित होती है, तो कंपनी अपने ब्रांडेड दालों (जैसे टाटा संपन्न) के दाम भी बढ़ा सकती है।

टाटा कंज्यूमर ने इस तिमाही में मिला-जुला प्रदर्शन किया है। कंपनी की कुल कमाई (रेवेन्यू) 5,348.88 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल से करीब 12% ज्यादा है। वहीं शुद्ध मुनाफा 444.86 करोड़ रुपये रहा, जिसमें करीब 28% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कच्चे माल की बढ़ती कीमतों की वजह से भारतीय बाजार में कंपनी के मार्जिन पर थोड़ा दबाव जरूर दिखा है। टाटा संपन्नः दालों और मसालों के इस ब्रांड की बिक्री में 58% का बड़ा उछाल आया। कोल्ड ड्रिंक्स और बेवरेजेसः रेडी-टू-ड्रिंक सेगमेंट में बिक्री 41% बढ़ी।

20 से अब 1465 पर ट्रेड कर रहा यह शेयर, थोड़े इंतजार पर मालामाल हो गए निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने निवेशकों को लॉन्ग टर्म में बंपर रिटर्न दिया है। ऐसी ही एक कंपनी ल्यूमैक्स ऑटो टेक्नोलॉजीज है। इस कंपनी के शेयर ने साल 2007 में 20 रुपये के स्तर को टच किया था, जो अब 19 साल बाद 1465 रुपये के स्तर तक पहुंच गया है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 1,898.65 रुपये है। शेयर का यह भाव अप्रैल 2026 में था। बीते पांच साल के परफॉर्मेंस की ही बात करें तो अपने निवेशकों को करीब 1000% का रिटर्न दिया है। जुलाई 2021 में यह शेयर करीब 130 के आसपास था। यानी पांच वर्षों में शेयर ने लगभग 10 गुना उछाल दर्ज किया। उस समय यदि किसी निवेशक ने 1 लाख का निवेश किया होता, तो आज उसकी निवेश राशि करीब 11 लाख हो चुकी होती।

कंपनी के तिमाही नतीजे

ल्यूमैक्स ऑटो टेक्नोलॉजीज के नतीजों की बात करें तो वित्त वर्ष 2025-26 अब तक का सबसे बेहतरीन साल रहा। इस दौरान कंपनी का राजस्व 34% बढ़कर रिकॉर्ड 4870 करोड़ पर पहुंच गया। इसके अलावा, एबिटा पहली बार

700 करोड़ के पार जाकर 705 करोड़ रहा जबकि मार्जिन 14.5% दर्ज किया गया। वहीं, प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 47% की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 337 करोड़ रहा।

पिछले 10 वर्षों में कंपनी की बिक्री 18% की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ी है जबकि पिछले पांच वर्षों में यह दर बढ़कर 34% हो गई। वहीं, पिछले तीन वर्षों में बिक्री वृद्धि 38% रही है। कंपनी के कुल राजस्व में यात्री वाहन की हिस्सेदारी 53%, दो और तीन पहिया वाहन 24%, आफ्टरमार्केट कारोबार 10% और शेष हिस्सा कॉमर्शियल वाहनों से आता है। ल्यूमैक्स ऑटो टेक्नोलॉजीज के पास करीब 1450 करोड़ का ऑर्डर बुक है, जिससे आने वाले वर्षों के लिए मजबूत राजस्व का अनुमान लगाया जा रहा है। इसके ग्राहक देश की बड़ी ऑटो कंपनियां जैसे मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो हैं।

शेयरहोल्डिंग पैटर्न

ल्यूमैक्स ऑटो टेक्नोलॉजीज के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें प्रमोटर्स के पास 55.98 फीसदी हिस्सेदारी है। यह 3,81,54,430 शेयर के बराबर है। इसके अलावा, पब्लिक शेयरहोल्डर के पास 44.02 फीसदी हिस्सेदारी है। यह 3,00,03,275 शेयर के बराबर है। बीमा कंपनी एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के पास 1.06 फीसदी हिस्सेदारी या 7,25,000 शेयर हैं। देश की प्रमुख ऑटो कंपोनेंट निर्माता कंपनियों में शामिल है। कंपनी कार, बाइक और तीन पहिया वाहनों के लिए प्लास्टिक पार्ट्स, लाइटिंग सिस्टम, मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का निर्माण करती है।

क्या यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस या आईएमपीएस से पैसे लेने या भेजने पर आ सकता है इनकम टीए का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल पेमेंट के इस दौर में पीआई, एनईएफटी, आरजीटीएस और आईएमपीएस के जरिए लेनदेन रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। हालांकि, बड़े पैमाने पर डिजिटल ट्रांसफर होने के कारण कई करदाताओं के मन में यह डर रहता है कि क्या ऑनलाइन पेमेंट करने या प्राप्त करने पर इनकम टैक्स का नोटिस आ सकता है टैक्स एक्सपर्ट और सीईओ एवं को-फाउंडर अभिषेक सोनी के अनुसार, केवल भुगतान का तरीका टैक्स नोटिस का कारण नहीं बनता। असली वजह यह होती है कि आपके बैंक खाते का लेनदेन आपकी इनकम टैक्स रिटर्न में घोषित की गई आय से मेल खाता है या नहीं। केवल यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस या आईएमपीएस का इस्तेमाल करने से कोई टैक्स नोटिस नहीं जारी होता। ये केवल पैसे ट्रांसफर करने के माध्यम हैं। आयकर विभाग इस आधार पर कार्रवाई नहीं करता कि आपने पैसा किस ऐप या माध्यम से भेजा है। विभाग मुख्य रूप से यह देखता है कि बैंक अकाउंट में दिख रही रकम और ढ्ढञ्जक्रमें दाखिल आय के आंकड़े आपस में मेल खाते हैं या नहीं। अगर आप में कम आय दिखाते हैं, लेकिन बैंक खाते में लगातार बड़े और भारी-भरकम लेनदेन होते हैं। बैंक खाते में ऐसी रकम आना या जमा होना जिसका वैध स्रोत आपके पास न हो। अगर आपको लगातार व्यवसाय से जुड़ी पेमेंट मिल रही है, लेकिन आप उसे अपनी बिजनेस इनकम के तौर पर ढ्ढञ्जक्रमें रिपोर्ट नहीं कर रहे हैं। बैंक और वित्तीय संस्थान एक निश्चित सीमा से अधिक के हाई-वैल्यू ट्रांजेक्शन की जानकारी आयकर विभाग को देते हैं। बैंक द्वारा रिपोर्ट किए जाने का मतलब यह नहीं है कि आपको तुरंत नोटिस मिल जाएगा।

देवघर मेला 30 से

चलेंगी कई सावन मेला स्पेशल ट्रेनें

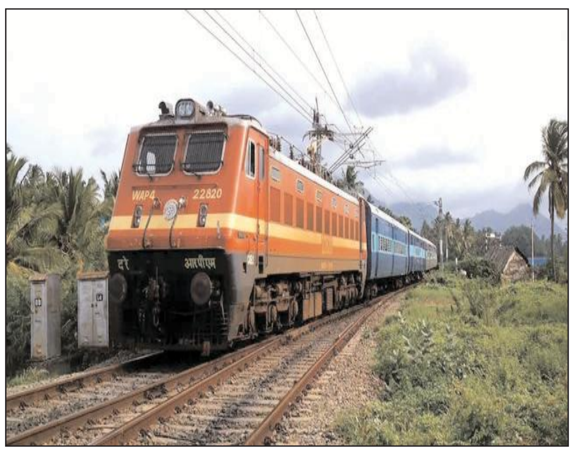

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। आगामी 30 जुलाई से सावन माह शुरू हो रहा है। झारखंड के देवघर में एक महीने का विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला लगता है। यहां पर बाबा बैद्यनाथ को जलाभिषेक करने के लिए प्रतिदिन करीब एक लाख लोग पहुंचते हैं।

देवघर में पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए रेलवे की ओर से स्पेशल ट्रेनें चलाईं जा रही हैं। रविवार से रांची-भागलपुर सावन स्पेशल ट्रेन की सेवा बहाल हो गई है। रांची से भागलपुर के बीच अलग-अलग रूटों से दो जोड़ी सावन स्पेशल ट्रेन चलेंगी। इनमें एक बोकारो, गोमो, कोडरमा, तिलैया होकर तथा दूसरी बरकाकाना, हजारीबाग टाउन होकर चलेगी। सभी ट्रेनें सुल्तानगंज होकर चलेंगी।

रांची-भागलपुर स्पेशल में थर्ड एसी एक, स्लीपर सात एवं जनरल के सात कोच जोड़े जाएंगे। दूसरी ओर, एक अगस्त से महाराष्ट्र के इतवारी से मधुपुर तक सावन स्पेशल ट्रेन चलेगी।स्पेशल ट्रेन रांची, बोकारो, चंद्रपुरा, कतरास और धनबाद होकर चलेगी। इस ट्रेन में थर्ड एसी के चार, स्लीपर 10 एवं साधारण श्रेणी के चार कोच जुड़ेंगे।

08690 रांची-भागलपुर स्पेशल 26 जुलाइ से नौ सितंबर तक प्रत्येक रविवार एवं बुधवार को चलेगी। रांची से शाम 5:40 पर खुल कर 8:25 पर बोकारो, 8:58 पर चंद्रपुरा एवं 9:25 पर गोमो आएगी। अगले दिन सुबह 5:25 पर सुल्तानगंज और 6:30 पर भागलपुर पहुंचेगी।

08689 भागलपुर-रांची स्पेशल 27 जुलाई से 10 सितंबर तक प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को चलेगी। भागलपुर से सुबह 9:10 पर खुल कर 9:35 पर सुल्तानगंज, शाम 5:05 पर गोमो, 6:53 चंद्रपुरा, 7:35 बोकारो तथा रात 10:20 पर रांची पहुंचेगी।

08895 इतवारी-मधुपुर सावन स्पेशल प्रत्येक शनिवार को एक से 29 अगस्त से चलेगी। इतवारी से सुबह 4:30 पर खुल कर देर रात 1:30 पर कतरास, 2:15 पर धनबाद एवं सुबह 6:00 बजे मधुपुर पहुंचेगी।

08896 मधुपुर-इतवारी सावन स्पेशल दो से 30 अगस्त तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। मधुपुर से सुबह 9:00 बजे खुल कर दोपहर 12:10 पर धनबाद, 12:45 पर कतरास एवं अगले दिन 11:50 पर इतवारी पहुंचेगी।

हावड़ा-नई दिल्ली व नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस, कोलकाता-आरा व आरा-कोलकाता गरीब रथ, हावड़ा-पटना वंदे भारत, पटना-हावड़ा वंदे भारत, हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस, नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस, देवघर-वाराणसी वंदे भारत, वाराणसी-देवघर वंदे भारत, हावउा-पटना व पटना-हावड़ा जन शताब्दी, हावड़ा-नई दिल्ली व नई दिल्ली-हावड़ा दुरंतो, शालीमार-पटना व पटना-शालीमार दुरंतो, मधुपुर-आनंदविहार हमसफर, सियालदह-बनारस अमृत भारत व मधुपुर-आनंदविहार बाबा वैद्यनाथ एक्सप्रेस।

श्रद्धालुओं के लिए सज रही टेंट सिटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बासुकीनाथ (दुमका)। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2026 30 जुलाई से प्रारंभ होने वाला है। श्रावणी मेला के शुरूआत होने में अब महज सात दिन ही शेष बचे हैं। इसके साथ ही मंदिर प्रबंधन, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिजली विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, बासुकीनाथ नगर पंचायत, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभाग अपने अपने कार्यों को अमलीजामा पहनाने में लगे हैं।

इस वर्ष कन्हैयापुर गांव के मोड़ में कारी जोरिया के समीप कुल चार अलग-अलग स्थान पर यात्री विश्राम गृह टेंट सिटी बनवाए जा रहे हैं। नए रिंग रोड, नए फोरलेन का इस्तेमाल किया जाएगा। इस मार्ग में छाया शेड बनाए गए है। पिछले वर्ष बना पथिक विश्राम गृह दुरुस्त है। जबकि कहीं-कहीं सीमेंट के बेंच टूट चुके है।

बाबा बासुकीनाथ के मेला क्षेत्र के आधे से अधिक हिस्से में कांवड़िया पथ में छाया शेड लगाने का कार्य जारी है। इसमें नंदी चौक से काली मंदिर के रास्ते दुर्गा मंदिर होते हुए मुख्य बाजार, दर्शनीयाटीकर के रास्ते बाबा आश्रम, रिंग रोड के रास्ते तारा मंदिर शिव गंगा घाट, फोरलेन तारा मंदिर के रास्ते शिवगंगा घाट तक, मुख्य बाजार से लेकर मंदिर के पश्चिमी गेट से होते हुए शिवगंगा घाट तक छाया शेड लगाया जा रहा है। जिससे इस वर्ष यात्रियों को धूप गर्मी के साथ-साथ बारिश में भी काफी राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि इस वर्ष बासुकीनाथ दर्शनियाटीकर से मंदिर आने के लिए रूट लाइन दर्शनीया टिकर, बाबा आश्रम से तारा मंदिर मोड़ कुशवाहा धर्मशाला के रास्ते शिवगंगा पहुंच पथ सहित फोरलेन से तारा मंदिर मार्ग के रास्ते शिवगंगा का रूटलाइन तय है। इस मार्ग में छाया शेड लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है।

बासुकीनाथ मंदिर के पूर्व दिशा स्थित क्यू कांप्लैक्स में यात्रियों को सुव्यवस्थित तरीके से कतारबद्ध करने के लिए आवश्यक कार्य किये जा रहे है। संपूर्ण मेला क्षेत्र में जगह-जगह तार की जाली, सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं।

बासुकीनाथ श्रावणी मेला क्षेत्र में चारों दिशा में मेला से संबंधित तैयारियां अंतिम चरण में है। बासुकीनाथ मंदिर के वीआईपी प्रवेश द्वार, शीघ्र प्रवेश द्वार में स्टील बेरिकेडिंग, स्टील गेट व छाया शेड लगा दिया गया है।

दुमका उपायुक्त अभिजीत सिन्हा, दुमका एसडीओ कौशल कुमार, बासुकीनाथ मंदिर प्रभारी सह जरमुंडी सीओ संजय कुमार, बीडीओ कुंदन भगत, बासुकीनाथ नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सारजेन मरांडी व अन्य पदाधिकारी लगातार मेला की तैयारी से जुड़े कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जरमुंडी सीओ संजय कुमार, जरमुंडी एसडीपीओ नवल किशोर सिंह, थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक दयानंद साह लगातार मेला क्षेत्र में निगहबानी कार्य में लगे है।

बासुकीनाथ मंदिर से सटे विभिन्न मार्ग में देवी देवताओं की आकर्षक प्रतिमा बनाई जा रही है, इसके अलावा स्वच्छता से जुड़े संदेश भी प्रचारित करने को लेकर चित्र बनाए जा रहे हैं। शिवगंगा तट व मंदिर के चारों और की दीवारों में आकर्षक चित्रकारी की जा रही है। क्यू कांम्पलैक्स व संस्कार मंडप में स्टील की बैरिकेडिंग मरम्मत की गई है। जगह-जगह इमरजेंसी एग्जिट गेट बनाए गए हैं।

श्रद्धालुओं को भक्ति भावना दिखे इसको लेकर यहां जगह जगह भोलेनाथ के चित्र भी बनाए गए हैं। संस्कार मंडप भी दुरुस्त कर लिया गया है।

यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री छाया शेड दुरुस्त कर लिया गया। जरमुंडी प्रखंड मुख्यालय के बगल में दर्शनिया टीकर, कन्हैयापुर मोड़ के निकट व तारा मंदिर के समीप यात्रियों के आवासन के लिए सर्व सुविधा युक्त टेंट सिटी का निर्माण, यात्रियों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल निर्माण की तैयारी की जा रही है। वहीं

दर्शनियाटीकर में पुलिस हैंगर एवं कन्हैयापुर मोड में यात्रियों के आवासन के लिए सर्व सुविधा युक्त टेंट सिटी का निर्माण किया जा रहा है। बासुकीनाथ नंदी चौक भी सज धज रहा है। कांवरियों की लगनेवाली कतार मार्ग में सभी आवश्यक मरम्मति कार्य अंतिम चरण में हैं।

ड्रेस एलाउंस को लेकर नया विवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में ड्रेस एलाउंस को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। गार्डनरीच मुख्यालय के आडिट की आपत्ति के बाद सीनियर असिस्टेंट डिविजनल फाइनांस मैनेजर (एडीएफएम) ने सीनियर डिविजनल पर्सनल आफिसर को पत्र भेजकर यह स्पष्ट करने को कहा है कि किन-किन श्रेणी के कर्मचारियों को ड्रेस एलाउंस मिलना है और किन्हें नहीं। इसके बाद से मंडल के हजारों कर्मचारियों में असमंजस की स्थिति है।जानकारी के अनुसार, ड्रेस एलाउंस से संबंधित बिल सामान्यतः हर माह 24 तारीख तक अंतिम रूप ले लेता था लेकिन इस बार अब तक इसे रोककर रखा गया है। वित्त विभाग आडिट की आपत्ति के आधार पर पात्र और अपात्र कर्मचारियों की सूची तैयार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2016 तक जिन श्रेणियों के कर्मचारियों को ड्रेस एलाउंस मिलता रहा है, फिलहाल उन्हीं श्रेणियों को भुगतान देने पर विचार किया जा रहा है। इसी के साथ उन कर्मचारियों से वसूली (रिकवरी) की भी चर्चा शुरू हो गई है, जिन्हें कथित रूप से नियमों के विपरीत ड्रेस एलाउंस का भुगतान हुआ है।इधर, रेलवे मेंस कांग्रेस ने इस पूरे मामले पर कड़ा विरोध जताया है। संगठन के मंडल संयोजक शशि मिश्रा ने कहा कि किसी भी कर्मचारी ने ड्रेस एलाउंस की मांग नहीं की थी। यह राशि रेलवे की एचआरएमएस/सीआरआईएस प्रणाली के माध्यम से स्वतः कर्मचारियों के खाते में गई थी। कर्मचारियों ने उसी राशि से निर्धारित ड्रेस कोड के अनुसार वर्दी सिलवाई और रेलवे की गरिमा तथा पहचान बनाए रखी। अब वर्षों बाद कर्मचारियों से रिकवरी करना पूरी तरह अनुचित और तर्कहीन है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारी रेलवे के आदेश का पालन करते हुए वर्दी पहनते रहे हैं। ऐसे में यदि प्रशासन अपनी प्रक्रिया या सिस्टम की गलती का भार कर्मचारियों पर डालने की कोशिश करता है तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

मेंस कांग्रेस संयोजक ने बताया कि पूरे मामले की जानकारी नेशनल फेडरेशन आफ इंडियन रेलवेमैन के राष्ट्रीय महामंत्री डा. एम. रघुवैया को दे दी गई है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि यदि किसी भी कर्मचारी से ड्रेस एलाउंस की रिकवरी का प्रयास किया गया तो मामला रेलवे बोर्ड के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा।

विधायक ने सुनी 'मन की बात'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। विधायक मनोज कुमार यादव ने रविवार को कार्यकर्ताओं संग अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड का श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार, सामाजिक सरोकार और जनभागीदारी से जुड़े संदेशों को प्रेरणादायी बताया।

विधायक श्री यादव ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को सकारात्मक सोच, सेवा और राष्ट्रहित के कार्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों का उल्लेख समाज को नई दिशा और प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में दिए गए संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना और उन्हें व्यवहार में उतारना सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे कार्यक्रम समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में आम लोगों की भागीदारी को भी मजबूत करते हैं।

निशिकांत दुबे ने हेमंत सरकार को घेरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। झारखंड में कथित झारखंड लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाला और परीक्षा अनियमितताओं का मामला एक बार फिर सियासी केंद्र में है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद विपक्ष-भारतीय जनता पार्टी ने हेमंत सोरेन सरकार को जेपीएससी घोटाले के मुद्दे पर घेरना शुरू कर दिया है। भाजपा का आरोप है कि राज्य सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है और जेपीएससी में हुई कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच से बच रही है। वहीं, सत्तापक्ष इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए विपक्ष पर भटकाने की कोशिश का आरोप लगा रहा है।

भाजपा के फायरब्रांड सांसद डा. निशिकांत दुबे ने कहा है-जेपीएससी भर्ती घोटाला झारखंड की भर्ती व्यवस्था एक गंभीर सवाल बन चुका है। आखिर काली सूची में शामिल कंपनी को परीक्षा कराने की जिम्मेवारी किसके दवाब में दी गई? इसकी जांच होनी चाहिए।

गोड्डा के सांसद दुबे ने एक्स पर पोस्ट में कहा है-यदि सीआईडी जांच में लगातार नये तथ्य आ रहे हैं तो इसकी नैतिक व प्रशासनिक जिम्मेवारी राज्य सरकार को लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को संरक्षण नहीं कठोर ठंड मिलना चाहिए।

झारखंड के युवाओं को भ्रष्टाचार नहीं पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था चाहिए। हाल के वर्षो में जेपीएसपी व इससे जुड़ी कई परीक्षा विवादों में रही है सभी की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और जो भी दोषी है उस पर कठोर कार्रवाई होना चाहिए।

छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करनें वालों पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है। इसके साथ ही इस तरह के कृत्य को संरक्षण देने वालों पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

पेयजलापूर्ति योजना के नाम पर काटे गये कई पेड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल कार्यालय परिसर में नई शहरी जलापूर्ति योजना के तहत पानी टंकी के निर्माण के लिए कथित तौर पर करीब आधा दर्जन पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पानी टंकी निर्माण कार्य में लगी एजेंसी ने बिना संबंधित विभागों को सूचना दिए बगैर गम्हार के बड़े और छोटे पेड़ों को काट दिया। इस गंभीर मामले को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। पेड़ों की कटाई हाइड्रा मशीन की सहायता से की गई है।

पेड़ कटाई के बाद उसे कई टुकड़ों में काटकर पानी टंकी निर्माण कार्य स्थल परिसर में अलग-अलग स्थानों पर रख दिया गया, जिससे उन्हें छिपाने की कोशिश करने की भी चर्चा है। गम्हार के कटे हुए पेड़ों में कई बड़े पेड़ भी हैं, जिनका पर्यावरणीय दृष्टि से विशेष महत्व रखता है।

मामले की गंभीरता इस बात से भी बढ़ जाती है कि पेड़ों की कटाई की जानकारी न तो अंचल प्रशासन को थी और न ही वन विभाग को। यदि सरकारी भूमि पर पेड़ों की कटाई की गई है तो इसके लिए सक्षम पदाधिकारी से अनुमति लेना जरूरी होता है। ऐसे में बिना अनुमति के हरे भरे पेड़ काटने की आशंका को बल मिलता है।

जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पेड़ों की कटाई वैधानिक प्रक्रिया के तहत हुई या फिर नियमों की अनदेखी कर पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन किया गया।

मामले में निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर रविंद्र कुमार का कहना है कि संबंधित विभाग से विभागीय स्तर पर अनुमति की प्रक्रिया अपनाई गई है। वे इस बारे में इससे अधिक जानकारी नहीं दे सकते हैं।

इस संबंध में सदर अंचलाधिकारी रामनारायण खलखो का कहना है कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां तक उन्हें जानकारी है, उनसे पेड़ों की कटाई के लिए किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई है। हालांकि, सदर सीओ ने इस पूरे मामले की जांच कराने की बात कही है। वन विभाग के प्रभारी फॉरेस्टर विक्की कुमार महतो ने कहा कि विभाग को भी पेड़ों की कटाई की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि यह जांच की जाएगी कि किसकी अनुमति से पेड़ों की कटाई की गई और यदि नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ताला तोड़ चोरी, प्राथमिकी दर्ज

बरही। पटना रोड निवासी राजेंद्र साव के फल गोदाम से नकदी और सिक्कों की चोरी का मामला सामने आया है। व्यवसाई के अनुसार, उनकी फल की दुकान धनबाद रोड स्थित बरही चौक पर है। दुकान के पीछे हीं संतोष केसरी के मकान में उनका फल गोदाम संचालित होता है। इस संबंध में पीड़ित व्यवसायी ने बरही थाना में लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, घटना बीते 23 जुलाई की रात का है ।जब व्यवसाई रात करीब 10 बजे गोदाम बंद कर अपने घर चले गए थे। अगले दिन 24 जुलाई की सुबह लगभग 6 बजे जब वे गोदाम पहुंचे तो उसका ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जांच करने पर गोदाम में रखे 10,120 रुपये नकद तथा लगभग 11 से 12 हजार रुपये मूल्य के सिक्के गायब पाए गए। पीड़ित के अनुसार, यह राशि महाजनों के भुगतान के लिए गोदाम में रखी गई थी। घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक युवक पर संदेह जताया गया है।

विधिक सशक्तिकरण शिविर में

करोड़ों रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा), रांची के निर्देश पर शनिवार को गिरिडीह प्रखंड कार्यालय सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों में विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डलसा) गिरिडीह के तत्वावधान में आयोजित शिविर में लाभुकों के बीच विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत करोड़ों रुपये की परिसंपत्तियों एवं आर्थिक सहायता का वितरण किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सफदर अली नैयर, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया शिविर को संबोधित करते हुए सचिव सफदर अली नैयर ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ त्वरित रूप से पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आम नागरिकों को सुलभ, त्वरित एवं निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और जरूरतमंद लोग किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता के लिए प्राधिकरण से संपर्क कर सकते हैं

एलएडीसीएस के चीफ नजमुल हसन ने कहा कि जिला प्रशासन और न्यायपालिका के समन्वय से आम लोगों को उनके वैधानिक अधिकार दिलाने की दिशा में यह शिविर महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाएगा।प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि पारा लीगल वॉलंटियर्स के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का संबंधित विभागों द्वारा त्वरित निष्पादन कर पात्र लाभुकों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाकर ऑन-द-स्पॉट सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, पारा लीगल वॉलंटियर्स एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों की उपस्थिति रही। अंत में कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी विभागों, जिला प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधियों तथा आमजन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

धनबाद स्टेशन पर खाद्य संचालकों को दिया गया खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को धनबाद रेलवे स्टेशन पर खाद्य संचालकों के लिए ₹खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम₹ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खाद्य संचालकों को बुनियादी खाद्य स्वच्छता, खाद्य संस्थानों में अपनाई जाने वाली सफाई प्रक्रियाओं और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें भोजन को हानिकारक जीवाणुओं, वायरस, परजीवियों और रासायनिक संदूषण से बचाने, खाद्य पदार्थों को संक्रमण से सुरक्षित रखने तथा भोजन को निर्धारित और सुरक्षित तापमान पर संग्रहित एवं परोसने के तरीकों का प्रशिक्षण भी दिया गया।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह पहल धनबाद स्टेशन को ₹ईट राइट स्टेशन₹ के मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्टेशन परिसर में यात्रियों को और बेहतर खाद्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इस मौके पर एफएसएसएआइ के प्रतिनिधि डॉ. अनूप कुमार तिवारी, सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्वाती गौतम, सहायक वाणिज्य प्रबंधक राजीव कुमार, आइआरसीटीसी के जे जीएम सोरेंग सहित मंडल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जमीन के एक टुकड़े को लेकर शुरू हुआ विवाद एक परिवार की जिंदगी पर ऐसा कहर बनकर टूटा कि उसका चिराग हमेशा के लिए बुझ गया। झारखंड के गिरिडीह में एक व्यक्ति की पेट्रोल डालकर आग लगाने के आरोप के बीच इलाज के दौरान मौत हो गई।

हालांकि, दूसरे पक्ष का दावा है कि उसने खुद ही अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली थी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। इस मामले में भरकट्टा ओपी में 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार बिरनी थाना के भरकट्टा ओपी क्षेत्र के बाराडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर 35 वर्षीय सहोदर यादव पर पेट्रोल से हमला हुआ। पेट्रोल फेंकने के बाद आग लगा दी गई। गंभीर रूप से घुलसे सहोदर यादव की मौत शनिवार सुबह रांची एक निजी अस्पताल में इलाज के क्रम में हो गई। 23 जुलाई से सहोदर ग्लोबल हास्पिटल में जीवन-मौत से जूझ रहा था। डाक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह जख्मों से उबर नहीं सका। घटना के बाद से गांव में कुछ लोग कह रहे थे कि सहोदर पर पेट्रोल फेंककर आग लगाई गई, तो कुछ कह रहे थे कि उसने खुद आग लगाई है।

मौत की खबर से पूरे गांव में मातम का माहौल है। शव का पोस्टमार्टम होने के बाद घर लेकर स्वजन पहुंचेंगे। स्वजन का दावा है कि विपक्षी आरोपितों ने पेट्रोल छिड़क कर आग लगाई है। मौत की सूचना मिलते ही स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

पीड़ित के स्वजन ने भरकट्टा ओपी में महिला समेत 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। एसडीपीओ धनंजय राम ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज हुई है। जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाएगी।

गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग

बरही। गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर चलाए जा रहे 'गो सम्मान अभियान' के तहत सोमवार को बरही प्रखंड कार्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह जानकारी अभियान के संयोजक योगाचार्य इंद्रदेव गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि पिछले कई दिनों से बरही प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों, कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस दौरान हजारों सनातनियों ने अभियान का समर्थन करते हुए अपने हस्ताक्षर किए और गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिए जाने की मांग का समर्थन किया।

योगाचार्य गुप्ता ने कहा कि गौ हमारी राष्ट्रमाता है और उसे उचित सम्मान दिलाना प्रत्येक सनातनी का दायित्व है। इसी उद्देश्य से समाज में जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान दर्जनों विद्यालयों में संपर्क किया गया तथा हजारों लोगों से संवाद स्थापित कर उन्हें इस विषय के प्रति जागरूक किया गया।

'स्व-बोध एवं नागरिक कर्तव्य' विषय पर संगोष्ठी

युवाओं को कर्तव्यों के प्रति किया गया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर जंतु विज्ञान विभाग में शुक्रवार को 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका @2047: स्व-बोध एवं नागरिक कर्तव्य' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. ताराकांत शुक्ल का अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. के.के. गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि ₹युवावस्था केवल शारीरिक अवस्था नहीं, बल्कि एक 'युवा मन' ही व्यक्ति को सदैव ऊजार्वान और युवा बनाए रखता है।₹

मुख्य वक्ता डॉ. ताराकांत शुक्ल ने वेदों एवं भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में कठोर नियमों की अपेक्षा धर्म और कर्तव्यों को अधिक महत्व दिया गया है। उन्होंने प्रकृति ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण की विस्तृत व्याख्या करते हुए युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, गुरुजनों के सम्मान तथा समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

संगोष्ठी के दौरान युवा विद्यार्थियों के द्वारा कई प्रश्न भी पूछे गए।छात्र अभिषेक ने सभागार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संविधान में वर्णित 11 मौलिक कर्तव्यों के पालन तथा आत्मनिर्भर 'स्वराष्ट्र' के निर्माण का संकल्प दिलाया।

संगोष्ठी में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के डॉ. आनंद, कपिल तथा स्नातकोत्तर जंतु एवं वनस्पति विज्ञान (सेमेस्टर-2) के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग ४ल्ल लिया। कार्यक्रम का संचालन नितेश मोदी ने किया। डॉ. मनोज ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

त्रिशताब्दी वर्ष का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। मुनि प्रशांत कुमार जी, मुनिश्री कुमुद कुमार जी के सान्निध्य में आचार्य श्री भिक्षु का जन्म त्रिशताब्दी वर्ष समापन समारोह का आयोजन हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनि प्रशांत कुमार जी ने कहा - आचार्य श्री भिक्षु के साथ तेरह का योग जुड़ा हुआ है।उनका जन्म एवं निर्वाण दोनों तेरस को हुए। प्रारम्भ में साधु एवं श्रावक की संख्या भी तेरह थी।उस तेरह की संख्या को प्रभु को समर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि ₹हे प्रभो!

अनाहत सिंह ने जूनियर स्क्वैश वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती

● खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं, फाइनल में मिस्र की रुक्या सलेम को 3-0 से हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। अनाहत सिंह जूनियर स्क्वैश वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इससे पहले 2005 में जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं।शनिवार को खेले गए गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में टॉप सीड अनाहत ने मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुक्या सलेम को 11-3, 11-7, 11-9 से हराया। इसके साथ ही वे जूनियर वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

- **मिस्र का 15 साल पुराना दबदबा खत्म** – गर्ल्स जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2011 से लगातार मिस्र की खिलाड़ी खिताब जीत रही थीं। अनाहत ने फाइनल में रुक्या सलेम को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और सिर्फ 2 गेम गंवाए।
- **जोशना चिनप्पा का 21 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा** – इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था, जब जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं। अनाहत ने अब भारत को इस टूर्नामेंट का पहला गोल्ड दिलाया।
- **पिछले साल ब्रॉन्ज जीता था** – अनाहत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

प्रतिष्ठा सामंत वॉल्ट फाइनल में पहुंचीं, प्रणति नायक चूकीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स की महिला जिम्नास्टिक स्पर्धा में भारत की 22 साल की प्रतिष्ठा सामंत ने वॉल्ट इवेंट के फाइनल में जगह बना ली। क्वालिफिकेशन में पश्चिम बंगाल की प्रतिष्ठा ने 13.025 अंक के साथ 5वां स्थान हासिल कर टॉप-8 में जगह बनाई। वहीं, भारत की अनुभवी जिम्नास्ट प्रणति नायक 12.555 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं और तीसरी रिजर्व खिलाड़ी बनीं। ईशिता रेवाले (11.725) 15वें तथा निष्का अग्रवाल (11.075) 19वें स्थान पर रहीं। ऑल-अराउंड में प्रतिष्ठा (42.250) 27वें और ईशिता (41.700) 28वें स्थान पर रहीं। दोनों फाइनल में नहीं पहुंच सकीं। टीम इवेंट में भारत 123 अंकों के साथ 9वें स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया (158.400) ने गोल्ड, कनाडा (157.300) ने सिल्वर और इंग्लैंड (154.300) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। बटरफ्लाई यूटीटी: यू मुंबा लगातार दूसरी बार फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन यू मुंबा टीटी ने गोवा में खेले गए बटरफ्लाई अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन-7 के दूसरे सेमीफाइनल में एचवीआर कोलकाता थंडरब्लेड्स को 8-3 से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली। कप्तान मनुष शाह और अन्ना हर्सी टीम की जीत के हीरो रहे। दोनों ने मिक्स्ड डबल्स में अंकुर भट्टाचार्जी और आयहिका मुखर्जी की जोड़ी को 3-0 से हराया। इसके बाद मनुष ने अंकुर को 2-0 से हराकर टीम की जीत पक्की कर दी। अन्ना ने महिला एकल और मिक्स्ड डबल्स मिलाकर 6 में से 5 गेम जीते, जबकि मनुष ने अपने दोनों मुकाबलों के सभी 5 गेम जीते। रविवार को फाइनल में यू मुंबा का सामना डेम्पो गोवा चैलेंजर्स से होगा। मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियोहॉटस्टार पर होगा।

चाइना ओपन 2026

यामागुची अकाने ने चेन युफेई को हराकर दूसरी बार जीता महिला एकल का खिताब

● **घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद नहीं टिक सकीं चेन** – दूसरे गेम में घरेलू दर्शकों के जोरदार समर्थन के बीच चेन युफेई ने कड़ी चुनौती पेश की। लेकिन यामागुची ने धैर्य और अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और 44 मिनट में जीत दर्ज कर ली।

टोक्यो (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की यामागुची अकाने ने बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में मेजबान चीन की चेन युफेई को सीधे गेमों में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अकाने ने दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब जीता और टूर्नामेंट के इतिहास में महिला एकल का खिताब जीतने वाली इकलौती जापानी खिलाड़ी बनी रहीं।

सीधे गेमों में चेन युफेई को हराया – चांगझोउ में खेले गए फाइनल मुकाबले में विश्व नंबर-3 यामागुची अकाने ने टोक्यो ओलंपिक 2020 की स्वर्ण पदक विजेता और चीन की स्टार शटलर चेन युफेई को 21-18, 21-16 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

शुरुआत में लड़खड़ाई, फिर की दमदार वापसी – लगातार छठे फाइनल में खेल रहीं दो बार की ओलंपियन यामागुची ने मुकाबले की शुरुआत धीमी की।

जिम्बाब्वे पर सीरीज जीतते ही टीम इंडिया फिर बनी नंबर-1 टी20 टीम

इंग्लैंड को छोड़ा पीछे

नईदिल्ली (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के साथ ही टीम इंडिया ने आईसीसी टी20 रैंकिंग में फिर से नंबर-1 का ताज अपने नाम कर लिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर वापसी की है।

भारत फिर बना दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम – आईसीसी की ताजा पुरुष टी20 टीम रैंकिंग में भारत एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। इंग्लैंड ने हाल ही में घरेलू टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप कर नंबर-1 रैंकिंग हासिल की थी, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार दो जीत के बाद भारत ने दोबारा पहला स्थान हासिल कर लिया। भारत मौजूदा आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप चैंपियन भी है।

इशान, तिलक और श्रेयस ने संभाली पारी – दूसरे टी20 मुकाबले में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने शुरुआती दो विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद इशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने तीसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़कर पारी संभाली। श्रेयस के आउट होने के बाद इशान किशन और तिलक वर्मा ने तेजी से रन बटोरते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इशान ने 44 गेंदों में 81 रन बनाए, जबकि तिलक वर्मा ने सिर्फ 29 गेंदों में नाबाद 60 रन की विस्फोटक पारी खेली।

इशान किशन ने बताया सफलता का मंत्र

मैच के बाद इशान किशन ने कहा कि शुरुआती विकेट गिरने के बावजूद उनका लक्ष्य घबराने के बजाय हालात को समझकर अपनी स्वाभाविक बल्लेबाजी करना था। उन्होंने कहा, दो विकेट जल्दी गिर गए थे, लेकिन नंबर-3 बल्लेबाज के तौर पर मेरा काम गेंद को देखकर अपना नैचुरल गेम खेलना था। हमें यह भी समझना था कि विकेट कैसा है और टीम के लिए कितना स्कोर सही रहेगा। इशान ने आगे कहा, मैं और श्रेयस अय्यर सिर्फ साझेदारी बनाना चाहते थे और पारी को अंत तक ले जाने की कोशिश कर रहे थे। खुशी है कि हम अपनी योजना को अच्छी तरह लागू कर पाए।

सब-जूनियर पुरुष हॉकी में भारत की पाकिस्तान पर शानदार जीत

● एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया

मस्कट (ओमान) (एजेंसी)। भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मस्कट में एफआईएच यूथ हॉकी5ह्य एशियन चैंपियनशिप 2026 के गोल्ड मेडल मैच में अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। रोमित पाल (5), कप्तान केतन कुशवाहा (12) और शाहरुख अली (13) के गोल की बदौलत भारत एशियन चैंपियन बना। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष टीम ने एक शानदार और अजेय अभियान पूरा किया, वे एलीट पूल टेबल में भी शीर्ष पर रहे थे। फाइनल मुकाबले में भारत ने सटीक पासिंग और अनुशासित खेल के साथ शुरुआत में ही बढ़त बना ली। रोमित पाल (5) ने पहले हाफ में पाकिस्तानी गोलकीपर को छकाते हुए गोल किया और भारत को हाफ-टाइम तक 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ की शुरुआत में भारत ने

अपना दबदबा और बढ़ाया। कप्तान केतन कुशवाहा (12) ने गोल किया और उसके तुरंत बाद शाहरुख अली (13) ने गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। पाकिस्तान ने मुहम्मद उस्मान (16) के जरिए एक गोल वापस किया, लेकिन भारतीय डिफेंस ने आखिरी मिनटों में मजबूती से खेलते हुए 3-1 से जीत पक्की की और ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल में पहुंचने की वजह से भारत और पाकिस्तान दोनों ही पहली बार होने वाले एफआईएच यूथ हॉकी5ह्य वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर गए हैं। वहीं महिला प्रतियोगिता में भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने चीन के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद सिल्वर मेडल जीता, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि दोनों भारतीय टीमें मेडल के साथ घर लौटेंगी। दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाते हुए हॉकी इंडिया ने टीमों के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा की।

ट्रिनिडाड टेस्ट में वेस्टइंडीज की मजबूत शुरुआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए

कावेम हॉज 83 रन बनाकर नाबाद

ट्रिनिडाड (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका।

चंद्रपॉल और जांगू के विकेट गिरे – लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन

चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की। कप्तान बाबर आजम ने आमेर जमाल को गेंद थमाई और उन्होंने अपने पहले ही ओवर में चंद्रपॉल को स्लिप में सलमान आगा के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद आमिर जांगू को मोहम्मद अब्बास ने डीआरएस की मदद से एलबीडब्ल्यू आउट किया। 106 रन तक वेस्टइंडीज के 3 विकेट गिर चुके थे।

हॉज-होप ने संभाली पारी, चौथे विकेट के लिए 88 रन जोड़े – तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद कावेम हॉज और शाई होप ने पारी संभाली।

● **अब्बास ने कसी गेंदबाजी की, 23 रन पर पहला विकेट** – बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ 14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहला टेस्ट, सोबर्स को श्रद्धांजलि

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को दूसरा मेडल

वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर जीता, पैरा पावरलिफ्टिंग में आ चुका है एक ब्रॉन्ज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का दूसरा मेडल मिल गया है। ऋषिकांत सिंह ने गेम्स के चौथे दिन मेंस वेटलिफ्टिंग की 60 केजी कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने कुल 264 केजी वजन उठाकर दूसरा (स्नैच 121 केजी और क्लीन एंड जर्क 143 केजी)। इससे पहले मेंस पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज जीता था। भारत अब 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के साथ मेडल टेबल में 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 23 मेडल के साथ पहले नंबर पर है। दिनभर में कुल 14 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 9 स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, 3 वेटलिफ्टिंग और 2 आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स में होंगे।

■ **लॉन बॉल्स में भारतीय जोड़ी हारी** – भारत को विमेंस पेयर्स लॉन बॉल्स में नामीबिया से टाई-ब्रेक में हार का सामना करना पड़ा। टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इंग्लैंड को हराना होगा। रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह की जोड़ी के लिए यह मुकाबला करो या मरो का होगा। इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में जगह बना लेगी और मेडल की उम्मीदें बरकरार रहेंगी।

स्नैच के बाद स्टैंडिंग

- भारत- ऋषिकांत सिंह - 121केजी
- मलेशिया-अनीक कसदान - 121केजी
- केन्या- जोहुसा मबोया - 115 केजी

वेटलिफ्टिंग में तीन भारतीयों पर नजर – ऋषिकांत सिंह का वेटलिफ्टिंग मेंस 60 किग्रा का इवेंट जारी है। इसके बाद शाम 5:30 बजे मीराबाई चानू महिला 49 किग्रा फाइनल में गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगी। रात 11 बजे एम राजा पुरुष 65 किग्रा फाइनल में हिस्सा लेंगे। मीराबाई चानू ने 2020 टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीता था। तब कोविड की वजह से मास्क पहना था।

जिम्नास्टिक्स में कई मुकाबले –जिम्नास्टिक में शाम 4:30 बजे योगेश्वर सिंह और तपन मोहंती पुरुष ऑल-अराउंड फाइनल खेलेंगे। वहीं रात 10:30 बजे महिला ऑल-अराउंड फाइनल होगा।

अलर्ट मोड पर थी दिल्ली पुलिस

इंटरनेट बंद, 30 कंपनियां... सीजेपी आंदोलन के बीच दिल्ली पुलिस ने कैसे संभाला सुरक्षा ऑपरेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक के विरोध और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का आंदोलन शनिवार को नए मोड़ पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते से एनसीआर समेत देशभर से जुट रहे प्रदर्शनकारियों के कारण हालात बेहद संवेदनशील बने हुए थे। शनिवार दोपहर जैसे ही केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे की खबर आई, उग्र समर्थक शांत होने लगे और पिछले सात दिनों से मुस्तैद दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने भी राहत की सांस ली। शनिवार शाम से सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के जवान लौटने लगे।

बीते सोमवार को प्रदर्शनकारियों द्वारा किए गए भीषण उपद्रव, हिंसा और पुलिसकर्मियों को निशाना बनाए जाने के बाद दिल्ली पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गई थी। इंटेलिजेंस रिपोर्ट में प्रदर्शनकारियों द्वारा संसद भवन की ओर मार्च करने की आशंका को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली जिले को अभेद्य किले में तब्दील कर दिया था। जंतर-मंतर, संसद मार्ग, टालस्टाय मार्ग, जनपथ, अशोक रोड और रायसीना मार्ग सहित पूरे नई दिल्ली क्षेत्र को कई स्तरीय मजबूत बैरिकेडिंग से घेर दिया गया था। सभी सड़कों पर बड़ी संख्या में दंगा नियंत्रण वाहन खड़े कर दिए गए थे।

शनिवार और रविवार को प्रदर्शन में रिकार्ड भीड़ जुटने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने चार दिन पहले से ही जंतर-मंतर क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह बंद करवा दी थीं।

आसपास के जिलों से मंगवाने पड़े बैरिकेड्स

सोमवार को भारी उपद्रव के बाद मंगलवार से जंतर-मंतर पर जैसे-

जैसे भीड़ बढ़नी शुरू हुई पुलिस ने आसपास के जिलों से भी सैकड़ों की संख्या में बैरिकेड्स मंगवा लिए थे। संवेदनशील इलाकों में दंगा रोधी दस्तों की तैनाती के साथ-साथ जगह-जगह बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा बना दिया गया था। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए बंगाल सहित कई अन्य राज्यों से अर्धसैनिक बलों की करीब 30 कंपनियां बुलाई गई। इसके अलावा, दिल्ली के सभी 15 जिलों से रिजर्व पुलिस बल को जंतर-मंतर पर तैनात किया गया। सुरक्षा कारणों से नई दिल्ली और उससे सटे जिलों के 18 मेट्रो स्टेशनों को एहतियातन बंद करवा दिया गया था।

लोकतंत्र में जवाबदेही को लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता: शशि थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक रहा। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा धर्मेंद्र प्रधान ने जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सरकार द्वारा छात्रों की सभी मांगों को भी मान लिया गया। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को खत्म करने का ऐलान कर दिया। इस मामले पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर का भी बयान सामने आया है। थरूर ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी तब आया है जब संसद मार्च करने वाले छात्रों के ऊपर पुलिस ने बर्बरता से हमला किया था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर शशि थरूर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा इस बात की स्वीकारोक्ति है कि लोकतंत्र में जवाबदेही को अनिश्चित काल के लिए नहीं टाला जा सकता। यह इस्तीफा देश भर में दृढ़तापूर्वक, शांतिपूर्ण और प्रतिबद्ध आवाज उठा रहे छात्रों, अभिभावकों और नागरिकों के हफ्तों लंबे शांतिपूर्ण संघर्ष के बाद आया है।

लोकतांत्रिक अधिकार के कारण

पुलिस बर्बरता का शिकार हुए युवान

शशि थरूर ने लिखा कि यह तब आया है जबकि असंख्य युवा भारतीय नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के अपने लोकतांत्रिक अधिकार के कारण पुलिस की बर्बरता का अनुचित रूप से सामना करना पड़ा। इसकी चिंता हर नागरिक को होनी चाहिए, चाहे उसकी राजनीतिक विचारधारा कुछ भी हो, लेकिन जवाबदेही एक इस्तीफे से खत्म नहीं होती।

उन्होंने लिखा कि वे गहरी नाकामियां जिन्होंने हमें यहां ला खड़ा किया उन्हें पारदर्शी सुधारों, संस्थागत उत्तरदायित्व और इस प्रण के साथ सुधारा जाना चाहिए कि किसी भी भारतीय युवा का भविष्य दोबारा जोखिम में न पड़े। जो छात्र सड़कों पर उतरे, खुलकर अपनी बात रखी और शांतिपूर्वक डटे रहे यह जानने का अधिकार है कि यह सुधारों की शुरुआत है, अंत नहीं। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे देने के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रह्लाद जोशी को देश का नया शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री की सलाह पर, राष्ट्रपति ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी को उनके मौजूदा विभागों के साथ-साथ शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी सौंपने का निर्देश दिया है।

एम्स मे नोन टू' मरीजों के लिए स्पेशल स्लॉट पर उठे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। एम्स के कर्मचारियों के परिचित मरीजों के पंजीकरण की नई व्यवस्था नोन टू से विवाद की स्थिति बनती जा रही है। संस्थान ने नियमित कर्मचारियों को अपने नोन टू (परिचित) मरीजों के ओपीडी पंजीकरण की सिफारिश करने की सुविधा देते हुए उन्हें स्पेशल स्लाट कैटेगरी में पंजीकरण का प्रावधान किया है। एम्स प्रबंधन की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि नोन टू पेशेंट की परिभाषा क्या होगी, किस आधार पर किसी व्यक्ति को इस श्रेणी में शामिल किया जाएगा और प्रतिदिन ऐसे विशेष स्लाट की संख्या कितनी होगी।

इन्हीं सवालों को लेकर यह आदेश चर्चा का विषय बना हुआ है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि आखिर नोन टू श्रेणी क्या है, इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी और इससे सामान्य मरीजों पर क्या असर पड़ेगा।

बारिश हो या नहीं... मैदानगढ़ी के अनुपम एन्क्लेव की सड़कों पर हमेशा रहता है पानी, स्थानीय लोग परेशान

हल्की बारिश के बाद भी हफ्तों तक लगा रहता है पानी

नईदिल्ली, एजेंसी। मैदानगढ़ी के अनुपम एन्क्लेव में सड़कों पर जलभराव के चलते लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इग्नू रोड से रिहायशी इलाकों तक ढलान से पानी नीचे आकर जमा हो जाता है।

ड्रेनेज की व्यवस्था नहीं होने से सड़कों पर आए दिन जलभराव के हालात बने रहते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लगातार शिकायतों के बाद भी समस्या से राहत नहीं मिल पा रही है। लोगों ने संबंधित विभागों से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है। लोगों के मुताबिक इलाके में बिना वर्षा के ही हमेशा जलभराव के हालात बने रहते हैं। पिछले दिनों शिकायत के बाद सड़क किनारे फुटपाथ बनाया गया था। इससे पैदल गुजरने वाले लोगों को थोड़ी राहत मिली थी। लेकिन दुकानदारों ने फुथपाथ पर कब्जा कर लिया है। अंदरुनी सड़कों पर जलभराव के चलते वाहनचालकों और पैदल गुजरने वालों दोनों को परेशानी होती है। सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूली बच्चों को होती है। स्थानीय निवासी नीति कपिला बताती हैं कि पूरा इलाका निचले इलाके में होने की वजह से इग्नू रोड का सारा पानी जमा रहता है। हल्की सी वर्षा होने पर कई हफ्तों तक पानी नहीं निकल पाता है। नालियां भी ओवरफ्लो

रहती हैं और ड्रेनेज व्यवस्था पूरी तरह ठप है। घरों के आगे हमेशा पानी भरा रहता है। सूरज भान बताते हैं कि ड्रेनेज पूरी तरह बंद है। नालियों का पानी भी सड़कों पर बहता है और वर्षा के बाद तो जलभराव के चलते घरों से बाहर निकलना ही दूभर हो जाता है।

दिल्ली में सेब के दाम 30% तक बढ़े, हिमाचल से आधी रह गई आवक; जानें कब मिलेगी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। इस सीजन हिमाचल प्रदेश में मौसम की बेरुखी के कारण बर्बाद हुई सेब की फसल का असर अब दिल्ली के थोक व खुदरा बाजार में दिखने लगा है। गत वर्ष की तुलना में सेब के दाम में इस बार 20 से 30 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। थोक दाम में उछाल के बाद खुदरा बाजार में सेब की कीमत 300 से लेकर 350 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। बेमौसमी बर्फबारी की वजह से हिमाचल प्रदेश में अनुमानित 50 प्रतिशत से अधिक सेब की फसल को नुकसान पहुंचा है, इस कारण आजादपुर फल एवं सब्जी मंडी में गत वर्ष की तुलना में सेब की आवक आधी से भी कम रह गई है।

पिछले साल जुलाई महीने में हिमाचल प्रदेश से प्रतिदिन औसतन सौ गाड़ी सेब की आवक थी, अब बमुश्किल 25-30 गाड़ी पहुंच रही हैं। हिमाचल प्रदेश से हर साल आजादपुर फल एवं सब्जी मंडी में जुलाई माह के दूसरे-तीसरे सप्ताह में सेब की आवक शुरू होती है और सितंबर महीने तक चलती है। लेकिन, इस बार आजादपुर मंडी से हिमाचली सेब की आवक बहुत कम है। एपल मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष मीठाराम कृपलानी का कहना है कि पिछले साल 20 जुलाई को हिमाचल प्रदेश से सेब की लगभग सौ गाड़ी की आवक थी, इस बार मात्र 25-30 गाड़ी आईं।

आवक कम होने के कारण इस बार सेब का थोक भाव 150 से 200 रुपये किलो तक पहुंच गया है, पिछले साल जुलाई महीने में सेब 100-150 रुपये किलो बिका था। हिमाचल प्रदेश में इस बार खराब मौसम के कारण सेब की फसल को भारी हानि पहुंची है। थोक दाम बढ़ने के बाद बाजार में 150 से 200 रुपये बिकने वाला सेब अब 300 रुपये किलो तक पहुंच गया है।

टेक्सास में भारतीय-अमेरिकी छात्र की आत्महत्या

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक 24 वर्षीय भारतीय–अमेरिकी चिकित्सा छात्र वैभव दुग्गल ने जुलाई 2025 में आत्महत्या कर ली थी। शैक्षणिक अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद हुई इस घटना पर उनके परिवार ने कानूनी समीक्षा और प्रणालीगत नीतिगत सुधारों की मांग की है। परिवार ने संस्थागत विफलता और मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों की कमी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अपारदर्शी अनुशासनात्मक प्रक्रिया में उचित प्रक्रिया और पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य सहायता का अभाव था। इसी कारण वैभव को गंभीर मनोवैज्ञानिक परेशानी हुई, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। परिवार के वकालत अभियान ने जवाबदेही, स्वतंत्र समीक्षा और सुधार की मांग की है। यह मामला उच्च–दांव वाली व्यावसायिक शिक्षा में प्रणालीगत मुद्दों पर ध्यान आकर्षित कर रहा है।

दक्षिणी चीन में टाइफून नोल की दस्तक

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिणी चीन में रविवार तड़के शक्तिशाली टाइफून नोल ने दस्तक दी, जिसके बाद गुआंगदोंग प्रांत और हांगकांग सहित आसपास के क्षेत्रों में तेज हवाएं और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। चीन के राष्ट्रीय मौसम केंद्र के अनुसार, टाइफून ने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 3 :50 बजे गुआंगदोंग प्रांत के हुइझोउ शहर के हुइदोंग काउंटी तट पर लैंडफॉल किया।

नेपाल नहीं हटाएगा एक रुपये के सिक्के से विवादित नक्शा, भारत की किन जगहों को बताया अपना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल अपने नए डिजाइन वाले एक रुपये के सिक्के पर विवादित नक्शा ही जारी रखेगा। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने शनिवार को कहा कि नए सिक्के पर लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाया जाएगा। नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता है, जबकि भारत का कहना है कि लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी उत्तराखंड का हिस्सा हैं। भारत का यह भी कहना है कि इस मुद्दे का समाधान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के जरिए होना चाहिए।

नेपाल में तत्कालीन के.पी. शर्मा ओली सरकार ने मई 2020 में इन क्षेत्रों को अपने आधिकारिक नक्शे में शामिल किया था। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने कहा कि केंद्रीय बैंक देश के नए नक्शे वाला एक रुपये का सिक्का जारी करेगा, जिसमें इन क्षेत्रों को नेपाल का हिस्सा दिखाया जाएगा।

जनता और विपक्षी दलों के दबाव में झुकी नेपाल सरकार

20 जुलाई को नेपाल सरकार ने एक रुपये के सिक्के पर बने नेपाल के नक्शे की जगह एक बौद्ध मठ की तस्वीर लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि, विपक्षी दलों और आम जनता के दबाव के बाद सरकार ने अपने फैसले में बदलाव करते हुए एक रुपये के सिक्के पर नक्शा बरकरार रखने का निर्णय लिया। पौडेल ने कहा कि केंद्रीय बैंक को अभी तक सिक्के का नया डिजाइन आधिकारिक रूप से नहीं

मिला है, लेकिन उन्हें पूरा विश्वास है कि नए सिक्के पर नेपाल का वही नक्शा होगा। उन्होंने बताया कि नए सिक्के का आकार और धातु बदली जाएगी। यह पहले के सिक्के की तुलना में छोटा और हल्का होगा।

क्या है भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद: भारत और नेपाल के बीच लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को लेकर सीमा विवाद कई दशकों से चला आ रहा है। यह क्षेत्र भारत के उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले और नेपाल के सुदूर-पश्चिमी हिस्से के बीच स्थित है। विवाद की जड़ 1816 की सुगौली संधि है, जिसके अनुसार महाकाली (काली) नदी को दोनों देशों की सीमा माना गया था। असली मतभेद इस बात पर है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम स्थल कौन-सा है।

नेपाल का दावा है कि नदी का स्रोत लिम्पियाधुरा है, इसलिए लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी उसके क्षेत्र में आते हैं। वहीं भारत का कहना है कि नदी का उद्गम कालापानी के पास है, इसलिए यह इलाका भारतीय सीमा का हिस्सा है। भारत 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद से कालापानी क्षेत्र में सुरक्षा बल तैनात किए हुए है। वर्ष 2020 में भारत द्वारा लिपुलेख तक सड़क बनाए जाने के बाद नेपाल ने विरोध जताया और अपने नए राजनीतिक मानचित्र में इन तीनों क्षेत्रों को शामिल कर लिया। भारत ने इस कदम को स्वीकार नहीं किया और इसे एकतरफा कार्रवाई बताया। दोनों देशों का आधिकारिक रुख है कि इस विवाद का समाधान द्विपक्षीय वार्ता और कूटनीतिक बातचीत के माध्यम से ही किया जाएगा।

सौरभ भारद्वाज के खिलाफ परवेश वर्मा की आपराधिक मानहानि याचिका में इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में आज दिल्ली सरकार के मंत्री परवेश वर्मा की ओर से आम आदमी पार्टी के दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले में आज साक्ष्य के रुप में इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज दाखिल किए गए. एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने मामले की अगली सुनवाई 1 अगस्त को करने का आदेश दिया. आज शिकायतकर्ता परवेश वर्मा की ओर से कुछ दस्तावेज और पेन ड्राईव में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य दाखिल किया. जिसे कोर्ट ने रिकॉर्ड पर ले लिया. इसके पहले 15 जुलाई को परवेश वर्मा की ओर से दो गवाहों शक्ति सिंह सहरावत और कुलभूषण जैन के बयान दर्ज कराए गए थे. शिकायतकर्ता परवेश वर्मा ने 4 जुलाई को अपना बयान दर्ज कराया था. परवेश वर्मा ने अपने बयान में कहा था कि सौरभ भारद्वाज ने उनके और उनके परिवार की छवि को खराब करने के लिए झूठे आरोप लगाए. उन्होंने कहा था कि सौरभ भारद्वाज ने झूठा आरोप लगाया था कि परवेश वर्मा ने बतौर मंत्री अपने पद का गलत इस्तेमाल कर अपने कथित सहयोगी को लगभग पांच सौ करोड़ रुपये के एक निजी स्कूल ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्त किया. परवेश वर्मा ने आपराधिक मानहानि याचिका में कहा है कि सौरभ भारद्वाज ने 15 और 16 मई को उन्हें बदनाम करने की नीयत से ट्वीट किया. याचिका में कहा गया है कि सौरभ भारद्वाज ने झूठा आरोप लगाया था कि परवेश वर्मा ने बतौर मंत्री अपने पद का गलत इस्तेमाल कर अपने कथित सहयोगी को लगभग पांच सौ करोड़ रुपये के एक निजी स्कूल ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्त किया. याचिका में कहा गया है कि सौरभ भारद्वाज ने ये भी कहा था कि परवेश वर्मा ने स्कूल के कर्मचारियों के पक्ष में काम किया जो पॉक्सो केस में आरोपी हैं. परवेश वर्मा ने कहा है कि सौरभ भारद्वाज के ये पोस्ट समाज की नजरों में उनकी छवि को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के लिए की.बता दें कि इसी मामले में परवेश वर्मा ने सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में दीवानी मानहानि का केस दायर किया है.

जब हार गया इंसान तब एआई बना सहारा; वर्षों बाद शख्स को परिवार से मिलाया

टोरंटो, एजेंसी। अमृतसर में जन्मे 66 वर्षीय अवतार सिंह का पालन-पोषण उनके दादा-दादी ने किया। वह दादी को ही अपनी मां मानते थे। आठ वर्ष की उम्र में उन्हें पता चला कि उनके पिता, मां और एक छोटे भाई कनाडा में रहते हैं। वर्ष 1968 में नौ साल की उम्र में उन्हें अकेले ही नोवा स्कोटिया के हालीफैक्स भेज दिया गया। नए परिवार के साथ रहने पर उन्हें महसूस हुआ कि उनकी मां का व्यवहार उनके प्रति बेहद रूखा था। तभी से उन्हें शक होने लगा कि वह उनकी सगी मां नहीं हैं, लेकिन परिवार ने इस विषय पर पूरी तरह चुप्पी साधे रखी।

आखिर अवतार को अपनी असली मां के बारे में सच कैसे पता चला: जब अवतार की शादी हुई तो उनके दादा-दादी कुछ समय के लिए कनाडा पहुंचे। उसी दौरान उनकी दादी ने अवतार की पत्नी को बताया कि अवतार उनके पिता की पहली पत्नी के बेटे हैं। उनकी मां दक्षिण अफ्रीका में रहती थीं और वह उन्हें दादा-दादी के पास छोड़कर चली गई थीं। कई वर्षों बाद पिता ने काफी पूछने पर सिर्फ इतना बताया कि उनकी मां का नाम सविंदर था। बस इसी एक जानकारी के सहारे अवतार ने अपनी मां को खोजने की हर संभव कोशिश शुरू कर दी। उन्होंने फेसबुक और गूगल की मदद ली। उन्हें लगता था कि शायद परिवार ने उनकी मां की दूसरी शादी कराने के लिए उन्हें दादा-दादी के पास छोड़ दिया था। उन्हें यह भी उम्मीद थी कि उनकी मां शायद ब्रिटेन में रहती होंगी। वर्ष 2009 में वह लंदन भी पहुंचे और विवाह पंजीकरण रिकॉर्ड के जरिए मां को तलाशने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मां की डिजिटल विरासत ने भाई–बहन को कैसे मिलाया?: अवतार की तरह ही ब्रिटेन के बर्मिंघम में रहने वाली उनकी सौतेली बहन निक्सी भी अपने भाई को तलाशने की कोशिश कर रही थीं। पेशे से ज्वेलरी डिजाइनर 58 वर्षीय निक्सी अपनी मां सविंदर के बेहद करीब थीं। उन्हें भी काफी समय बाद पता चला कि उनकी मां की पहले भी शादी हो चुकी थी और उनका एक बेटा भी है। उन्होंने यह सोचकर कि शायद कभी उनका भाई उन्हें ढूंढ़ने की कोशिश करे, अपनी मां की डिजिटल

विरासत तैयार करने का फैसला किया। इसी उद्देश्य से उन्होंने अपनी मां से जुड़ी जानकारियां ब्लॉग और लेखों के रूप में इंटरनेट पर प्रकाशित कीं।

आखिरी कोशिश में चैटजीपीटी ने कैसे आसान कर दिया वर्षों का इंतजार?

अवतार कैंसर के इलाज से उबर रहे हैं। इसी वर्ष 8 मई को वह छुट्टियां मनाने फ्रांस गए थे। खाली समय में उनके मन में एक बार फिर अपनी मां को खोजने का विचार आया। इस बार उन्होंने एआई की मदद लेने का फैसला किया। उन्होंने चैटजीपीटी पर अपनी मां का नाम, अमृतसर से जुड़ी जानकारी और अन्य उपलब्ध विवरण डालकर खोजबीन की। हालांकि मां के बारे में सीधी जानकारी नहीं मिली, लेकिन एक लिंक जरूर मिला, जो निक्सी द्वारा लिखा गया ब्लॉग था। उसी ब्लॉग के जरिए अवतार का निक्सी से संपर्क हो गया।

मां से मुलाकात क्यों नहीं हो सकी और अब किस बात का है अफसोस: अवतार को पता चला कि उनकी मां सविंदर का दिसंबर 2024 में 88 वर्ष की उम्र में निधन हो चुका था। उन्हें इस बात का गहरा अफसोस है कि वह अपनी मां से कभी मिल नहीं सके। हालांकि, निक्सी से मुलाकात और मां के साथ बिताए उसके अनुभवों को सुनकर उन्हें कुछ संतोष जरूर मिला। वर्षों की तलाश भले ही मां तक नहीं पहुंचा सकी, लेकिन एआई की मदद से उन्हें अपना बिछड़ा परिवार जरूर मिल गया।

पाकिस्तान में सेना का बढ़ा दबदबा: क्या शहबाज से छिनी सबसे बड़ी ताकत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने अपने रक्षा ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए परमाणु हथियारों और रणनीतिक मिसाइल प्रणाली की ऑपरेशनल कमान सेना को सौंप दी है। नए कानून के तहत नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड (एनएससी) का गठन किया गया है, जिसकी कमान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पास होगी। 27वें संविधान संशोधन के बाद एनएससी का गठन किया गया है, जिसके तहत परमाणु हथियारों और अन्य महत्वपूर्ण रणनीतिक संसाधनों का संचालन अब सीधे केंद्रीय सैन्य कमान के अधीन होगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल आमिर रजा को फोर–स्टार जनरल के रूप में पदोन्नत कर इस नई कमान का पहला कमांडर नियुक्त किया है। नया ढांचा काफी हद तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के मॉडल पर तैयार किया गया पहले पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम नेशनल कमांड अथॉरिटी (एनसीए) के अधीन था, जिसके अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री होते थे। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल या उनकी तैनाती का अंतिम फैसला प्रधानमंत्री करते थे। अब नए सैन्य पुनर्गठन के तहत गठित एनएससी ने वास्तविक कमान संभाल ली है। प्रधानमंत्री की भूमिका अब केवल सूचना प्राप्त करने तक सीमित रह गई है।

संक्षिप्त समाचार

सिटी पार्क स्थित शहीद उद्यान में कारगिल के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आज पूरे देश में 27वां कारगिल विजय दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। बोकारो के सिटी पार्क स्थित शहीद उद्यान में अखिल भारतीय सैनिक परिषद के द्वारा कारगिल दिवस का विजय उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बोकारो में उनके अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को याद किया गया। कारगिल विजय दिवस देश की रक्षा के लिए समर्पित वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है। इस दौरान 1999 में युद्ध में शामिल रहे सैनिकों ने अपने अनुभव को साझा किया और देश के युवाओं में देशभक्ति जागने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश की सेना काफी टेक्नोलॉजी से मजबूत है। जिस वक्त कारगिल युद्ध हुआ था उस वक्त हम लोग इतने एडवांस नहीं थे। लेकिन इसके बावजूद हम लोगों ने जीत हासिल की। आज की युवा पीढ़ी को सेवा में देश सेवा के लिए जाने की जरूरत है। इससे बड़ी सेवा जीवन में कुछ नहीं हो सकती है।

राजपूत विचार मंच केंद्रीय कमेटी धनबाद के अध्यक्ष बने डीएन सिंह

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को कोर्ट रोड हीरापुर स्थित होटल रतन विहार में राजपूत विचार केंद्रीय कमेटी की एक अति आवश्यक

बैठक रखी गई। बैठक की अध्यक्षता अरुण कुमार सिंह ने की, जिसमें पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, बजेंद्र प्रसाद सिंह, अरविंद सिंह, दिनेश सिंह, की उपस्थिति में डी एन सिंह को राजपूत विचार मंच केंद्रीय कमेटी धनबाद का नया अध्यक्ष चुना गया। इस बैठक में धनबाद जिला से आए हुए राजपूत विचार मंच संगठन के लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें मुख्य रूप से सुधीर प्रसाद सिंह, केंद्रीय महामंत्री, राजेंद्र सिंह केंद्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष, अमित सिंह केंद्रीय उपाध्यक्ष, अभिमन्यु सिंह , एस के सिंह, अक्षयबर सिंह, विवेका सिंह, कृष्ण सिंह, विक्रम सिंह, विनोद सिंह, रमाशंकर सिंह ,शशि सिंह, उदय सिंह, पवन सिंह, जयराम सिंह ,दिलीप सिंह, विदेशी सिंह, कौशल किशोर सिंह ,सहित समाज के गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

विधायक चंद्रदेव महतो की पहल पर : 24 घंटे के भीतर बदला गया जला हुआ ट्रांसफार्मर

सिंदरी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विधानसभा क्षेत्र के आमटाल पंचायत अंतर्गत कुईयाँ बस्ती में बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। बस्ती का मुख्य बिजली ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूबा हुआ था और ग्रामीण गंभीर समस्याओं का सामना करने को मजबूर थे। इस समस्या की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक चंद्रदेव महतो ने तुरंत संज्ञान लिया। एक दिन के भीतर टी आर डब्ल्यू से दूसरा ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा कर बिजली आपूर्ति बहाल करा दी। विधायक के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि सह मीडिया प्रभारी शीतल दता ने विभाग के साथ समन्वय बनाकर तकनीकी कार्यशाला से त्वरित गति से दूसरे ट्रांसफार्मर की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। रविवार को सुबह से ही धरातल पर मुस्तैद रहकर कर्मठ समाजसेवी रमेश महतो, स्थानीय युवाओं और जागरूक ग्रामीणों के सक्रिय सहयोग से नए ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि पहले ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए हफ्तों तक दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे और परेशान होना पड़ता था।

श्रमिक चौपाल में 50 असंगठित मजदूरों का निबंधन, आभा कार्ड भी बनाए गए

महुदा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को लोहापट्टी पंचायत अंतर्गत जमडीहा ग्राम के पाराटांड हरिजन टोला में श्रमिक मित्र सहदेव महतो के नेतृत्व में श्रमिक चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में असंगठित श्रमिकों को श्रमिक कल्याण

योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा सरकार की विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों, पंजीकरण प्रक्रिया एवं आवेदन संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।कार्यक्रम के दौरान करीब 50 असंगठित श्रमिकों का निबंधन किया गया तथा उनका आभा कार्ड भी बनाया गया, ताकि वे स्वास्थ्य संबंधी डिजिटल सेवाओं एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर श्रमिक मित्र सहदेव महतो ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना ही इस अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने श्रमिकों से अधिक से अधिक संख्या में योजनाओं से जुड़कर अपने अधिकारों एवं सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ लेने की इच्छा जताई। मौके पर माला देवी, अमित कुमार रविदास, मंजू देवी, मीणा देवी, मुनिया देवी, लक्ष्मी देवी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

एसआईआर : जनभागीदारी, तकनीक और प्रशासनिक समन्वय से बोकारो बना प्रभावी क्रियान्वयन का मॉडल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के सफल क्रियान्वयन में बोकारो जिला लगातार उल्लेखनीय प्रगति दर्ज कर रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा के नेतृत्व में प्रशासनिक समन्वय, तकनीकी नवाचार, नियमित मॉनिटरिंग एवं जनसहभागिता के माध्यम से जिले में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का निर्बाध रूप से प्रयोग कर सके।

घर-घर पहुंची टीम, हर पात्र मतदाता तक पहुंचने का प्रयास

अभियान के तहत जिले के सभी बूथों पर बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया गया तथा उन्हें आवश्यक विवरणी अंकित कर समय पर प्रपत्र भरकर जमा करने के लिए प्रेरित किया गया। दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, असहाय एवं ट्रांसजेंडर मतदाताओं तक विशेष रूप से पहुंच सुनिश्चित कर समावेशी लोकतंत्र की भावना को और सशक्त बनाया गया।

प्रतिदिन समीक्षा से मिली अभियान को नई गति

डीईओ सह डीसी द्वारा प्रतिदिन वीडियो संवाद के माध्यम से सभी निर्वाचन अधिकारियों, बीएलओ सुपरवाइजरों एवं संबंधित पदाधिकारियों के साथ अभियान की समीक्षा की गई। प्रपत्र वितरण, संग्रहण, डिजिटाइजेशन एवं भौतिक सत्यापन की प्रगति की नियमित निगरानी करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे अभियान को निरंतर गति मिली।

डिजिटाइजेशन में लगातार बढ़ी प्रगति

प्रगणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मोबाइल एप आधारित मॉनिटरिंग, नियमित समीक्षा एवं सतत फॉलोअप के कारण डिजिटाइजेशन कार्य में लगातार उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई।

जन जागरूकता अभियान बना सफलता की कुंजी

एसआईआर-2026 को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। सोशल मीडिया, माइकिंग, पोस्टर-बैनर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों एवं मीडिया के सहयोग से मतदाताओं को अभियान की जानकारी दी गई। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित कर नागरिकों को इन्यूमरेशन फॉर्म भरने में सहायता उपलब्ध कराई गई।

सहायता केंद्र एवं हेल्पलाइन से मिली सुविधा

मतदाताओं की सुविधा के लिए सहायता केंद्र एवं हेल्पलाइन की व्यवस्था की गई, जहां प्रपत्र भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी एवं अन्य निर्वाचन संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया। इससे मतदाताओं की भागीदारी में लगातार वृद्धि हुई।

समयबद्ध लक्ष्य की ओर बढ़ता बोकारो

अभियान के दौरान इन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण, डिजिटाइजेशन के कार्य में लगातार सुधार हुआ। जिला प्रशासन ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के लिए सुनियोजित रणनीति अपनाई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अंतिम चरण में भी सभी पदाधिकारी एवं कर्मी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। विधानसभा वार एसआईआर-2026 प्रगति (स्थिति : 26 जुलाई 2026, प्रातः 10 बजे) जिले में एसआईआर-2026 के तहत इन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) वितरण का कार्य 98.33 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। विधानसभा क्षेत्रवार प्रगति में गोमिया में 99.99 प्रतिशत, बेरमो में 99.97 प्रतिशत, बोकारो में 95.74 प्रतिशत तथा चंदनकियारी में 99.99 प्रतिशत ईएफ का वितरण किया जा चुका है।

ईएफ डिजिटाइजेशन में 92.62 प्रतिशत उपलब्धि

जिले में ईएफ डिजिटाइजेशन की प्रगति 92.62 प्रतिशत तक पहुंच गई है। विधानसभा क्षेत्रवार स्थिति में गोमिया में 98.49 प्रतिशत, बेरमो में 95.57 प्रतिशत, बोकारो में 86.23 प्रतिशत तथा चंदनकियारी में 95.98 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है।

क्या कहा जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 प्रत्येक पात्र नागरिक को शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची से जोड़ने का महत्वपूर्ण अभियान है। यह केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं समावेशी बनाने का प्रयास है। अभियान पूरा होने में अब मात्र 03 दिन शेष हैं। यदि आपने अभी तक अपना इन्यूमरेशन फॉर्म नहीं भरा है, तो बिना विलंब इसे भरकर अपने संबंधित बीएलओ को अवश्य जमा करें। आपका एक छोटा-सा प्रयास आपके मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा तथा मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

झारखण्ड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ 30 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास के समक्ष करेगा प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्थानीय सिटी पार्क, बोकारो में झारखण्ड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ की एक अहम बैठक संघ के जिला अध्यक्ष पशुपति नायक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित झारखण्ड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री साथी सपन कुमार कर्मकार ने कहा कि अविभाजित बिहार से अलग होकर झारखण्ड राज्य बनने के पश्चात राज्य निर्माण हुए 26 वर्षों में भी राज्य के चतुर्थवर्गीय कर्मियों को पद प्रोन्नति की सुविधा प्रदान नहीं किया जाना घोर अन्याय है। चतुर्थवर्गीय कर्मी राज्य सरकार के सबसे कनीय कर्मी हैं, चतुर्थवर्ग में नियुक्त होकर चतुर्थवर्ग में ही सेवा निवृत्त हो जाते हैं। यह राज्य सरकार का ऐसा संवर्ग है, जिसका विकास नहीं हो पाया। पूर्व के अविभाजित बिहार से ही तृतीय वर्ग के रिक्त पदों पर चतुर्थवर्गीय कर्मियों की पद प्रोन्नति का प्रतिशत सुनिश्चित था परन्तु झारखण्ड बनने के बाद एक भी पद पर प्रोन्नति का अवसर प्राप्त नहीं हो सका। दुःख इस बात की है कि छठा वेतन आयोग द्वारा चतुर्थवर्ग के पद के स्थान पर सभी चतुर्थवर्गीय कर्मी को तृतीय वर्ग घोषित किया गया परन्तु झारखण्ड में आज तक लागु नहीं हो सका जबकि झारखण्ड सरकार ने हु-ब-हु केन्द्रीय वेतन एवं सेवाशत्र लागु करने का निर्णय लिया था। राज्य के वरीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण अल्पवेतन भोगी चतुर्थवर्गीय कर्मी अपने सेवा लाभों के लिए भी तरस रहे हैं। बैठक में सर्वसम्मति से झारखण्ड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ के आह्वान पर 02 सूत्री माँगों को लेकर 30 जुलाई, 2026 को मुख्यमंत्री, झारखण्ड सरकार के आवास के समक्ष प्रदर्शन का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री को वस्तुस्थिति से अवगत कराने हेतु कार्यक्रम में अधिक-से अधिक संख्या में शामिल होने का निर्णय लिया गया। आज की बैठक को संघ के जिला अध्यक्ष साथी पशुपति नायक, जिला मंत्री साथी प्रेमशंकर राम, हरिलाल मोहली, खगेन्द्र महतो, चालक संघ के जिला सचिव बेला पद बाउरी, अनिल कुमार महतो, काजल मंडल, साहेब राम महतो, अर्जुन कुमार दास आदि ने सम्बोधित किया।

डैफोडिल्स एकेडमी में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डैफोडिल्स एकेडमी, करकेंद बाजार में रविवार को कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय श्री चंडी चरण बनर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात सुमन सिंह एवं मिताली चटर्जी ने गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान एवं मनमोहक नृत्य ने समारोह में चार चांद लगा दिए। विद्यालय प्राचार्य तापस बनर्जी ने बताया कि कुल 52 छात्र-छात्रा दसवी बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हुए थे ,जिसमे 50 छात्र-छात्रा सफलता प्राप्त किए। विद्यालय का परीक्षा परिणाम 96% रहा। विद्यालय प्राचार्य ने इसका श्रेय शिक्षक - शिक्षिका ,छात्र-छात्रा ,एवं अभिभावको को दिया। विद्यार्थी काफी उत्साहित एवं खुश नजर आ रहे थे। समारोह में लगभग 45 विद्यार्थी उपस्थित रहे। इनमें पीयूष राज ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री तापस बनर्जी ने विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई और विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम एवं सफलता की ओर अग्रसर रहने की शुभकामनाओं के साथ समारोह का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज में निःशुल्क तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रायफल शूटिंग खेल के सीबीएसई बोर्ड, आईसीएसई बोर्ड, यूनिवर्सिटी विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं ओलंपिक में पदक जीतने के लक्ष्य को निर्धारित कर आज से डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज में तीन दिवसीय 10 मीटर एयर रायफल एवं एयर पिस्टल शूटिंग प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हो गया। प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ होने से पूर्व बोकारो रायफल क्लब के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किये और बोकारो के खेल इतिहास व उपलब्धियों का चर्चा करते हुए प्रशिक्षुओं को पदक जीतने की शुभकामनाएं दिए। बोकारो रायफल क्लब के सचिव अनील कुमार ने खेल के असिस्टेंट एक्सरसाइज को घर में दोहराने की जानकारी दिए। यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन के निदेशक विभा कुमारी ने महिला खिलाड़ियों का मनोबल बढाई। आज के प्रशिक्षण शिविर में 54 खिलाड़ी शामिल हुए। सभी खिलाड़ियों को रायफल शूटिंग खेल के नियम व सेफ्टी, तकनीकी जानकारी देने के बाद वार्मअप, स्ट्रेचिंग, होल्डिंग, मेडीटेशन एवं शूटिंग होल्डिंग कराया गया। प्रशिक्षक एवं रेंज ऑफिसर पिंटू यादव थे। आज के प्रशिक्षण शिविर में ज्यादातर स्कूली छात्र व छात्राओं की भागीदारी रही। निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का समापन 28 जुलाई को होगा।

बैंक मोड़ चैंबर की पुरानी कमेटी अगले 2 साल के लिए निर्विरोध निर्वाचित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की वार्षिक आम सभा एजीएम संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से पुरानी कमेटी को अगले 2 वर्षों के लिए निर्विरोध पुनः निर्वाचित किया गया। चैंबर के अध्यक्ष पद पर प्रमोद गोयल, महासचिव पद पर लोकेश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष पद पर संदीप मुखर्जी को पुनः चुना गया। बैठक में शहर में बढ़ते बिजली संकट और व्यापारियों को हो रही परेशानियों पर विस्तार से चर्चा हुई। अध्यक्ष प्रमोद गोयल ने कहा कि यदि अगले तीन माह के भीतर बिजली की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो चैंबर अनिश्चितकालीन हड़ताल करने को बाध्य होगा। महासचिव लोकेश अग्रवाल ने धनबाद नगर निगम द्वारा ट्रेड लाइसेंस में 'होल्डिंग टैक्स बाध्यता' को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने इसे व्यापारियों के लिए अतिरिक्त बोझ बताया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बिजली कटौती से परेशान दुकानदार जल्द ही विद्युत विभाग के कार्यालय में अपनी दुकानों की चाभी जमा कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। चैंबर धनबाद विद्युत विभाग के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा भी करेगा।

पूर्व सैनिक परिषद ने मनाया कारगिल विजय उत्सव, किया रक्तदान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कारगिल विजय दिवस के मौके पर पूरा देश आज कारगिल के शहीदों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि प्रस्तुत कर रहा है। बोकारो में भी इसे विजय उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। बोकारो के नया मोड़ स्थित बिरसा आश्रम में पूर्व सैनिक परिषद के द्वारा विजय उत्सव मनाया गया। इसमें छोटे-छोटे बच्चों ने रंगारंग देशभक्ति कार्यक्रम कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस मौके पर कारगिल युद्ध के समय देश की सेवा में लगे भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान रक्तदान और हेल्थ चेकअप कैंप का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद बोकारो जिले के एडिशनल कलेक्टर सुनील चंद्र ने सभी को सम्मानित करने का काम किया इस मौके पर सुनील चंद्र ने कहा कि जिस समय साठ दिनों तक कारगिल युद्ध चला, सभी लोग इसके परिणाम को लेकर और जवानों के पराक्रम को याद कर रहे थे। पहली बार एक पीढ़ी ने कितना लंबा और युद्ध देखा था ।ऐसे में हमें इसे याद करने की जरूरत है। युवा पीढ़ी में देशभक्ति बनी रहे इसके लिए भी इस तरह के कार्यक्रम और कारगिल विजय दिवस को प्रत्येक वर्ष मनाने की जरूरत है।

सदर अस्पताल बोकारो में 50 वर्षीय महिला की हुई सफल एब्डोमिनल हिस्टरेक्टमी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सदर अस्पताल, बोकारो में 50 वर्षीय महिला की सफल एब्डोमिनल हिस्टरेक्टमी (बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन) की गई। ऑपरेशन विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। मरीज लंबे समय से स्त्री रोग संबंधी समस्या से पीड़ित थीं। आवश्यक चिकित्सीय जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श के बाद ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। शल्य चिकित्सा पूरी सावधानी और विशेषज्ञता के साथ संपन्न हुई। वर्तमान में मरीज की स्थिति स्थिर है तथा उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। ऑपरेशन का नेतृत्व स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि मेधा ने किया, जबकि एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. पंकज सिन्हा ने एनेस्थीसिया प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाई। सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि सदर अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से जटिल शल्य चिकित्सा सफलतापूर्वक की जा रही है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि स्त्री रोग संबंधी किसी भी समस्या की अनदेखी न करें तथा समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेकर उपचार कराएं।

वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में बोकारो इस्पात संयंत्र ने रचा स्वर्णिम इतिहास

उत्पादन, परिचालन दक्षता एवं टेक्नो-इकोनॉमिक मानकों में अनेक नए कीर्तिमान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हुई है। इस अवधि में संयंत्र ने उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन करते हुए उत्पादन, परिचालन दक्षता तथा टेक्नो-इकोनॉमिक प्रदर्शन के अनेक प्रमुख मानकों पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जो परिचालन उत्कृष्टता तथा सतत विकास के प्रति संयंत्र की प्रतिबद्धता को पुनः सिद्ध करते हैं। सुदृढ़ परिचालन रणनीति, प्रभावी लागत नियंत्रण तथा उत्कृष्ट उत्पादन प्रदर्शन के बल पर बोकारो इस्पात संयंत्र ने प्रथम तिमाही के दौरान उल्लेखनीय वित्तीय उपलब्धियाँ अर्जित कीं। संयंत्र का परिचालन राजस्व (ऑपरेशनल रेवेन्यू) 9.37 प्रतिशत बढ़कर ₹5,376 करोड़ से ₹5,880 करोड़ हो गया। इसी प्रकार, ईबीआईटीडीए में ₹566 करोड़ की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई और यह ₹588 करोड़ से बढ़कर ₹1,154 करोड़ पर पहुँच गया, जो सेल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में सर्वोत्तम प्रदर्शन है। ईबीआईटीडीए मार्जिन भी 10.94 प्रतिशत से बढ़कर 19.62 प्रतिशत हो गया, जो बेहतर परिचालन दक्षता एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग को दशार्ता है। यह भी सेल के सभी संयंत्रों में सर्वाधिक है। कर पूर्व लाभ (पीबीटी) में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए यह ₹97.82 करोड़ से बढ़कर ₹715.57 करोड़ हो गया, जो संयंत्र के सुदृढ़ वित्तीय एवं परिचालन प्रदर्शन का प्रमाण है। उत्पादन के क्षेत्र में भी संयंत्र ने स्थापना काल से अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम तिमाही का प्रदर्शन किया। इस अवधि में ओवन पुशिंग्स, ग्रॉस सिन्टर, हॉट मेटल, क्रूड स्टील तथा कुल सेल योग्य कोल्ड रोल्ड स्टील (सीआर सेलएबल) के उत्पादन में नए प्रथम तिमाही रिकॉर्ड स्थापित किए गए। इसके साथ ही सिन्टर मशीन उत्पादकता, कोक रेट तथा ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता जैसे प्रमुख परिचालन मानकों ने भी संयंत्र के स्थापना काल से अब तक की सर्वोच्च प्रथम तिमाही उपलब्धियाँ दर्ज कीं। वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र ने टेक्नो-इकोनॉमिक मानकों में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए। कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) दर बढ़कर 96 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल (किग्रा./टीएचएम) हो गई, जिसने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में प्राप्त 95 किग्रा./टीएचएम के पिछले सर्वश्रेष्ठ स्तर को पीछे छोड़ दिया। सीडीआई दर में वृद्धि से कोक की खपत कम होती है तथा ब्लास्ट फर्नेस की दक्षता एवं लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होता है। इसी प्रकार, विशिष्ट ऊर्जा खपत (स्पेसिफिक एनर्जी कंजम्प्शन) को घटाकर 6.314 जी-कैल प्रति टन क्रूड स्टील (जी-कैल/टीसीएस) के नए स्तर पर लाया गया, जो वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में प्राप्त 6.328 जी-कैल/टीसीएस के पूर्व रिकॉर्ड से बेहतर है। यह उपलब्धि संयंत्र द्वारा ऊर्जा दक्षता एवं प्रक्रिया अनुकूलन की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों को दशार्ती है। प्रथम तिमाही के दौरान विभिन्न उत्पादन एवं परिचालन क्षेत्रों में अनेक मासिक उपलब्धियाँ भी दर्ज की गईं। अप्रैल 2026 में रॉ मटेरियल हैंडलिंग प्लांट (आरएमएचपी) ने 16,653 वैगनों के माध्यम से 11.7 लाख टन कच्चे माल की अनलोडिंग कर नया मासिक रिकॉर्ड स्थापित किया, जबकि इससे पूर्व जनवरी 2026 में 15,223 वैगनों के माध्यम से 10.7 लाख टन कच्चे माल की अनलोडिंग का रिकॉर्ड था। जून 2026 में कोक ओवन विभाग ने प्रतिदिन औसतन 531 ओवन पुशिंग्स का नया कीर्तिमान स्थापित किया, जिसने मार्च 2026 में बनाए गए 530 ओवन पुशिंग्स प्रतिदिन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। कोल्ड रोलिंग मिल ने रूट-2 के शटडाउन के बावजूद अप्रैल 2026 में 52,009 टन सेल योग्य कोल्ड रोल्ड स्टील (सीआर सेलएबल-क) का उत्पादन कर मार्च 2026 के 50,975 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पार कर लिया। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में भी जून 2026 में विशिष्ट ऊर्जा खपत घटकर 6.274 जी-कैल/टीसीएस के नए मासिक सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुँच गई, जो मार्च 2026 में प्राप्त 6.290 जी-कैल/टीसीएस के पूर्व रिकॉर्ड से बेहतर है। प्रथम तिमाही के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र ने जल संरक्षण तथा प्रक्रिया जल के अधिकतम दक्ष उपयोग पर विशेष बल देते हुए जल संसाधन प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाया। विभिन्न जल संरक्षण उपायों एवं प्रक्रिया जल के अनुकूलित उपयोग के परिणामस्वरूप विशिष्ट जल खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई, जो संयंत्र में संसाधनों के सतत एवं अनुशासित उपयोग को प्रतिबिंबित करती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com